THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 266 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) मार्गशीर्ष शु.3 2080 शुक्रवार, 15 दिसंबर-2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

चारों आरोपियों की 7 दिन की रिमांड

सुरक्षा में चूक, आरोपियों पर लगाया यूएपीए-8 सुरक्षाकर्मी सस्पेंड

नई दिल्ली, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। संसद की सुरक्षा उल्लंघन मामले में चारों आरोपियों को आज दिल्ली की कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने चारों आरोपियों की 7 दिन की हिरासत दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल को दी। दिल्ली पुलिस ने अदालत में कहा कि यह एक सुनियोजित साजिश थी और भारत की संसद पर हमला था।

पुलिस के वकीलों ने आगे कहा कि आरोपी ने पर्चा ले रखा था जिसमें प्रधानमंत्री मोदी को लापता व्यक्ति घोषित किया गया था और कहा गया था कि जो व्यक्ति उन्हें ढूंढेगा उसे स्विस बैंक से पैसा दिया जाएगा। आरोपियों ने पीएम को घोषित अपराधी की तरह दिखाया। दिल्ली पुलिस ने संसद भवन की सुरक्षा में सेंधमारी करने के मामले में गुरुवार को चार आरोपियों को पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया गया। बताया जा रहा है पुलिस ने 15 दिन की रिमांड मांगी, लेकिन कोर्ट ने 7 दिन की रिमांड मंजूर की।

यूएपीए के तहत मामला दर्ज : अभियोजकों ने चार गिरफ्तार व्यक्तियों पर आतंकवाद का आरोप लगाया और कहा कि उन्होंने भय पैदा करने का प्रयास किया। दिल्ली पुलिस ने संसद के भीतर और बाहर हंगामा करने के आरोप में गिरफ्तार किये गये चार आरोपियों को बृहस्पतिवार को यहां की एक विशेष अदालत में पेश किया और इन्हें 15 दिन की पुलिस हिरासत में भेजने का अनुरोध किया। पुलिस ने आरोपियों (मनोरंजन डी., सागर शर्मा, अमोल शिंदे और नीलम देवी) को एनआईए मामलों की विशेष न्यायाधीश हरदीप कौर की विशेष अदालत में पेश किया। पुलिस ने अदालत से आरोपियों को उसकी हिरासत में भेजने का अनुरोध किया ताकि उनसे पूछताछ की जा सके। आरोपियों पर भारतीय दंड संहिता की धाराओं के अलावा आतंकवाद-रोधी कानून (यूएपीए) के तहत आरोप लगाए गए हैं। गौरतलब है कि संसद पर 2001 में किए गए आतंकी हमले की बरसी के दिन बुधवार को, सुरक्षा में सेंधमारी की बड़ी घटना उस वक्त सामने आई जब लोकसभा की कार्यवाही के दौरान दर्शक दीर्घा से दो लोग सदन के भीतर कूद गए और 'केन' के जरिये पीले रंग का धुआं फैला दिया।

घटना के तत्काल बाद दोनों को पकड़ लिया गया। इस घटना के कुछ देर बाद ही पीले और लाल रंग का धुआं छोड़ने वाली 'केन' लेकर संसद भवन के बाहर प्रदर्शन करने वाले एक पुरुष और एक महिला को गिरफ्तार किया गया।

सदन में कूदने वाले दोनों व्यक्तियों की पहचान सागर शर्मा और मनोरंजन डी. के रूप में हुई है। संसद भवन के बाहर से गिरफ्तार किए गए दो लोगों की पहचान हरियाणा के जींद जिले के गांव घासो खुर्द की निवासी नीलम (42) और लातूर (महाराष्ट्र) के निवासी अमोल शिंदे (25) के रूप में हुई है।

कराची बेकरी में गैस सिलेंडर फटा

15 घायल : 6 मजदूरों की हालत गंभीर

हैदराबाद, 14 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के हैदराबाद में राजेंद्र नगर स्थित कराची बेकरी में गुरुवार को गैस सिलेंडर में ब्लास्ट हो गया। इससे बेकरी में मौजूद 15 मजदूर झुलस गए। इनमें छह की हालत गंभीर है। बताया जा रहा है कि घायलों में ज्यादातर मजदूर उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं। बेकरी प्रबंधन ने घायलों को तुरंत स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची। पुलिस ने केस दर्ज किया है। घटना की जांच चल रही है। वहीं, सीएम रेवंत रेड्डी ने कराची बेकरी में धमाके की घटना पर दुख जताया है। सीएम रेड्डी ने दुर्घटना में घायल हुए मजदूरों को बेहतर इलाज उपलब्ध कराने का आदेश दिया है।

गड्डम प्रसाद कुमार चुने गए विधानसभा स्पीकर

भाजपा विधायकों को दिलाई शपथ

हैदराबाद, 14 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में सत्ताधारी कांग्रेस के विधायक गड्डम प्रसाद कुमार तेलंगाना विधानसभा के स्पीकर चुने गए हैं। गड्डम प्रसाद कुमार का चुनाव निर्विरोध हुआ। गुरुवार को प्रोटेम स्पीकर अकबरुद्दीन ओवैसी ने गड्डम प्रसाद कुमार के नाम का एलान किया।

ओवैसी ने कहा कि गड्डम प्रसाद कुमार निर्विरोध सदन के स्पीकर चुने गए हैं। प्रोटेम स्पीकर के एलान के बाद सीएम रेवंत रेड्डी, डिप्टी सीएम भट्टी विक्रमार्का और बीआरएस विधायक केटी रामाराव गड्डम प्रसाद कुमार को स्पीकर के आसन तक लेकर गए। विधानसभा के सभी सदस्यों ने आसन पर जाकर गड्डम प्रसाद कुमार को स्पीकर बनने की बधाई दी। इसके बाद सीएम रेवंत रेड्डी ने गद्दम प्रसाद की उम्मीदवारी का समर्थन करने के लिए सभी पार्टियों को धन्यवाद दिया। इस दौरान भाजपा को छोड़कर अन्य सभी पार्टियों बीआरएस, एआईएमआईएम और सीपीआई ने गद्दम प्रसाद को अपना समर्थन दिया। बता दें कि अकबरुद्दीन ओवैसी को प्रोटेम स्पीकर बनाए जाने के विरोध में भाजपा सदन की कार्यवाही में शामिल नहीं हुई। >14

डेरेक ओ ब्रायन तुरंत सदन से बाहर

नई दिल्ली, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस के सांसद डेरेक ओ ब्रायन को गुरुवार को राज्यसभा से सस्पेंड कर दिया गया। संसद में सुरक्षा चूक के मुद्दे पर विपक्ष के हंगामे के दौरान ओ ब्रायन प्रदर्शन करते हुए सभापति के पास तक आ गए। इसके बाद उन्हें सदन से निलंबित कर दिया गया। राज्यसभा से डेरेक ओ ब्रायन को निलंबित करने का प्रस्ताव भाजपा की तरफ से सासंद पीयूष गोयल ने पेश किया। बताया गया है कि संसद में सुरक्षा में चूक के मुद्दे को लेकर ब्रायन प्रदर्शन करते हुए सभापति के पास वेल तक पहुंच गए थे। इस दौरान उन्होंने नारेबाजी की और सदन की कार्यवाही को स्थगित करने की कोशिश की।

कांग्रेस के 14 सांसद लोकसभा से निलंबित

गलत बर्ताव के चलते हुई कार्रवाई

नई दिल्ली, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। लोकसभा में गुरुवार को एक प्रस्ताव पारित किया, जिसमें कांग्रेस के 14 सांसदों को बाकी शीतकालीन सत्र से निलंबित कर दिया गया है। कांग्रेस सांसदों के खिलाफ सदन की कार्यवाही बाधित करने के आरोप में यह कार्रवाई की गई।

इससे पहले पांच सांसदों को निलंबित किया गया था और अब नौ और सांसदों को भी निलंबित कर दिया गया है।

संसदीय कार्यमंत्री प्रहलाद जोशी ने लोकसभा में एक प्रस्ताव पेश किया। इस प्रस्ताव में गलत बर्ताव के चलते पांच सदस्यों टीएन प्रथापन, हीबी एडेन, जोथिमनी, राम्या हरिदास और डीन कुरियाकोस को निलंबित किया गया। इस दौरान बी महताब सदन की अध्यक्षता कर रहे थे।

इसके बाद विपक्षी सासंदों ने हंगामा शुरू कर दिया। इस पर स्पीकर बी महताब ने कांग्रेस के नौ अन्य सांसदों को भी निलंबित कर दिया। इनमें बेनी बेहानान, वीके श्रीधरन, मोहम्मद जावेद, पीआर नटराजन, कनिमोई करुणानिधि, के सुब्रमण्यन, एसआर पारथीबान, एस वेंकटेशन और मणिकम टैगोर के नाम शामिल हैं।

सांसद हनुमान बेनीवाल ने स्पीकर के पोडियम पर चढ़ने की कोशिश की

संसद की सुरक्षा में चूक के मुद्दे पर लोकसभा में गुरुवार को जमकर हंगामा हुआ। विपक्षी सांसदों ने खूब नारेबाजी की। इसी दौरान राजस्थान से आरएलपी पार्टी के सांसद हनुमान बेनीवाल ने लोकसभा की कार्यवाही के दौरान स्पीकर के पोडियम पर चढ़ने की कोशिश की। नारेबाजी करते हुए विपक्षी सांसद वेल में आ गए। विपक्षी सांसदों की मांग थी कि अमित शाह इस मुद्दे पर सदन में आकर बयान दें।

'मैं जज से कुछ नहीं कहूंगा' : सीजेआई चंद्रचूड़ ने ठुकरा दी सत्येंद्र जैन की अपील

नई दिल्ली, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) ने दूसरी पीठ के समक्ष सूचीबद्ध आप नेता सत्येंद्र कुमार जैन की जमानत याचिका पर सुनवाई टालने से इनकार किया। जैन की याचिका दूसरी बेंच के सामने पेंडिंग होने की दलील देकर अपील को खारिज करते हुए चीफ जस्टिस ने कहा कि वह कोर्ट में सूचीबद्ध किसी केस में जज को निर्देश नहीं देंगे कि उन्हें क्या करना चाहिए।

सीजेआई डी वाई चंद्रचूड़ ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जस्टिस बेला एम त्रिवेदी की अगुवाई वाली पीठ के समक्ष सूचीबद्ध आम आदमी पार्टी नेता सत्येंद्र कुमार जैन की जमानत याचिका पर सुनवाई स्थगित करने से बृहस्पतिवार को इनकार किया। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि संबंधित न्यायाधीश इस पर फैसला लेंगे। जैन की ओर से वरिष्ठ वकील अभिषेक सिंघवी ने सीजेआई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ से आग्रह किया कि जस्टिस त्रिवेदी की अगुवाई वाली पीठ द्वारा दिन में उनकी याचिका पर प्रस्तावित सुनवाई को स्थगित किया जाए। >14

हेमंत सोरेन के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट के लिए कोर्ट जा सकती है ईडी

6 समन के बाद भी नहीं हुए हाजिर

रांची, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। ईडी अब झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के खिलाफ वारंट और कार्रवाई के विकल्पों पर विचार कर रही है। सोरेन ईडी के छह समन को नजरअंदाज कर चुके हैं। उन्होंने समन की हर तारीख पर जवाबी पत्र भेजा, लेकिन वे एजेंसी के समक्ष पूछताछ के लिए हाजिर नहीं हुए। एजेंसी अब उनके खिलाफ कोर्ट से वारंट जारी कराने और उनकी गिरफ्तारी के विकल्पों पर विधि विशेषज्ञों से परामर्श कर रही है।

जमीन घोटाले की जांच कर रही ईडी ने सोरेन को आखिरी समन बीते 10 दिसंबर को जारी किया था और उन्हें 12 दिसंबर को एजेंसी के रांची स्थित जोनल ऑफिस में दिन के 11 बजे उपस्थित होने को कहा था।

सोरेन के ईडी के दफ्तर पहुंचने की संभावना को लेकर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। पूरे दिन ईडी दफ्तर के बाहर गहमागहमी रही, लेकिन सोरेन हाजिर नहीं हुए। वह दोपहर तीन बजे ईडी के दफ्तर के ठीक सामने से गुजरते हुए रांची एयरपोर्ट चले गए और वहां से हेलीकॉप्टर के जरिए दुमका के लिए रवाना हुए, जहां उन्हें आपकी सरकार, आपके द्वार अभियान के तहत पूर्वनिर्धारित कार्यक्रम में उपस्थित होना था। सोरेन ने दुमका में जनसमूह को संबोधित करते हुए ईडी के समन का जिक्र किए बगैर कहा, कुछ लोगों को संदेह था कि मैं आज यहां इस कार्यक्रम में रहूंगा या नहीं, लेकिन मैं आपके बीच हूं। सनद रहे कि ईडी की ओर से भेजे जा रहे समन को सीएम हेमंत सोरेन ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने उनकी याचिका सुने बगैर हाईकोर्ट जाने को कहा था।

शाही ईदगाह मस्जिद का सर्वे कराने के विचार पर मंजूरी

इलाहाबाद हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

प्रयागराज, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मभूमि-ईदगाह प्रकरण को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने सर्वे करने की मंजूरी दे दी है। एक तरफ हिंदू पक्ष की याचिका को कोर्ट ने स्वीकार कर लिया है। वहीं दूसरी तरफ ईदगाह कमेटी और वक्फ बोर्ड की दलीलों को कोर्ट ने खारिज कर दिया है। इससे पहले हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति मयंक कुमार जैन ने पक्षों को सुनने के बाद 16 नवंबर को आदेश सुरक्षित रख लिया था।

जन्मभूमि-ईदगाह प्रकरण में हाईकोर्ट ने 16 नवंबर को हुई सुनवाई के बाद सभी 18 केसों से संबंधित वादकारी और प्रतिवादियों को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित रहने का आदेश दिया था। श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति न्यास के अध्यक्ष महेंद्र प्रताप सिंह ने बताया था कि सेशन कोर्ट में दाखिल 18 वादों की फाइलों को हाईकोर्ट ने अपने अधीन सुनवाई के लिए ले रखा है। उन्होंने आरोप लगाया था कि ईदगाह पक्ष जन्मभूमि की स्थापत्य कला के साथ खिलवाड़ कर सबूतों को नष्ट कर रहा है। इससे पहले ही साक्ष्य नष्ट कर दिए जाएं, हाईकोर्ट से मांग की जाएगी कि ज्ञानवापी की तर्ज पर जन्मभूमि का भी सर्वे कराने का आदेश देने की कोर्ट से अपील की जाएगी। शाही ईदगाह मस्जिद मथुरा शहर में श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर परिसर से सटी हुई है। 12 अक्टूबर 1968 को श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान ने शाही मस्जिद ईदगाह ट्रस्ट के साथ एक समझौता किया। समझौते में 13.37 एकड़ जमीन पर मंदिर और मस्जिद दोनों के बने रहने की बात है।

पूरा विवाद इसी 13.37 एकड़ जमीन को लेकर है। इस जमीन में से 10.9 एकड़ जमीन श्रीकृष्ण जन्मस्थान और 2.5 एकड़ जमीन शाही ईदगाह मस्जिद के पास है। इस समझौते में मुस्लिम पक्ष ने मंदिर के लिए अपने कब्जे की कुछ जगह छोड़ी और मुस्लिम पक्ष को बदले में पास में ही कुछ जगह दी गई थी। अब हिन्दू पक्ष पूरी 13.37 एकड़ जमीन पर कब्जे की मांग कर रहा है। ऐसा कहा जाता है कि औरंगजेब ने श्रीकृष्ण जन्म स्थली पर बने प्राचीन केशवनाथ मंदिर को नष्ट करके उसी जगह 1669-70 में शाही ईदगाह मस्जिद का निर्माण कराया था।

संसद सिक्योरिटी ब्रेक मामले में कूदा आतंकी पन्नू

बोला-गिरफ्तार चारों आरोपियों को 10 लाख रुपये की कानूनी मदद दूंगा, साजिश पर साधी चुप्पी

अमृतसर, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। संसद पर आतंकी हमले के 22 साल बाद एक बार फिर सुरक्षा में सेंध मामले में अब खालिस्तानी आतंकी संगठन सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) के गुरपतवंत सिंह पन्नू भी कूद गया है। संसद में घुसपैठ मामले में महिला सहित पकड़े गए चारों आरोपियों को आतंकी पन्नू ने कानूनी मदद देने की पेशकश कर दी है। उसने इस मामले में वीडियो जारी किया है। मगर, इस पूरे प्रकरण में उसकी क्या भूमिका है, इस पर पन्नू ने कोई टिप्पणी नहीं की है।

आतंकी पन्नू ने जारी मैसेज में कहा कि संसद हमले की बरसी पर संसद सुरक्षा का उल्लंघन करने वाले चार पुरुषों और महिला को 10 लाख की कानूनी सहायता देगा। वास्तव में भारतीय संसद की नींव को झटका लगा है। सेल्फ डिफेंस के लिए हथियारों से लैस होना जरूरी है। वहीं, उसने कनाडा, अमेरिका में शुरू की गई रेफरेंडम ड्राइव के 26 जनवरी 2024 से भारत में शुरू करने की एक और धमकी दे दी है। >14

'संसद की सुरक्षा चूक के मामले पर गृहमंत्री दें बयान'

नई दिल्ली, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) के घटक दलों के नेताओं ने संसद की सुरक्षा में चूक के मामले को लेकर गुरुवार को एक बैठक की। यहां उन्होंने सरकार से आग्रह किया इस मुद्दे की गंभीरता को देखते हुए गृहमंत्री अमित शाह विस्तृत बयान दें। साथ ही दोनों सदनों में इस विषय पर चर्चा कराई जाए।

विपक्षी दलों की यह भी मांग है कि लोकसभा की दर्शक दीर्घा से सदन में कूदने वाले व्यक्ति को पास दिलाने वाले भाजपा सांसद प्रताप सिम्हा के खिलाफ कार्रवाई की जाए। बता दें, नेताओं की बैठक कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के संसद भवन स्थित कक्ष में हुई। बैठक में कांग्रेस के खड़गे और जयराम रमेश, द्रमुक से टी.आर. बालू और तिरूची शिवा, समाजवादी पार्टी के रामगोपाल यादव, तृणमूल कांग्रेस के डेरेक ओब्रायन, शिवसेना (यूबीटी) के संजय राउत, राष्ट्रीय जनता दल के मनोज झा तथा कई अन्य विपक्षी दलों के नेता शामिल थे। इस बैठक के बाद खड़गे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, संसद और सांसदों की सुरक्षा को देखते हुए विपक्ष और इंडिया गठबंधन की ओर से हम मांग करते हैं कि इस गंभीर मामले पर केंद्रीय गृहमंत्री एक बयान दें और उसके बाद इस संबंध में चर्चा की जाए। उन्होंने कहा कि संसद की सुरक्षा के लिए तुरंत जरूरी कदम उठाए जाएं। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पर कहा कि दोनों सदनों में गृहमंत्री एक विस्तृत बयान दें, जिसके बाद चर्चा हो।

अंतरराज्यीय अवैध हथियार तस्करी गिरोह का पर्दाफाश

चंडीगढ़, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। पंजाब पुलिस ने मध्य प्रदेश के एक हथियार निर्माता सहित दस लोगों की गिरफ्तारी के साथ एक अंतरराज्यीय अवैध हथियार तस्करी गिरोह का पर्दाफाश किया है। एक शीर्ष पुलिस अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पंजाब पुलिस के महानिदेशक गौरव यादव ने कहा कि कुल 22 हथियार बरामद किए गए हैं। यादव ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, "पुलिस ने मध्यप्रदेश से संचालित एक अंतरराज्यीय अवैध हथियार तस्करी रैकेट का भंडाफोड़ किया और हथियार की आपूर्ति करने वाले दो तस्कर गिरोह का पर्दाफाश किया। मध्यप्रदेश से हथियार निर्माता सहित 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया और उसके पास से 22 हथियारों की बरामदगी हुई है।"

पिनाका रॉकेट लॉन्चर सिस्टम के लिए 6,400 रॉकेट खरीदने की मंजूरी मिली, सेना की बढ़ेगी ताकत

नई दिल्ली, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय सेना की युद्धक क्षमताएं बढ़ाने और सीमा पार से होने वाली किसी भी हिमाकत का करारा जवाब देने के लिए रक्षा मंत्रालय ने एक बड़ा फैसला लिया है। रक्षा मंत्रालय ने भारतीय सेना के लिए पिनाका मल्टी-बैरल रॉकेट लॉन्चर सिस्टम के लिए लगभग 6,400 रॉकेट खरीदने के लिए 2,800 करोड़ रुपये के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

रिपोर्ट के अनुसार रक्षा मंत्रालय की रक्षा अधिग्रहण परिषद की हालिया बैठक में दो प्रकार के इन रॉकेटों के अधिग्रहण के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई। इन्हें एरिया डेनियल म्यूनिशन टाइप 2 और टाइप -3 के नाम से जाना जाता है। खास बात ये है कि भारतीय सेना द्वारा रॉकेट केवल स्वदेशी स्रोतों से खरीदे जाएंगे। इसमें सोलर इंडस्ट्रीज की इकोनॉमिक एक्सप्लोसिव लिमिटेड और म्यूनिशन्स इंडिया लिमिटेड शामिल हैं। बता दें कि भारत निर्मित पिनाक हथियार प्रणाली, जिसका नाम हिंदू भगवान शिव के धनुष के नाम पर रखा गया है, को रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन द्वारा विकसित किया गया है। पिनाका मल्टी-बैरल रॉकेट लॉन्चर सिस्टमउन पहले कुछ भारतीय सैन्य उपकरणों में से एक है जिन्हें आर्मेनिया सहित विदेशी देशों में निर्यात किया गया है। परियोजना में शामिल निजी क्षेत्र की कंपनियों में लार्सन एंड टुब्रो, टाटा डिफेंस और इकोनॉमिक एक्सप्लोसिव्स लिमिटेड ने पिनाका प्रणाली के लिए उत्पादन लाइनें स्थापित की हैं। इनके द्वारा बनाए गए हथियारों की थोक आपूर्ति सशस्त्र बलों को की जाती है। भारतीय सेना की पिनाका रेजिमेंट में स्वचालित बंदूक और पोजिशनिंग सिस्टम और कमांड पोस्ट वाले लॉन्चर शामिल हैं। सेना के तोपखाने के आधुनिकीकरण के लिए पिनाका एमबीआरएल की 22 रेजिमेंटों की आवश्यकता है। पिनाका रॉकेट का परीक्षण हाल ही में राजस्थान के पोखरण फायरिंग रेंज में भी किया गया है।

बता दें कि सेना की जरूरतों को देखते हुए रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) एक खास प्रोजेक्ट पर भी काम कर रहा है। डीआरडीओ को भारतीय सेना के लिए लंबी दूरी के मल्टीपल बैरल रॉकेट (एमबीआरएल) विकसित करने का काम सौंपा गया है। नए रॉकेटों की मारक क्षमता 350 किमी तक होगी। ये मल्टीपल बैरल रॉकेट अगर सेना को मिल गए तो भारतीय सेना की मारक क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

बशीरहाट चिमनी हादसे में 4 मजदूरों की मौत, 3 की हालत गंभीर

कोलकाता, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के बशीरहाट इलाके में एक ईंट भट्टे की चिमनी ढह जाने से चार मजदूरों की मौत हो गई जबकि तीन मजदूर घायल हैं। घटना रात बशीरहाट के धल्टिटाह गांव में एक साल से बंद पड़े ईंट भट्टे को दोबारा शुरू किए जाने के दौरान हुई। बशीरहाट के एक पुलिस अधिकारी ने गुरुवार को बताया कि 4 लोगों की मौत की पुष्टि हो गई है और तीन घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।मृतक मजदूरों की पहचान उत्तर प्रदेश के फैजाबाद निवासी जेठूराम और राकेश कुमार तथा स्थानीय निवासी हफीजुल मंडल के रूप में की गई है। हादसे के शिकार चौथे व्यक्ति की पहचान फिलहाल नहीं हो सकी है। पुलिस के मुताबिक हादसे में बुरी तरह घायल दो लोगों की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हुई,

अफजाल अंसारी की बहाल हुई सांसदी, सुप्रीम कोर्ट से पूर्व बसपा सांसद को मिली बड़ी राहत

नई दिल्ली, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने 2007 गैंगस्टर एक्ट मामले में पूर्व बसपा सांसद अफजाल अंसारी की सजा को सशर्त निलंबित कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बाद बीएसपी के नेता अफजाल अंसारी की सदस्यता बहाल कर दी जाएगी। वह मौजूदा संसद सत्र में भी हिस्सा ले सकेगें। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले पर कहा कि बसपा के पूर्व सांसद अफजाल अंसारी न तो लोकसभा में वोट डाल सकते हैं और न ही भत्ते ले सकते हैं,

लेकिन सदन की कार्यवाही में भाग ले सकते हैं। न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने बहुमत के फैसले में कहा कि उत्तर प्रदेश के गाजीपुर निर्वाचन क्षेत्र से पूर्व सांसद अंसारी लोकसभा में अपना वोट नहीं डालेंगे और न ही कोई भत्ता प्राप्त कर करेंगे, लेकिन सदन की कार्यवाही में भाग ले सकते हैं। न्यायमूर्ति दत्ता ने कहा कि बहुमत के फैसले से उनकी राय अलग है और उन्होंने अंसारी की अपील खारिज कर दी। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाई कोर्ट को पूर्व बसपा सांसद अफजल अंसारी की दोषसिद्धि और सजा के खिलाफ आपराधिक अपील का निपटारा 30 जून, 2024 तक करने का निर्देश दिया। शीर्ष अदालत ने 31 अक्टूबर को मामले में अपनी दोषसिद्धि को निलंबित करने की मांग करने वाली अंसारी की याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

हाईकोर्ट जाने से इनकार करने वाले वकील पर

नाराज सुप्रीम कोर्ट, अब अपने दरबार में बुलाया

प्रयागराज, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। मुवक्किल के लिए हाईकोर्ट के सामने बहस करने से इनकार करना एक वकील को भारी पड़ गया। अब इस घटना से हैरान हुए सुप्रीम कोर्ट ने मामले में ऐक्शन लिया है। खबर है कि इसके चलते उच्च न्यायालय ने जमानत रद्द करने के आदेश जारी कर दिए थे। अब शीर्ष न्यायलय की तरफ से वकील को नोटिस जारी किया है और हाईकोर्ट के आदेश को रद्द कर दिया है।

क्या था मामला

खबर है कि अनिल कुमार नाम के वकील ने इलाहबाद हाईकोर्ट की बेंच के सामने जाने से इनकार कर दिया था। इसके बाद उच्च न्यायालय ने उनके तीन क्लाइंट्स को दी गई जमानत रद्द करने के आदेश जारी कर दिए थे। इसके बाद मामला शीर्ष न्यायलय पहुंचा, जहां हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती दी गई थी। कोर्ट की तरफ से तीनों को पहले जमानत दे दी गई थी। अब सुप्रीम कोर्ट ने 1

दिसंबर को ही हाईकोर्ट की तरफ से पहले दी गई जमानत आदेश को बरकरार रखा है। हालांकि, यह एक अंतरिम उपाय है। शीर्ष न्यायालय का कहना है सिर्फ वकील की तरफ से बहस करने से इनकार करने के चलते जमानत रद्द करने के आलावा हाईकोर्ट दूसरे रास्ते भी खोज सकता था। सुप्रीम कोर्ट ने वकील के इस फैसले की आलोचना की है। साथ ही कहा है कि उच्च न्यायलय इस आधार पर जमानत आदेश नहीं जारी कर सकता। जस्टिस अभय एस ओक और जस्टिस पंकज मित्तल की अगुवाई वाली बेंच मामले की सुनवाई कर रही थी। कोर्ट ने कहा, 'हमें यह जानकारी हैरानी है कि अपीलकर्ताओं की तरफ से नियुक्त किए गए वकील ने यह कहने की हिम्मत दिखाई कि वह हाईकोर्ट की बेंच के सामने मामले में बहस नहीं करेंगे।' कोर्ट ने कहा कि अपीलकर्ताओं के वकील की तरफ से डिफॉल्ट किए जाने के कारण जमानत रद्द करने का आदेश जारी करने की जरूरत नहीं थी। कोर्ट ने एडवोकेट के खिलाफ शोकॉज नोटिस जारी किया है। साथ ही कोर्ट ने वकील से 22 जनवरी 2024 को कोर्ट में व्यक्तिगत रूप से पेश होने के भी आदेश दिए हैं। साथ ही शीर्ष न्यायालय ने कहा है कि इलाहबाद के रजिस्ट्रार जनरल को नोटिस की एक कॉपी दी जाएगा।

जम्मू कश्मीर में 11 साल बाद आनंद कारज एक्ट लागू, सिख समुदाय में खुशी

जम्मू, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। जम्मू कश्मीर में 11 साल बाद आनंद कारज एक्ट लागू होने से सिख समुदाय में खुशी है। इस पर 2012 में संसद ने आनंद विवाह (संशोधन) विधेयक पारित किया था, जिससे सिख पारंपरिक विवाह को कानूनी मान्यता के दायरे में लाया गया। सर्वप्रथम केरल ने इसे लागू किया। इसके बाद अन्य प्रदेशों में इसे लागू किया गया, लेकिन अनुच्छेद 370 के कारण जम्मू-कश्मीर यह एक्ट लागू नहीं हो सका। 370 हटने के बाद सिख समुदाय ने मार्च, 2021 में पहली बार उप राज्यपाल मनोज सिन्हा के समक्ष मसले को उठाया। अब सिर्फ उपनियमों को लागू किया जाना है। जिला गुरुद्वारा प्रबंधक समिति जम्मू के उपाध्यक्ष बलविंदर ने कहा कि यह लंबित मांग थी। इसे पूरा करने के लिए हम उप राज्यपाल मनोज सिन्हा के आभारी हैं। आनंद विवाह अधिनियम का उद्भव 1909 में हुआ जब ब्रिटिश इंपीरियल लेजिस्लेटिव काउंसिल ने सिख विवाह समारोह आनंद कारज को मान्यता देने के लिए एक कानून पारित किया।

कश्मीर में आतंकियों पर फिदायीन हमले का दबाव, खुफिया एजेंसियों ने पकड़े मैसेज

नई दिल्ली, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। खुफिया एजेंसियों ने आतंकवादी संगठनों के अनेक ऐसे संदेशों को पकड़ा है जिनमें फिदायीन दस्ते को हमला करने के निर्देश दिए गए हैं। आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा और जैश- ए- मोहम्मद के आतंकवादियों को श्रीनगर और आसपास के इलाकों में राजनेताओं, वहां आने वाले वीआईपी समेत वहां काम करने वाले प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों पर फिदायीन दस्ते को हमले करने के निर्देश दिए गए हैं। पाकिस्तान में बैठे उनके आकाओं ने जम्मू-कश्मीर में मौजूद अपने कमांडरों को हुक्म दिया है कि वह जल्द से जल्द फिदायीन हमला करें। खुफिया संगठनों के पास जो सूचना है उसके मुताबिक श्रीनगर, बारामूला, सोपोर, बांदीपोरा और अनंतनाग जिले में आतंकवादी संगठन लश्कर के लोगों ने एक योजना अपने कमांडरों के साथ बनाई है। पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी और वहां की सेना इस बात से बुरी तरह बौखलाई हुई है कि यदि कश्मीर में अगले साल चुनाव होकर स्वतंत्र सरकार बन गई तो उनकी खासी किरकिरी होगी। साथ ही कश्मीर का मुद्दा पूरी तरह से उनके हाथ से फिसल सकता है। यही कारण है

कि वहां की फौज और खुफिया एजेंसी चाहती है कि चुनाव के पहले वहां ऐसे बड़े हमले किए जाएं जिनकी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गूंज हो। आतंकवादियों से कहा गया है कि हमला छोटा हो या बड़ा, लेकिन उसकी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गूंज होनी चाहिए।

भले ही उसके लिए बाहर से आए किसी विदेशियों या अन्य लोगों को निशाना बनाया जाए जिससे कश्मीर मुद्दा एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय मंच पर लाया जा सके। खुफिया एजेंसियों द्वारा जारी सूचना के आधार पर जम्मू-कश्मीर में मौजूद सुरक्षा संगठनों ने आतंकवादी संगठनों को मुंहतोड़ जवाब देने की तैयारी कर ली है। साथ ही संवेदनशील स्थानों पर चौकसी और मजबूत की जा रही है

कर्ज से परेशान महिला ने उठाया खौफनाक कदम

जालंधर, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। पंजाब के जालंधर में आर्मी ऐनक्लेव फेज-1 में कर्ज से परेशान दो बच्चों की मां ने मंगलवार को पंखे से फंदा लगाकर खुद को मौत के घाट उतार लिया है। मृतका की पहचान परमजीत कौर (40) के रूप में की जा चुकी है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल में रखवाया है। मृतका की मां होशियारपुर के गांव मेहटीआणा निवासी राज रानी ने पुलिस को जानकारी दी कि उनकी बेटी की 17 साल पहले जालंधर कैंट के अमित कुमार के साथ विवाह हुआ था। उसके दो बच्चे हैं, जिसमें एक की उम्र 15 और दूसरे की 10 वर्ष है। राज रानी ने पुलिस को इस बारें में जानकारी दी है कि परमजीत कौर आम आदमी क्लीनिक में काम करती थी। वहीं, पति अमित कुमार गांव में ही एक क्लीनिक चलाता था। परमजीत कौर पिछले बहुत वक़्त से अपने कर्ज को लेकर परेशान रहती थी।

विशाखापट्टनम के इंडस अस्पताल में लगी भीषण आग, 50 से अधिक मरीजों को किया गया ट्रांसफर

विशाखापट्टनम, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। विशाखापत्तनम के इंडस अस्पताल में गुरुवार को आग लग गई। आग लगने के बाद अस्पताल में अफरा-तफरी मच गई। मरीजों और अस्पताल के स्टाफ के बीच डर का मौहाल पैदा हो गया। आग पर काबू पाने के लिए दमकल की चार गाड़ियां घटनास्थल पर पहुंची और अग्निशमन कर्मी, पुलिस और अन्य बचाव दल बचाव कार्य में जुट गए। लगभग 50 मरीजों को अन्य अस्पतालों में ट्रांसफर कर दिया गया। जानकारी के मुताबिक, आग जगदंबा सर्कल स्थित अस्पताल की पहली मंजिल से शुरू हुई। आग लगने की वजह शॉर्ट-सर्किट बताई जा रही है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी घटनास्थल पर पहुंच गए हैं और निकासी एवं बचाव कार्यों की निगरानी कर रहे हैं।

ऑपरेशन थिएटर से फैल सकती है आगः रविशंकर अय्यनार

विशाखापत्तनम के इंडस हॉस्पिटल में दोपहर करीब 12 बजे आग लग गई। वहां करीब 50-70 मरीज थे। हमने उन सभी को बाहर निकाल लिया है। वहां कोई नहीं है। कोई जानमाल का नुकसान नहीं हुआ है। आग लगने के कारण समाचार एजेंसी एएनआई ने पुलिस आयुक्त (सीपी), रविशंकर अय्यनार के हवाले से कहा, "ऐसा लगता है कि आग ऑपरेशन थिएटर से फैली है।

भाजपा के वरिष्ठ नेता गोपाल भार्गव बने प्रोटेम स्पीकर, राज्यपाल ने दिलाई शपथ

भोपाल, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। भाजपा के वरिष्ठ नेता और सागर जिले की रहली विधानसभा से नौ बार के विधायक गोपाल भार्गव को प्रोटेम स्पीकर बनाया गया है। गुरुवार को राजभवन में आयोजित एक सादे कार्यक्रम में राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने उन्हें प्रोटेम स्पीकर की शपथ दिलाई। अब वे 16वीं विधानसभा के पहले विधानसभा सत्र की शुरुआत करेंगे। शपथ ग्रहण समारोह में प्रदेश के नए मुख्यमंत्री डॉ। मोहन यादव भी मौजूद रहे। प्रोटेम स्पीकर की नियुक्ति के बाद अब संसदीय कार्य विभाग विधानसभा सत्र बुलाने के लिए विधानसभा सचिवालय को पत्र लिखेगा। अनुमति मिलते ही विधानसभा का विशेष सत्र आहूत किया जाएगा। इसके बाद प्रोटेम स्पीकर विधायकों को 16वीं विधानसभा की सदस्यता की शपथ दिलाएंगे। सत्ता पक्ष दिमनी सीट से चुनकर आए पूर्व केन्द्रीय मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर को विधानसभा के अध्यक्ष (स्पीकर) पद पर चयन करने का प्रस्ताव सदन में रखेगा। इसके बाद प्रोटेम स्पीकर की भूमिका समाप्त हो जाएगी। गौरतलब है कि गोपाल भार्गव सागर जिले की रहली सीट से 9वीं बार चुनकर विधानसभा पहुंचे हैं। भाजपा के वरिष्ठ नेता भार्गव साल 1985 से लगातार जीतकर विधानसभा पहुंच रहे हैं। उन्हें 2003 में उमा भारती की सरकार में पहली बार कैबिनेट मंत्री बनाया गया था। इसके बाद से भाजपा सरकार में वे लगातार कैबिनेट मंत्री रहे। वहीं, 2018 में प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने पर गोपाल भार्गव को नेता प्रतिपक्ष बनाया गया था। हालांकि, 2020 में कमलनाथ सरकार गिरने के बाद भाजपा की सरकार बनी और भार्गव को पुनः शिवराज सिंह चौहान सरकार में मंत्री पद मिला। मुख्यमंत्री डॉ। मोहन यादव ने मध्यप्रदेश विधानसभा में वरिष्ठ नेता एवं नवनिर्वाचित विधानसभा सदस्य गोपाल भार्गव को प्रोटेम स्पीकर बनाए जाने पर बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर कहा कि भाईसाहब गोपाल भार्गव को मध्यप्रदेश विधानसभा का प्रोटेम स्पीकर बनाये जाने पर अनंत शुभकामनाएं! मुझे विश्वास है कि आपके कुशल मार्गदर्शन एवं अनुभव का लाभ सदन को मिलेगा। विधानसभा में आपकी गरिमामयी उपस्थिति हमारे लिए सुखद एवं प्रेरणादायी है।

हवाला से लेन-देन करने वाले 9 बांग्लादेशी गिरफ्तार, फर्जी दस्तावेज बरामद

मुंबई, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। मुंबई सहित आसपास के इलाकों में हवाला के जरिये लेन-देन करने वाले 9 बांग्लादेशी नागरिकों को मुंबई पुलिस की टीम ने गिरफ्तार किया है। इन सभी के पास से फर्जी दस्तावेज बरामद किये गए हैं। इनके खिलाफ अवैध तरीके से बांग्लादेश में धन हस्तांतरित किए जाने के संबंध में छानबीन की जा रही है। मुंबई पुलिस अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त राजतिलक रोशन ने पत्रकारों को बताया कि मुंबई, नवी मुंबई और ठाणे से कुल नौ बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। वे अवैध रूप से भारत से बांग्लादेश में धन हस्तांतरित करते थे। ऐसा लगता है कि इसमें और भी लोग शामिल हैं। इन सभी के पास से फर्जी दस्तावेज भी बरामद किये गए हैं। यह एक प्रकार का हवाला लेन-देन है। राजतिलक रोशन ने बताया कि इन बांग्लादेशी नागरिकों ने भारत आने के बाद फर्जी आधार कार्ड बनाए और फर्जी दस्तावेज की मदद से बैंक खाते खोले और फिर अपनी पहचान बताए बिना खुद को भारतीय नागरिक बताया। लेन-देन की कुल राशि पर उन्होंने कहा कि कुछ पर्याप्त राशि जमा होने के बाद वे इसे कुछ लोगों के माध्यम से बांग्लादेश में स्थानांतरित कर देते थे। जब कोई भारत आता था तो वे उसके माध्यम से धन हस्तांतरित करते थे। लेन-देन की कुल राशि लाखों तक हो सकती है।

'बेरोजगारों के अंदर का गुस्सा संसद के अंदर पहुंचा

सरकार अपने गिरेबान में झांके', अधीर रंजन चौधरी

नई दिल्ली, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। संसद में सुरक्षा चूक की घटना पर कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी ने केंद्र सरकार पर बड़ा हमला किया है। अधीर रंजन चौधरी ने कहा इतनी बड़ी घटना हो गई और अभी तक प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की ओर से कोई बयान नहीं आया है। इस घटना पर गहन चर्चा होनी चाहिए। कांग्रेस सांसद ने कहा कि रोजाना हम बेरोजगारी का मुद्दा उठाते हैं। आज देखिए इस हमले के पीछे की वजह एक बेरोजगार है। कदम, रास्ता अलग हो सकता है। कभी किसी को हम समर्थन नहीं करते। लेकिन वो जो कह रहे हैं कि उनके पास रोजगार नहीं है। पेट पालना मुश्किल हो रहा है।

सरकार अपने गिरेबान में झांके

प्रधानमंत्री हमें कह रहे थे कि बाहर का गुस्सा सदन में मत लाइए। लेकिन आम जनता का गुस्सा संसद के अंदर पहुंचाने की कोशिश हो रही है। हमें अंदर की बात सोचना चाहिए। हमें अपने गिरेबान में झांककर देखना चाहिए। क्यों ऐसा हो रहा है। अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि संसद की सुरक्षा पर सरकार को ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री को इस घटना पर दुख जताना चाहिए था। उन्हें बयान देना चाहिए कि इस संबंध में क्या-क्या कदम उठाने जरुरी हैं।

सरकार के दावों की निकली हवाः राउत

संसद में सुरक्षा चूक की घटना पर शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने कहा कि सरकार तो मुंह बंद करके बैठी है। 22 साल पहले इससे भी भयंकर हादसा हुआ था और हमको कहा गया था कि ये नया सदन फुल प्रूफ सिक्योरिटी से लैस है। कल हमने क्या देखा। 2-4 लड़के अंदर घुस गए। महंगाई और बेरोजगारी के बारे में नारे लगाते हुए अंदर चले गए। यह ठीक नहीं है। देश के युवाओं की दिशा बदल रही है, वो निराश हैं। इसके लिए सरकार जिम्मेदार है लेकिन सरकार सभी राज्यों में शपथ ग्रहण समारोह में व्यस्त है। देश की सुरक्षा से खिलवाड़ हुआ है और यह कोई बर्दाश्त नहीं करेगा।

यूट्यूबर ने घर में लगाया था सीसीटीवी, किसी ने किया हैक और फिर वायरल कर दी मां-बहन की तस्वीर

मुंबई, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। मुंबई में रहने वाले एक यूट्यूबर को अपने घर और परिवार की सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरा लगवाना महंगा पड़ गया। बांद्रा में रहने वाले एक यूट्यूबर के घर का सीसीटीवी कैमरा करने और यूट्यूबर की मां और बहन का न्यूड वीडियो वायरल होने से सनसनी फैल गई। मुंबई पुलिस की बांद्रा पुलिस के सामने एक यूट्यूबर ने शिकायत दर्ज कराई और बेहद चौंकाने वाली शिकायत में 21 साल के यूट्यूबर ने बताया की उसके घर के अंदर सुरक्षा के लिहाज से लगाये गये सीसीटीवी कैमरे को किसी बाहरी ने हैक कर लिया। उसने कहा, उस कैमरे में रिकॉर्ड हुई उसकी मां और बहन का न्यूड वीडियो सोशल मीडिया में वायरल कर दिया। इस सनसनीखेज मामले की जांच बांद्रा पुलिस कर रही है। मुंबई पुलिस के सूत्र ने बताया, यूट्यूबर ने पुलिस को दिये अपने बयान में बताया की उसे उसके एक दोस्त ने फोन कर बताया की उसकी मां और बहन का निजी वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है।

सरकारी नौकरी कर रही महिलाओं की प्रेगनेंसी को लेकर एचसी ने दिखाया दरियादिली ?

कोच्चि, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। केरल हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में सरकारी नौकरी में महिलाओं के लिए अवसर पाने के संदर्भ में पुरुषों से उनके जैविक मतभेदों के कारण होने वाले नुकसान पर टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा है कि सरकारी नौकरी से संबंधित नियमों में गर्भवती महिलाओं और युवा मदर्स की चिंताओं को शामिल किया जाना चाहिए, ताकि उन्हें भेदभाव का सामना न करना पड़े। न्यायमूर्ति ए। मोहम्मद मुस्ताक और शोबा अन्नम्मा ईपेन की खंडपीठ ने कहा कि सरकारी नौकरी के अवसरों के संबंध में पुरुषों के साथ समान स्तर पर खड़े होने के बावजूद महिलाओं से जैविक अंतर, जैसे कि मातृत्व और अप्रत्यक्ष भेदभाव होता है। हाईकोर्ट की पीठ ने यह टिप्पणी करते हुए कहा कि कानून और सरकारी नौकरी से जुड़े नियमों और मातृत्व के आधार पर महिलाओं की वास्तविकता को देखना चाहिए। कोर्ट ने कहा है कि ऐसी स्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं, जिनका सामना महिलाओं को गर्भवती होने के कारण पड़ सकता है, जिसका जवाब उन्हें समय-सीमा की योजना के कारण उचित अवसर देने की अनुमति देकर नहीं दिया जा सकता है, जिसे प्राथमिकता देने की आवश्यकता है। हाईकोर्ट ने दो युवा महिला डॉक्टरों की याचिका पर सुनवाई करते हुए ये टिप्पणी की, जिन्होंने एमडी रेडियो डायग्नोसिस में पोस्ट ग्रेजुएशन के दौरान मां बनने का फैसला लिया, जिसके कारण उनका सीनियर रेजीडेंसी की पढ़ाई देरी से शुरू हुई और उन्हें जनवरी 2024 तक कोर्स पूरा करना था। इस दौरान, केरल राज्य लोक सेवा आयोग (पीएससी) ने 9 खाली पदों के लिए रेडियो डायग्नोसिस में सहायक प्रोफेसर के पद के लिए नौकरी निकाली, जिसमें पोस्ट ग्रेजुएशन की डिग्री प्राप्त करने के बाद एनएमसी-मान्यता प्राप्त मेडिकल कॉलेज में रेडियो डायग्नोसिस में सीनियर रेजिडेंट के रूप में एक वर्ष का अनुभव होना जरूरी था। चूंकि याचिकाकर्ता अपना पोस्ट ग्रेजुएशन जनवरी 2024 तक ही पूरा करेंगे, इसलिए वह इस पीएससी द्वारा निकाली गई नौकरी के लिए आवेदन नहीं कर पाए, क्योंकि आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक उनके पास निर्धारित योग्यता नहीं थी। जब याचिकाकर्ताओं को सरकार या केरल प्रशासनिक न्यायाधिकरण से कोई सही जवाब नहीं मिला तो उन्होंने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। कोर्ट ने पहले एक अंतरिम आदेश के जरिए याचिकाकर्ताओं को समय सीमा से पहले पद के लिए आवेदन करने की अनुमति दी थी, जिसके अनुसार उन्होंने आवेदन किया था। यह देखते हुए कि यह मामला सरकारी नौकरी के क्षेत्र में महिलाओं के सामने आने वाली एक अजीब समस्या प्रस्तुत करता है। याचिकाकर्ताओं ने इस केस में जिन्हें पार्टी बनाया था कोर्ट ने उनसे जवाब मांग था कि क्या मां बनने से सरकारी नौकरी में आकांक्षाओं से इनकार किया जाएगा और क्या महिलाओं को करियर और मातृत्व के बीच चयन करने के लिए मजबूर किया जाना चाहिए? कोर्ट का विचार था कि उपरोक्त प्रश्नों को वास्तविक समानता की कसौटी पर निर्धारित किया जाना चाहिए जो 'स्थान के निर्माण, लिंग विशेषताओं में मौजूद बाधाओं को दूर करने और मतभेदों को समायोजित करने' की अनुमति देता है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

शुक्रवार, 15 दिसंबर, 2023 3

युविचार

समय रहते खुद को बदल लेना, चाहिए जब समय हमें बदलता है, तो तकलीफ बहुत होती है !

राष्ट्रपति ने 'राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार' प्रदान किए

एससीआर को मिले सात राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार

हैदराबाद, 14 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस के अवसर पर नई दिल्ली में राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार, राष्ट्रीय ऊर्जा दक्षता नवाचार पुरस्कार और राष्ट्रीय चित्रकला प्रतियोगिता पुरस्कार प्रदान किए। इस अवसर पर, दक्षिण मध्य रेलवे को वर्ष 2023 के लिए सात राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार प्रदान किए गए। ये पुरस्कार भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय के तत्वावधान में ऊर्जा दक्षता ब्यूरो द्वारा विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित एक समारोह में प्रदान किए गए। इस अवसर पर आर.के. सिंह, केंद्रीय विद्युत, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री और कृष्ण पाल, विद्युत एवं भारी उद्योग राज्य मंत्री भी उपस्थित थे। ये पुरस्कार वर्ष 2023 के दौरान सर्वोत्तम ऊर्जा प्रबंधन प्रथाओं के लिए घोषित किए गए हैं। इस वर्ष, राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कारों के एक भाग के रूप में हैदराबाद पैसेंजर रिजर्वेशन सिस्टम

(पीआरएस) बिल्डिंग को सरकारी कार्यालय श्रेणी में पहला पुरस्कार, वैगन डिपो, विजयवाड़ा को रेलवे वर्कशॉप श्रेणी में प्रथम पुरस्कार मिला, जोनल रेलवे श्रेणी में दक्षिण मध्य रेलवे जोन को दूसरा पुरस्कार मिला, लेखा भवन (एससीआर लेखा कार्यालय भवन) को सरकारी कार्यालय श्रेणी में दूसरा पुरस्कार, रेनिगुंटा रनिंग रूम को सरकारी कार्यालय श्रेणी में योग्यता प्रमाणपत्र, गुंतकल रनिंग रूम को सरकारी कार्यालय श्रेणी में योग्यता प्रमाणपत्र, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, गुंतकल को सरकारी कार्यालय श्रेणी में योग्यता प्रमाण पत्र मिला है। अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक, एससीआर के साथ-साथ नरेंद्र ए पाटिल, मंडल रेल प्रबंधक, विजयवाड़ा मंडल ने वैगन डिपो, विजयवाड़ा के लिए प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया, जबकि पी.डी. मिश्रा, प्रधान मुख्य विद्युत अभियंता, एससीआर और भरतेश कुमार जैन, मंडल रेल प्रबंधक, सिकंदराबाद मंडल को हैदराबाद पीआरएस बिल्डिंग के लिए प्रथम पुरस्कार मिला। दक्षिण मध्य रेलवे के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने अपनी संबंधित ऊर्जा कुशल इकाइयों के लिए पुरस्कार प्राप्त किए। दक्षिण मध्य रेलवे ऊर्जा संरक्षण में अग्रणी होने के कारण पिछले कई वर्षों से लगातार केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय से ये पुरस्कार जीत रहा है।

विभिन्न मंत्रालयों, सार्वजनिक उपक्रमों और कॉर्पोरेट क्षेत्रों से कड़ी प्रतिस्पर्धा के बावजूद, सभी विभागों के सभी डिवीजनों, कार्यशालाओं, फील्ड इकाइयों द्वारा ऊर्जा दक्षता और हरित पहल के क्षेत्र में अथक प्रयासों के माध्यम से ज़ोन इन पुरस्कारों को हासिल करने में सक्षम रहा है। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने इन पुरस्कारों को प्राप्त करने के लिए ज़ोन का प्रतिनिधित्व करने पर संतोष व्यक्त किया है। उन्होंने राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कारों के विजेताओं को भी बधाई दी और कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर 7 प्रतिष्ठित पुरस्कार जीतना एससीआर के लिए गर्व का क्षण है।

मुजफ्फरपुर-सिकंदराबाद के बीच विशेष ट्रेनें

हैदराबाद, 14 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए, एससीआर मुजफ्फरपुर - सिकंदराबाद - मुजफ्फरपुर के बीच चार साप्ताहिक विशेष ट्रेनें चलाएगा। दमरे से मिली जानकारी के अनुसार 19 और 26 दिसंबर मंगलवार को दोपहर 1 बजे ट्रेन नंबर 05293 मुजफ्फरपुर-सिकंदराबाद रवाना होकर रात 10 बजे (बुधवार) सिकंदराबाद पहुंचेगी। इसी क्रम में 21 और 28 दिसंबर को ट्रेन नंबर 05294 सिकंदराबाद से सुबह 10 बजे गुरूवार को रवाना होकर शुक्रवार रात 9 बजे मुजफ्फरपुर पहुंचेगी। ट्रेन संख्या 05293/05294 मुजफ्फरपुर - सिकंदराबाद - मुजफ्फरपुर साप्ताहिक विशेष ट्रेनें (4 सेवा) रास्ते में, ये विशेष ट्रेनें हाजीपुर, पाटलिपुत्र, दानापुर, आरा जक्शन, बक्सर, प.डीडी उपाध्याय, प्रयागराज छिवकी, मानिकपुर (ट्रेन नंबर 05293 नहीं रुकेंगी), सतना, कटनी, जबलपुर, इटारसी, नागपुर, बल्हारशाह, सिरपुर कागजनगर, बेल्लमपल्ली, रामागुंडम, पेद्दापल्ली और काजीपेट स्टेशन पर रुकेंगी। इन विशेष ट्रेनों में एसी प्रथम श्रेणी, एसी II टियर, एसी III टियर और एसी III टियर इकोनॉमी क्लास कोच शामिल हैं।

कार्यभार ग्रहण करते ही मंत्री ने दो महत्वपूर्ण फाइलों पर हस्ताक्षर किए

33 जिलों के डीपीआरओ के लिए उन्नत कैमरे

हैदराबाद, 14 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने आज डॉ. बीआर अंबेडकर के सचिवालय में वैदिक विद्वानों के मंत्रोच्चार के बीच सूचना, राजस्व और आवास राज्य मंत्री के रूप में कार्यभार संभाला। शपथ ग्रहण समारोह में मंत्री के परिवार के सदस्य शामिल हुए। इस अवसर पर मंत्री के साथ विधायक कून्नानेनी संबाशिवराव, पायम वेंकटेश्वरलू, कोरम कनकैया, वेमुला वीरेशम, आदिनारायण, बालू नायक, आदि श्रीनिवास, यशस्विनी रेड्डी के साथ कई वरिष्ठ नेता रेणुका चौधरी, रामसहायम सुरेंद्र रेड्डी, राजस्व विभाग के मुख्य सचिव नवीन मित्तल, आर एंड बी सचिव श्रीनिवास राजू , सूचना नागरिक संबंध आयुक्त के. अशोक रेड्डी, सूचना विभाग के निदेशक राजमौली, अतिरिक्त निदेशक नागय्या, जेडीएस जगन, श्रीनिवास, वेंकट रमना, डीडी मधु सुधन, हाशमी, राजा रेड्डी, सीआईई राधा

पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने आज डॉ. बीआर अंबेडकर सचिवालय में वैदिक विद्वानों के मंत्रोच्चार के बीच सूचना, राजस्व और आवास राज्य मंत्री के रूप में कार्यभार संभाला। इस दौरान कई जनप्रतिनिधि और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

किशन, विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने भुवनगिरी जिले के रायगिरी में एक खेल परिसर के निर्माण के लिए दस एकड़ जमीन आवंटित करने वाली अपनी पहली फाइल पर हस्ताक्षर किए। 9.50 करोड़ रुपए से बहुउद्देश्यीय खेल परिसर के निर्माण इस दस एकड़ भूमि को युवा और खेल विभाग को आवंटित की गई है। मंत्री पोंगुलेटी ने राज्य के 33 जिलों के डीपीआरओ को उन्नत कैमरे उपलब्ध कराने के लिए सूचना एवं नागरिक संबंध विभाग की फाइल पर हस्ताक्षर किये। आवास विभाग की कई प्रशासनिक संबंधित फाइलों पर हस्ताक्षर किये गये।

आठ आईएएस अधिकारियों को नई पोस्टिंग मिली

हैदराबाद, 14 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिविल सेवकों के पहले बड़े फेरबदल में, राज्य सरकार ने गुरुवार को स्वास्थ्य सचिव सैयद अली मुर्तजा रिज़वी को ऊर्जा सचिव के रूप में स्थानांतरित कर दिया। उन्हें तेलंगाना राज्य उत्पादन निगम (टीएस जेनको) व राज्य ट्रांसमिशन कॉर्पोरेशन (टीएस ट्रांसको) तेलंगाना के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक के पद का पूरा अतिरिक्त प्रभार दिया गया। पर्यटन की प्रमुख सचिव शैलजा रामय्यर को स्वास्थ्य, चिकित्सा और परिवार कल्याण के प्रमुख सचिव और स्वास्थ्य और परिवार कल्याण आयुक्त का पूर्ण अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। पर्यटन के संयुक्त सचिव संदीप कुमार झा को टीएस ट्रांसको के संयुक्त प्रबंध निदेशक के रूप में स्थानांतरित और तैनात किया गया है। उद्योग निदेशक और वित्त के संयुक्त सचिव डी कृष्णा भास्कर को स्थानांतरित कर उप मुख्यमंत्री के विशेष कर्तव्य अधिकारी के रूप में तैनात किया गया है। पोस्टिंग की प्रतीक्षा कर रहे मुर्शरफ अली फारुकी को तेलंगाना स्टेट सदर्न पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक के रूप में तैनात किया गया है। पोस्टिंग की प्रतीक्षा कर रहे कर्नाति वरुण रेड्डी वारंगल में तेलंगाना स्टेट नॉर्दर्न पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड (टीएसएनपीडीसीएल) के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक के रूप में तैनात किया गया है। पोस्टिंग की प्रतीक्षा कर रही आम्रपाली काटा को तत्काल प्रभाव से संयुक्त मेट्रोपॉलिटन कमिश्नर, हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी (एचएमडीए) के रूप में तैनात किया गया है, साथ ही उन्हें मुसी नदी विकास निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक के पद का पूरा अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। पोस्टिंग की प्रतीक्षा कर रहे बी गोपी को कृषि निदेशक के पद पर तैनात किया गया है, एम रघुनंदन राव को उक्त पद से विधिवत मुक्त किया गया है।

आईटी मंत्री का दावा राज्य कॉर्निंग इंक के साथ चर्चा में

राज्य के उद्योग, आईटी, विधायी कार्य मंत्री डुडिल्ला श्रीधर बाबू ने डॉ. बीआर अंबेडकर तेलंगाना सचिवालय में पदभार ग्रहण किया।

हैदराबाद, 14 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उन रिपोर्टों पर प्रतिक्रिया देते हुए कि अमेरिका स्थित गोरिल्ला ग्लास निर्माता कॉर्निंग इंक अपने प्रस्तावित संयंत्र को तेलंगाना से तमिलनाडु में स्थानांतरित करने की योजना बना रहा है, आईटी मंत्री डी श्रीधर बाबू ने कहा कि राज्य अभी भी कॉर्निंग की परियोजना को स्थापित करने के लिए सक्रिय चर्चा कर रहा है। पिछले कुछ दिनों में, कॉर्निंग के निवेश को तेलंगाना से बाहर ले जाने के बारे में मीडिया में अटकलें लगाई गई हैं। तेलंगाना सरकार राज्य को इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए वैश्विक विनिर्माण गंतव्य के रूप में स्थापित करने की कल्पना करती है और कॉर्निंग को राज्य की विकास कहानी में एक प्रमुख हितधारक मानती है, उन्होंने एक्स पर कहा, उन्होंने कहा कि कॉर्निंग के पास साझेदारी में महबूबनगर जिले में पहले से ही एक मौजूदा ग्लास टयूबिंग सुविधा है। सरकार तेलंगाना में गोरिल्ला कवर ग्लास विनिर्माण सुविधा स्थापित करने की कॉर्निंग की दूसरी प्रस्तावित परियोजना को धरातल पर उतारने के लिए सक्रिय चर्चा में है। हमारी समझ से, कॉर्निंग अभी भी शॉर्टलिस्ट किए गए गंतव्य का मूल्यांकन कर रहा है और अंतिम निर्णय अभी तक नहीं किया गया है। यह भी स्पष्ट किया गया है कि तेलंगाना या किसी अन्य राज्य के साथ कोई समझौता ज्ञापन या निश्चित समझौते पर हस्ताक्षर नहीं किए गए हैं। सरकार तेलंगाना में उनकी भविष्य की परियोजनाओं को सुविधाजनक बनाने के लिए कॉर्निंग के साथ सक्रिय चर्चा कर रही है।

अधिकारियों ने जनगांव में धान खरीद में तेजी लाने का आग्रह किया

हैदराबाद, 14 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जनगांव में जिला कलेक्टर सीएच शिवलिंगैया ने धान खरीद की निगरानी कर रहे अधिकारियों को प्रक्रिया में तेजी लाने का निर्देश दिया है। अनाज खरीद पर ध्यान केंद्रित करते हुए गुरुवार को यहां आयोजित एक व्यापक समीक्षा बैठक के दौरान कार्रवाई का आह्वान किया गया। उन्होंने कहा कि 118 केंद्रों पर 73,821.480 मीट्रिक टन अनाज की खरीद हो चुकी है। ये खरीद जिले के भीतर 171 धान खरीद केंद्रों के नेटवर्क के माध्यम से संचालित, सहकारिता विभाग और आईकेपी की सतर्क निगरानी में की गई थी। इसके अतिरिक्त, शेष 53 केंद्रों पर लगभग 3,627

मीट्रिक टन धान आने की उम्मीद है। शिवलिंगैया ने खरीद केंद्रों पर आने वाले अनाज की तत्काल खरीद पर जोर दिया और किसानों को भुगतान का तेजी से वितरण सुनिश्चित करने के लिए ओपीएमएस (ऑनलाइन खरीद प्रबंधन प्रणाली) में किसानों के विवरण को सटीक रूप से दर्ज करने के महत्व पर जोर दिया। कस्टम मिलिंग चावल (सीएमआर) के संबंध में, वनकलम मानसून सीज़न के लिए पूर्णता दर 90 प्रतिशत और यासंगी सीज़न के लिए 26 प्रतिशत है। निर्धारित समयसीमा के भीतर बकाया लक्ष्यों को हासिल करने के प्रयास तेज कर दिए गए हैं।

बैठक में प्रभारी अतिरिक्त कलेक्टर (स्थानीय निकाय) सुहासिनी, जिला नागरिक आपूर्ति अधिकारी रोजा रानी, डीआरडीओ एपीडी नूरुद्दीन, डीएम नागरिक आपूर्ति प्रसाद, डीसीओ राजेंद्र रेड्डी और अन्य अधिकारी शामिल हुए।

CHANGE OF NAME

I, **KUSUMA** spouse of No. 13772143H, NK - **LOVARAJU AVALA,** D.No.20-4-7, Durgavanipalem (Vill), Pedagantyada (PO), Pedagantyada (Teh), Visakhapatnam (Dist.), AP-530044 have changed my name from **KUSUMA** to **KUSUMA AVALA** vide Affidivit No. 71AA551350, dt. 12-12-23.

तेलंगाना बीआर अंबेडकर सचिवालय में उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क मल्लु ने आज कार्यभार संभाला। इस दौरान वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

दक्षिण मध्य रेलवे ने दो एक्सप्रेस ट्रेनों के लिए टर्मिनल स्टेशन बदले

देवगिरी एक्सप्रेस लिंगमपल्ली से व अजंता एक्सप्रेस काचीगुडा से चलेगी

हैदराबाद, 14 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बड़ी संख्या में यात्रियों को अतिरिक्त ट्रेन सुविधा प्रदान करने और सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर भीड़ को कम करने के उद्देश्य से, दक्षिण मध्य रेलवे ने दो एक्सप्रेस ट्रेनों के टर्मिनल स्टेशन को बदल दिया है। देवगिरी एक्सप्रेस ट्रेन नंबर 17058/57 देवगिरी एक्सप्रेस पहले सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन से शुरू होती थी, अब लिंगमपल्ली रेलवे स्टेशन तक बढ़ा दी गई है। ऐसे में यह ट्रेन अब लिंगमपल्ली-सीएसएमटी (मुंबई)- लिंगमपल्ली के बीच संचालित होगी। हाल के वर्षों में, हैदराबाद शहर के पश्चिमी हिस्सों में तेजी से विकास देखा गया है। कई आईटी कंपनियों, रियल एस्टेट विकास और अन्य लोकप्रिय व्यावसायिक विकास के आगमन के साथ, शहर के पश्चिमी हिस्से में आवासीय कॉलोनियों के विकास और गतिशीलता में वृद्धि में व्यापक सुधार देखा गया है। साथ ही इन क्षेत्रों से रेल यात्रियों की संख्या भी बढ़ी है। ऐसे में, लिंगमपल्ली स्टेशन तक ट्रेन के विस्तार से न केवल मुंबई बल्कि रास्ते में पड़ने वाले महत्वपूर्ण शहरों जैसे निज़ामाबाद, बसर, नांदेड़, मनमाड और नासिक जाने वाले यात्रियों को सीधी ट्रेन कनेक्टिविटी मिलेगी। इसी क्रम में ट्रेन संख्या 17064/17063 अजंता एक्सप्रेस पहले सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन से शुरू (या समाप्त) हो रही थी, अब काचीगुडा स्टेशन से अपनी यात्रा शुरू करेगी। तदनुसार, ट्रेन अब काचीगुडा-मनमाड-काचीगुडा स्टेशनों के बीच संचालित होगी। सिकंदराबाद से काचीगुडा स्टेशन तक टर्मिनल के परिवर्तन से पहली बार काचीगुडा और शिरडी (यानी, नागरसोल, जो शिरडी के निकटतम स्टेशनों में से एक है) के बीच दैनिक एक्सप्रेस ट्रेन कनेक्टिविटी प्रदान की जाएगी। वर्तमान में साईंनगर शिरडी जाने वाली ट्रेनें मुख्य रूप से सिकंदराबाद स्टेशन से जा रही हैं। टर्मिनल में बदलाव से काचीगुडा स्टेशन से भी इस महत्वपूर्ण तीर्थस्थल तक रेल सुविधा उपलब्ध हो जाएगी। इसके अलावा रेल यात्रियों की ओर से लंबे समय से इस ट्रेन को मल्काजगिरी रेलवे स्टेशन पर ठहराव की सुविधा उपलब्ध कराने की मांग की जा रही है। तदनुसार, आरंभिक/समाप्ति स्टेशन में परिवर्तन के साथ-साथ मल्काजगिरी स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव की सुविधा प्रदान की गई है, जिससे इस क्षेत्र के रेल यात्रियों को भी लाभ होगा। इसके अलावा, टर्मिनल में बदलाव और अतिरिक्त ठहराव सुविधा के प्रावधान के साथ, ट्रेन में कोचों की संख्या में एक अतिरिक्त 2 टियर एसी भी बढ़ाया गया है। ट्रेन नंबर 17064/17063 अजंता एक्सप्रेस में ये सभी बदलाव 20 दिसंबर 2023 से प्रभावी होंगे।

एनटीपीसी एसआरएचक्यू ने समझौता किया

हैदराबाद, 14 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एनटीपीसी एसआरएचक्यू ने आज सिकंदराबाद स्थित अपने कार्यालय में एनआईईपीआईडी (बौद्धिक विकलांग व्यक्तियों (दिव्यांगजन) के सशक्तिकरण के लिए राष्ट्रीय संस्थान) के साथ सीएसआर के तहत समर्थन के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। एमओए के हिस्से के रूप में, एनटीपीसी बौद्धिक विकलांगता वाले बच्चों के लाभ के लिए एक ओपन जिम की स्थापना और डिजिटल इंटरैक्टिव किट की खरीद में एनआईईपीआईडी का

समर्थन करेगा। श्री बदरुद्दीन अंसारी, डीजीएम (एचआर) ने एनटीपीसी और श्री जी. श्रीनिवासुलु, सहायक की ओर से एमओए पर हस्ताक्षर किए। व्यावसायिक प्रशिक्षण में प्रोफेसर और एचओडी ने श्री देबाशीष चट्टोपाध्याय, आरईडी (दक्षिण) और श्री एसएन पाणिग्रही, जीएम (एचआर) की उपस्थिति में एनआईईपीआईडी की ओर से हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर बोलते हुए, आरईडी (दक्षिण) देबाशीष चट्टोपाध्याय ने कहा कि मानसिक विकलांगता एक गंभीर चिंता का विषय है और इसमें हस्तक्षेप की आवश्यकता है और एनटीपीसी एसआरएचक्यू इस संबंध में सीएसआर के तहत एक उत्पादक कदम उठा रहा है। एनआईईपीआईडी प्रबंधन ने आगे आने और विशेष रूप से विकलांग बच्चों और वार्डों का समर्थन करने के लिए एनटीपीसी को धन्यवाद दिया।

रेल मंत्री आज भारत मंडपम में 68 वां राष्ट्रीय रेलवे पुरस्कार प्रदान करेंगे

हैदराबाद, 14 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव उत्कृष्ट सेवाओं/सर्वोत्तम प्रदर्शन के लिए रेलवे कर्मियों/क्षेत्रीय रेलवे/पीएसयू को पुरस्कार/शील्ड प्रदान करेंगे। पूरे देश में 100 रेलवे कर्मचारियों को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए सम्मानित किया जाएगा, साथ ही जोनल रेलवे, उत्पादन इकाइयों और पीएसयू के लिए 21 शील्ड भी दिए जाएंगे। केंद्रीय रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री, अश्विनी वैष्णव 15 दिसंबर, को 68 वें रेलवे सप्ताह केंद्रीय समारोह में रेलवे कर्मचारियों के बीच सर्वोत्तम प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले रेलवे कर्मियों को पुरस्कार/शील्ड प्रदान करेंगे।

मंत्री पोंगुलेटी ने विभागीय समीक्षा बैठक की

हैदराबाद, 14 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के सूचना, राजस्व और आवास मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि सूचना विभाग को मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में विकास और कल्याण कार्यक्रमों को लोगों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी चाहिए। गुरुवार को डॉ. बीआर अंबेडकर ने सचिवालय में संबंधित अधिकारियों के साथ सूचना विभाग के प्रदर्शन की समीक्षा की। अधिकारियों को सरकारी योजनाओं के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए पारंपरिक मीडिया के साथ-साथ सोशल मीडिया विंग का व्यापक उपयोग करने का निर्देश दिया गया। तेलंगाना मास पत्रिका को अधिक प्रामाणिक पत्रिका बनाया जाना चाहिए और इस पत्रिका को राज्य के सभी गांवों, जन प्रतिनिधियों और आम जनता के लिए उपलब्ध कराया जाना चाहिए।

इस अवसर पर मंत्री ने सूचना विभाग के विभिन्न विभागों के कामकाज की समीक्षा की। उन्होंने प्रिंट मीडिया एवं आउटडोर विभाग द्वारा किये गये कार्यक्रमों की समीक्षा की।

अधिकारियों को पत्रकारों के कल्याण और जमीनी स्तर पर अभियान प्रबंधन पर ध्यान देने की सलाह दी गई। अधिकारियों को सूचना विभाग के प्रदर्शन में सुधार लाने का निर्देश दिया गया।

डाक पेंशनभोगी अदालत 22 फरवरी को

हैदराबाद, 14 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। डाक पेंशनभोगियों और पारिवारिक पेंशनभोगियों की शिकायतों पर विचार करने और उनका निवारण करने के लिए, 22 फरवरी, 2024 को पोस्टमास्टर जनरल, मुख्यालय क्षेत्र, हैदराबाद के कार्यालय में एक डाक पेंशन अदालत आयोजित की जाएगी। पेंशन अदालत सुबह 11 बजे एक वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आयोजित की जाएगी और जिन पेंशनभोगियों को शिकायत है, वे इसमें भाग ले सकते हैं। पेंशन मामलों के संबंध में मुख्यालय क्षेत्र से संबंधित शिकायतें "सहायक" लेखा अधिकारी (लेखा), पोस्टमास्टर जनरल कार्यालय, मुख्यालय क्षेत्र, जामा-ए-उस्मानिया डाकघर भवन, हैदराबाद-500007" को संबोधित डाक द्वारा भेजी जा सकती हैं।

पहाड़ों पर हो रही जबरदस्त बर्फबारी

यूपी में इन इलाकों में कड़ाके की ठंड के लिए करना होगा इंतजार

प्रयागराज, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी के बाद भी इसका असर प्रयागराज, कौशांबी, प्रतापगढ़ व इसके आसपास के इलाकों पर पड़ता नहीं दिख रहा है। दिसंबर शुरू होने के बाद से अधिकतम तापमान 25 से 27 डिग्री सेल्सियस के बीच चल रहा है। वहीं न्यूनतम तापमान पिछले तीन दिनों से 11 डिग्री सेल्सियस के इर्द-गिर्द है। बादलों और सुबह शाम पड़ने वाले कोहरे की वजह से ठंड अभी पास नहीं आ पा रही है। रात को जरूर गलन बढ़ जाती है। मौसम विज्ञानियों की मानें तो इस पूरे सप्ताह ठिठुरन भरी ठंड के आसार नहीं है। हालांकि इसके बाद अधिकतम तापमान में गिरावट का दौर शुरू होगा और इसके बाद भी ठंड में बढ़ोत्तरी होगी। दिसंबर की शुरुआत से ही अधिकतम और न्यूनतम तापमान स्थिर बना हुआ है। दिन में गर्मी और रात में ठंड रहती है। बुधवार को अधिकतम तापमान 25.3 डिग्री सेल्सियस रहा जो मंगलवार की तुलना में दो डिग्री सेल्सियस कम था। वहीं न्यूनतम तापमान 11.5 डिग्री सेल्सियस रहा जो सामान्य से एक डिग्री ज्यादा था।

26 डिग्री सेल्सियस रहा अधिकतम तापमान

मौसम विभाग के अनुसार 18 दिसंबर तक न्यूनतम और अधकतम दोनों तापमान यथा स्थिति में रहेगा। अधिकतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 10 से 12 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। इसके पीछे बादलों की घेराबंदी और नमी युक्त हवा प्रमुख वजह है। अधिकतम आर्द्रता 96 दर्ज किया गया।

ऐसे में शुष्क हवाओं के चलने के बाद ही तापमान में कमी आएगी। मौसम विज्ञानियों के अनुसार 20 से 25 दिसंबर के बीच कड़ाके की ठंड का आगाज हो सकता है। इलाहाबाद विश्वविद्यालय भूगोल विभाग के प्रो। एआर सिद्दीकी ने बताया कि अगले 19 दिसंबर सुबह और रात में हल्का कोहरा रह सकता है।

अपने 'हनुमान' से मिले तेजप्रताप यादव, सीने पर दिखाया प्यार का सबूत

लालू के लाल हो गए भावुक

पटना, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार के पर्यावरण मंत्री तेज प्रताप यादव ने बीते बुधवार को अपने जबरा फैन से मिले यूं कहें तो अपने 'हनुमान' से मिले। दरअसल, तेज प्रताप यादव ने अपने एक्स हैंडल पर अपने जबड़ा फैन के साथ एक तस्वीर पोस्ट की। इस तस्वीर में उनका जबरा फैन उन्हें अपना सीना दिखा रहा है जिसमें कि तेजप्रताप की टैटू वाली तस्वीर लगी हुई थी। तस्वीर देखते ही तेजप्रताप भावुक हो गए। उन्होंने इस दौरान हल्की स्माइल दी। उन्होंने फिर एक्स हैंडल पर

लिखा कि आज मैं अपने जबरा फैन से मिला, जिसने अपने सीने पर मेरा टैटू बना रखा है।

सपा ने संसद में कूदने वालों की तुलना भगत सिंह से की

आपस में भिड़े सपा और कांग्रेस नेता

लखनऊ, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। संसद हमले की बरसी के दिन (13 दिसंबर) को 22 साल बाद फिर संसद की सुरक्षा में बड़ी चूक का मामला सामने आया, ये घटना बेहद खतरनाक भी हो सकती थी, जिसके बाद संसद की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी बड़े सवाल उठ रहे हैं। इस बीच समाजवादी पार्टी के नेता ने एक ऐसी बात कही, जिसे लेकर सपा और कांग्रेस के नेता आपस में भिड़ गए। दोनों के बीच सोशल मीडिया पर खुलकर जुबानी जंग देखने को मिली। हुआ ये कि सपा नेता आईपी सिंह ने संसद की सुरक्षा में सेंध मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए लोकसभा में घुसने वाले युवकों की तुलना शहीद भगत सिंह से कर डाली। सपा नेता ने कहा, 'संसद में कूदने वाले युवा शहीद भगत सिंह भी हो सकते हैं'। आईपी सिंह का ये बयान कांग्रेस नेता प्रमोद कृष्णम को चुभ गया और उन्होंने इसका करारा जवाब दिया।

आचार्य प्रमोद कृष्णम ने दिया जवाब

संसद में घुसने वाले युवकों को भगत सिंह बताने वाले बयान पर पलटवार करते हुए कांग्रेस नेता प्रमोद कृष्णम ने सपा नेता हमला किया और कहा कि ऐसे हुए उपद्रवियों की तुलना शहीद भगत सिंह से करना उनका अपमान करने के समान हैं। प्रमोद कृष्णम ने कहा, सरदार भगत सिंह से "उपद्रवियों" की तुलना करना शहीद-ए-आज़म का "अपमान" है। आपको बता दें कि बुधवार को लोकसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान दो युवक दर्शक दीर्घा से जहां सांसद बैठते हैं उस गैलरी में कूद गए थे, जिसके बाद उन्होंने तानाशाही बंद करो जैसे नारे लगाते हुए अपने जूतों से रंगों के पटाखे जलाते हुए धुआं फैला दिया था, जिसके बाद पूरे देश में हड़कंप मच गया। हालांकि सांसदों ने इस मामले में तेजी दिखाते हुए उन युवकों को वहीं पकड़ लिया था, लेकिन देश की सबसे सुरक्षित मानी जाने वाली जगह में रंगों के बम लेकर घुसना सुरक्षा में बड़ी चूक का मामला बनता है। इस घटना के बाद सुरक्षा एजेंसियों का कान खड़े हो गए हैं। ये युवक यहां क्यों आए थे, उनका मकसद क्या था, इन सब की गहन जांच की जा रही है।

मुख्यमंत्री स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड से लोन लेने वाले एक हजार छात्रों को नोटिस

गया, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। उच्च और तकनीकी शिक्षा ग्रहण करने को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मुख्यमंत्री स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना शुरू की हुई है। इस योजना से लाभ लेने वाले ऐसे एक हजार छात्र-छात्राओं को चिह्नित किया गया है, जिन्होंने मुख्यमंत्री स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड से पूर्व में लोन लिए थे। ऐसे विद्यार्थी को डीआरसीसी कार्यालय से नोटिस भेजा जा रहा है। लोन लेने वाले को इस तरह के तीन नोटिस भेजे जाएंगे। इस नोटिस के बाद भी अगर लोन की राशि का भुगतान नहीं करते हैं, तो वैसे छात्रों के खिलाफ जिला मुख्यालय में सर्टिफिकेट केस दर्ज किया जाएगा। बताया गया कि अभी वर्तमान में 47 छात्रों पर सर्टिफिकेट केस दर्ज कराने के लिए भेजा गया है, वहां से वैसे छात्रों को लीगल नोटिस भेजा जाएगा। उसके बाद केस दर्ज किया जाएगा। मुख्यमंत्री स्टूडेंट कार्ड में लोन लेकर उच्च व तकनीकी शिक्षा को पूरा किए हैं, या नहीं। जिन छात्रों ने शिक्षा पूरा करने के बाद नौकरी मिली है, या नहीं। इसकी कोई जानकारी नहीं दी गई है।

राजस्थान के नए सीएम भजन लाल ने आगरा से की है हाईस्कूल और इंटर की पढ़ाई

आगरा, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। बड़े-बड़े नामों को पीछे छोड़ राजस्थान के नए मुख्यमंत्री चुने गए भजन लाल शर्मा का आगरा से भी नाता है। हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षा उन्होंने शमसाबाद कस्बे के एपी इंटर कालेज से दी थी। चूंकि बड़ी बहन की ससुराल भी यहां है, तो उनका आना-जाना लगा रहा। यह भी एक संयोग है कि 15 दिसंबर को उनका जन्मदिन है और इसी दिन वे मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की सगी बहन शीला देवी की ससुराल फतेहाबाद तहसील क्षेत्र के गांव पैंतीखेड़ा में है। बहन के घर उनका आना-जाना काफी रहा है। बड़ी बहन शीला देवी ने बताया कि दो बहनों और चार भाइयों में भजन लाल चौथे नंबर के हैं। उन्होंने एपी

इंटर कालेज शमसाबाद से हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षा दी थी। बहन के ससुर कैलाश चंद्र शर्मा का वर्ष 2021 में निधन हो गया था। आखिरी बार वे उनके अंतिम संस्कार में शामिल हुए थे। शीला देवी ने बताया कि स्वजन की खुशी दोगुनी इसलिए हो गई कि अपने जन्मदिन पर ही वे 15 दिसंबर को मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी संभालेंगे।

डीआरआइ ने पकड़ा तस्करी का पांच किलो सोना, चार करोड़ बताई जा रही है कीमत

गोरखपुर, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआइ) की टीम ने लखनऊ क्षेत्र से तीन तस्करों को गिरफ्तार कर उनके पास से पांच किलोग्राम सोना बरामद किया है। बरामद सोने की बाजार में कीमत करीब चार करोड़ रुपये बताई जा रही है। तीनों तस्कर गोरखपुर, संत कबीरनगर व बस्ती जिले के रहने वाले हैं। लखनऊ की टीम गिरफ्तार तस्करों से पूछताछ कर रही है। डीआरआइ अधिकारियों को बुधवार को जानकारी मिली कि सोने की तस्करी करके कुछ लोग गोरखपुर या बस्ती की तरफ जा रहे हैं। इसके बाद लखनऊ व गोरखपुर की डीआरआइ टीम ने संयुक्त कार्रवाई की।

सीएम नीतीश को पद की लालच नहीं!

उनके मंत्री कर रहे हैं कि वे लाल किले पर तिरंगा फहराएंगे

पटना, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार में आगामी चुनाव को लेकर सियासी पारा चढ़ा हुआ है। इंडिया बनाम एनडीए गठबंधन की सियासत जोरों पर है। राजनीतिक पार्टियां मतदाताओं को लुभाने के लिए विभिन्न रणनीतियों पर काम कर रही हैं। बिहार में भाजपा बूथ स्तर पर पार्टी की सियासी ज़मीन मज़बूत करने में जुट गई है। एनडीए गठबंधन के नेता पीएम मोदी के नेतृत्व में लोकसभा चुनाव लड़ने की बात कर मतदाताओं को लुभाने की कोशिश में हैं। वहीं इंडिया गठबंधन में अभी तक पीएम उम्मीदवार को लेकर फ़ैसला नहीं हो पाया है, बिहार में इशारों इशारों में जदयू नेता नीतीश कुमार को पीएम उम्मीदवार प्रोजेक्ट करने का शिगुफ़ा छोड़ रहे हैं। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मीडिया से मुखातिब होते हुए कई बार कह चुके हैं, कि उन्हें किसी पद की लालच नहीं है। वह सिर्फ और सिर्फ विपक्षी एकता को मज़बूत करना चाहते हैं। नीतीश कुमार पद के लिए मना करते रहे हैं, लेकिन जदयू नेता उन्हें पीएम प्रोजेक्ट करने शिगुफ़ा छोड़ते रहे हैं।

इसी क्रम में बिहार के अल्पसंख्य कल्याण मंत्री ज़मा खान ने सनसनीखेज़ दावा किया है। उन्होंने कहा कि 2024 में देश बड़ा बदलाव होने जा रहा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अब दिल्ली के लाल किले पर झंडा फहरायेंगे। नीतीश कुमार को जनता दिल्ली में बैठे देखना चाहती है। जमा खान भारतीय जनता पार्टी पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि हम लोग धर्म और जात की सियासत नहीं करते है। हम लोगों का फोकस विकास पर है, हमारे नेता सीएम नीतीश कुमार को लोग विकास पुरुष के तौर पर जानते हैं। जदयू की बनारस में होने वाली रैली से भाजपा का ठंड में पसीना छूटने वाला है। देश के लिए भाजपा नेताओं की सोच सही नही है। जबकि सीएम नीतीश कुमार पूरे देश की जनता का विकास चाहते हैं। उनकी सोच सबको साथ लेकर चलने की है। देश की जनता यह समझ चुकी है कि इंडिया को विकास की राह पर ले जाने के लिए 2024 में बदलाव ज़रूरी है।

चलती बस में ड्राइवर को पड़ा दिल का दौरा, चपेट में आई 4 जिंदगियां

लखनऊ, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। यूपी के दनकौर में भयावह सड़क दुर्घटना हुई। दनकौर में दोपहर बुलंदशहर डिपो की रोडवेज बस चलाते वक़्त चालक को दौरा पड़ गया। यह घटना रेलवे स्टेशन फ्लाइओवर से उतरते वक़्त हुई। चालक के बेहोश होते ही बस अनियंत्रित हो गई और आगे चल रहीं 3 बाइक पर सवार चार लोगों को रौंदते हुए बढ़ी। इसी दौरान बस में सवार लोग तत्परता से आगे बढ़े। एक ने स्टेयरिंग को कंट्रोल किया और दूसरे ने ब्रेक लगा दिया। इस हादसे में 4 लोगों की जान मौके पर ही चली गई। बस में सवार लोगों ने बताया कि ब्रेक लगाने में देर होती तो कई और लोग बस की चपेट में आ जाते। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि बस के नीचे 3 बाइक 50 फीट तक फंसी हुई चली गई। आसपास मौजूद लोगों ने बस के नीचे फंसे बाइक सवार लोगों को कड़ी मशक्कत के उपरांत बाहर निकाला। 3 लोगों की घटनास्थल पर ही जान चली गई थी, जबकि चौथे ने अस्पताल में दम तोड़ा।

दनकौर रेलवे स्टेशन के फ्लाईओवर पर दिन के समय काफी ट्रैफिक रहता है। जब बस फ्लाईओवर से उतरने वाली थी उसी दौरान हादसा हुआ। बस की चपेट में आने से करन (23) निवासी सिकंदराबाद, सुशील (30) निवासी बुलंदशहर, बदन (26) निवासी हाथरस और कमलेश (33) निवासी एटा की जान चली गई। बदन और कमलेश जीजा- साले रहे। वे दनकौर इलाके में रहकर बर्तन बेचते थे। दोनों बाइक से सिकंदराबाद की तरफ ही जा रहे थे। उसी बीच यह हादसा हुआ। करन दनकौर इलाके के अस्तौली गांव में अपनी बहन के यहां रहकर कोचिंग सेंटर में पढ़ाई करता था। सुशील ग्रेटर नोएडा से बुलंदशहर अपने गांव जा रहा था।

15 दिसंबर को गया आएंगे बौद्ध धर्म गुरु दलाई लामा

बदला रहेगा ट्रैफिक रूट, पूरा कार्यक्रम तय

गया, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। बौद्ध धर्म गुरु दलाई लामा 15 दिसंबर को बिहार के बोधगया आ रहे हैं। चार्टर विमान से गया एयरपोर्ट पहुंचेंगे। एयरपोर्ट से प्रवास स्थल तक कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। जिला प्रशासन की ओर से पूरी तैयारी कर ली गई है। डीएम डॉ। त्यागराजन एसएम, एसएसपी आशीष भारती, सीटी एसपी हिमांशु खुद जुटे हैं। सुरक्षा व्यवस्था समेत तमाम अन्य चीजों की मॉनिटरिंग की जा रही है। महाबोधि सांस्कृतिक केंद्र में 20 से 23 दिसंबर तक महासंघ कार्यक्रम प्रस्तावित है। इसमें 32 से अधिक देशों से बौद्ध भिक्षु शामिल होंगे। 20 दिसंबर को बिहार के सीएम नीतीश कुमार सहित कई मंत्री भी शामिल होंगे। 29 से 31 दिसंबर तक कालचक्र मैदान में विभिन्न देशों से आए बौद्ध श्रद्धालुओं को टीचिंग करेंगे।

स्वास्थ्य केंद्र में पूरी व्यवस्था तैयार

डीएम डॉ। त्यागराजन एसएम ने बताया कि दलाई लामा के प्रोटोकॉल के अनुरूप जो भी इमरजेंसी हेल्थ केयर होनी चाहिए उसके अनुरूप बोधगया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उपकरण लगाया जा रहा है। किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए तैयार हैं। डेकाबोर्टर, कार्डियो मॉनिटर, ऑक्सीजन सिलेंडर, ऑक्सीजन कंसुलेटर, वेंटीलेटर आदि की व्यवस्था की गई है।

मल्टी लेयर में किए गए सुरक्षा के इंतजाम

वहीं, एसएसपी आशीष भारती ने बताया कि मल्टी लेयर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। जिला पुलिस व दलाई लामा के सुरक्षाकर्मी भी रहेंगे। महाबोधि मंदिर, प्रवास स्थल, तिब्बत मंदिर, कालचक्र मैदान सहित पूरे मंदिर क्षेत्र में सुरक्षा बलों एवं पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। दलाई लामा तक पहुंचने के लिए श्रद्धालुओं को कई सुरक्षा घेरे से गुजरना होगा।

क्या होगा ट्रैफिक रूट?

ज्यादा भीड़ होने की संभावना को लेकर ट्रैफिक प्लान तैयार किया गया है। 16 दिसंबर से 20 जनवरी 2024 तक दलाई लामा के प्रवास के दौरान नोड 1, एंबेसी मोड़, वर्मा मोड़ से महाबोधि मंदिर और कालचक्र मैदान तक बड़े वाहनों का प्रवेश वर्जित रहेगा।

बिना पास के कोई भी वाहन प्रवेश नहीं कर सकेंगे। इसके अलावा वर्मा मोड़, चिल्ड्रेन पार्क, एंबेसी मोड़, बिरला धर्मशाला, पछट्टी मोड़, म्यूजियम, मौसा मोड़, महाबोधि सोसाइटी, कालचक्र मैदान, पानी टंकी, बांग्लादेश मोनेस्ट्री के पास बैरियर बनाया गया है। कई वाहन पार्किंग स्थल बनाए गए हैं।

300 घरों में पुलिस की दस्तक

एक-एक सदस्य का जुटाया जा रहा ब्योरा अभेद्य होगी पीएम मोदी की सुरक्षा

वाराणसी, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री की सुरक्षा के दृष्टिगत पुलिस के अभेद रणनीति तैयार करने के क्रम में नमो घाट किनारे के बसे 300 परिवारों के यहां घर-घर दस्तक दस्तक देकर रहने वाले सदस्यों का ब्योरा जुटाया है। पुलिस के पास एक-एक परिवार के सदस्यों और उनके मोबाइल नंबर ब्योरा है। चेकिंग अभियान में किसी के यहां कोई रिश्तेदार परिचित नहीं मिला है।

पुलिस अधिकारियों ने निर्देश दिया है कि किसी के यहां कोई रिश्तेदार परिचित आए तो तुरंत पुलिस को इसकी सूचना दें। डीसीपी आरएस गौतम और अपर पुलिस उपायुक्त चंद्रकांत मीणा सोमवार को नमो घाट पर प्रधानमंत्री के 17 दिसंबर के दौरे के दृष्टिगत की जा रही सुरक्षा तैयारियों का जायजा लेने पहुंचे थे। दोनों अधिकारियों ने बताया कि नमो घाट पर सभा को संबोधन और तमिल संगमम कार्यक्रम में शामिल होना प्रस्तावित है। ऐसे में प्रधानमंत्री की सुरक्षा में कोई चूक न हो इसके लिए छोटी-छोटी बातों का पर गौर फरमाया जा रहा है। कार्यक्रम स्थल को सुरक्षा फुलप्रूफ बनाने संग नमोघाट के इर्दगिर्द रहने वाले परिवारों को भी निगरानी में रखा जा रहा है।

हिंदू बनी मुस्लिम टीचर

घरवाले जबरन कराना चाहते थे निकाह, तीन तलाक-हलाला के डर से लिया ये फैसला

बरेली, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। बरेली से लापता निजी स्कूल की शिक्षिका नेहा असमत ने हिंदू धर्म अपना लिया है। शिक्षिका ने उज्जैन के महाकाल मंदिर में दर्शन कर खुद के हिंदू धर्म अपनाने और नाम नेहा असमत से नेहा सिंह रखने की घोषणा की। उन्होंने बताया कि तीन तलाक और हलाला से डरकर उन्होंने हिंदू धर्म अपनाया है। उन्होंने खुद और अपने सहकर्मी मोहित की जान का खतरा जताया है। नेहा की मां रानी बेगम ने 11 नवंबर को बारादरी थाने में उसके अपहरण की रिपोर्ट कराई थी। उन्होंने नेहा के साथी शिक्षक मोहित सिंह पर अपहरण का शक जताया था। बारादरी पुलिस नेहा की तलाश कर रही थी। अब सोशल मीडिया पर नेहा का उज्जैन मंदिर का फोटो वायरल हो रहा है। नेहा की ओर से एसएसपी दफ्तर में पत्र देकर बताया गया है कि उसके पिता

असमत अली की मौत हो चुकी है। बहन, बहनोई और एक अन्य व्यक्ति मां के साथ मिलकर उसकी शादी ऐसे शख्स से करने का दबाव बना रहे थे जो अपनी पत्नी को तलाक देने के बाद उसका हलाला करा चुका था। उन्हें यह शादी पसंद नहीं थी। परिवार ने दबाव बनाया तो उन्होंने घर छोड़ दिया। नेहा ने अपने धर्म परिवर्तन का प्रमाणपत्र तो साथ लगाया है लेकिन शादी का जिक्र नहीं किया है।

मोतिहारी में पूर्व मुखिया की पोती की शादी में हर्ष फायरिंग किशोर की मौत

मोतिहारी, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। मोतिहारी में हर्ष फायरिंग में गोली लगने से एक किशोर की मौत हो गई। घटना पकड़ीदयाल थाना इलाके के सिसहनी गांव की है। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन में जुट गई। हालांकि, परिजनों ने किशोर की लाश को छिपा दिया है। कोई कुछ कहने को तैयार नहीं है।

वहीं सूचना मिलते ही पकड़ीदयाल एडीपीओ सुबोध कुमार मामले की जांच कर रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि सिसहनी पंचायत के पूर्व मुखिया रामवती देवी के पोती की शादी थी। बाराती द्वार पर आए तो अचानक हर्ष फायरिंग होने लगी। इसी दौरान एक गोली किशोर को लग गई। इसमें उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान जयकिशुन पासवान के बेटे गोविंद कुमार (07) के रूप में हुई है।

माफिया अतीक अहमद के बेटे अली को एचसी ने दिया झटका, सुरक्षा की मांग वाली याचिका ठुकराई

प्रयागराज, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। माफिया अतीक अहमद के बेटे अली अहमद को इलाहाबाद हाईकोर्ट से निराशा हाथ लगी है। अली अहमद ने अपनी सुरक्षा की मांग को लेकर याचिका दाखिल की थी जिसे अदालत ने खारिज कर दिया है। हाईकोर्ट ने आशंका के आधार पर की गई सुरक्षा की मांग को लेकर अली अहमद से हलफनामा मांगा था। सुनवाई के दौरान अली अहमद के वकील कोर्ट में मौजूद नहीं हुए, इसलिए याचिका खारिज कर दी गई। अली अहमद इस समय नैनी के सेंट्रल जेल में बंद चल रहा है। अपनी याचिका में अली अहमद ने आशंका जताई थी कि कोर्ट पेशी के समय पर उस पर हमला किया जा सकता है। अहमद ने पेशी पर ले जाते समय यूपी पुलिस की जगह केंद्रीय सुरक्षा बलों की मांग की थी। साथ ही वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये पेशी पर हाजिर होने की मांग की थी। सुरक्षा कारणों से जेल बदलने की इच्छा भी जताई गई थी। कोर्ट ने यह कहते हुए याचिका को खारिज कर दिया कि काल्पनिक आधार पर खतरा बताकर सुरक्षा के आदेश नहीं मिल सकते। पेशी के दौरान सुरक्षा खतरे को लेकर कुछ पुख्ता सुबूत होने चाहिए। गौरतलब है कि अली अहमद को उमेश पाल हत्याकांड में आरोपी बनाया गया है। अतीक के बड़ा बेटा मोहम्मद उमर लखनऊ जेल में बंद है। अली अहमद पर कुछ समय पहले पूर्व विधायक आसिफ जरदारी के भाई ने रंगदारी मांगने का मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप था कि अली अहमद ने असाद कालिया के साथ मिलकर इमरान के जरिये 10 लाख रुपये की रंगदारी मांगी गई। रंगदारी नहीं देने पर जान से मारने की धमकी दी गई।

हरियाणवी डांसर सपना चौधरी ने की सीएम योगी की तारीफ, राजनीति में आने पर कहा रुचि नहीं

बलिया, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बलिया के ददरी मेला में शिरकत करने और जलवा बिखेरने पहुंची हरियाणवी डांसर सपना चौधरी ने सीएम योगी आदित्यनाथ की जमकर तारीफ की है। सपना चौधरी ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि योगी आदित्यनाथ बहुत अच्छे सीएम हैं। सपना चौधरी ने कहा कि सीएम योगी के कार्यकाल में यूपी में बड़ा बदलाव हुआ है। सपना चौधरी ने कहा कि पहले यूपी में शो करने में उन्हें डर लगता था। सपना चौधरी ने मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए कहाकि पहले शो के दौरान यूपी में विवाद खड़ा हो जाता था। लेकिन अब यूपी में दंगे,फसाद और विवाद नही हैं।

भोजपुरी मेरी मां की तरह है

इस दौरान सपना चौधरी ने कहा कि मैं भोजपुरी नहीं जानती, लेकिन भोजपुरी मेरी मां की तरह ही है। भोजपुरी को लेकर उन्होंने कहा कि पूरे बिहार से मैं जुड़ी हुई हूं, क्योंकि मुझे बनाने में बिहार का योगदान ज्यादा रहा है। यहां की ऑडियंस मुझे शुरू से ही प्यार देती आई है। सपना चौधरी ने कहा कि मैं अब यूपी में सुरक्षित महसूस करती हूं। बता दें कि सपना चौधरी बलिया में ददरी मेला में शिरकत करने पहुंची थी।

अश्लील डांस और गानों को लेकर क्या कहा?

वहीं इस दौरान सपना चौधरी से जब आयोजनों में मंच पर अश्लील गाने और अश्लील डांस को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि मैं इसके लिए किसी को जिम्मेदार नहीं मानती। सबका अपना-अपना काम है, सब अपने-अपने काम को बखूबी निभाते हैं। मेरी जितनी जिम्मेदारी है और मुझे स्टेज पर मेरी जितनी लिमिट पता है और मैं अपने आप को कैसे प्रजेंट करती हूं, वो मेरी जिम्मेदारी है। बाकियों का मैंने ठेका नहीं लिया।

राजनीति में आने पर क्या विचार है?

वहीं इस दौरान सपना चौधरी से जब पूछा गया कि क्या वह राजनीति में आने का सोच रही हैं। तो उन्होंने जवाब दिया कि फिलहाल कोई रुचि नहीं है और मैं अपनी लाइफ में बहुत खुश हूं। उन्होंने कहा कि मेरी निजी राय ये है कि दो-तीन प्रतिशत को छोड़ दें तो अधिकतर कलाकार राजनीति नहीं कर सकते। क्योंकि एक आर्टिस्ट हमेशा आर्टिस्ट ही रहता है।

नए सीएम के पहले निर्णय से गदगद हुईं उमा भारती

भोपाल, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री उमाभारती ने प्रदेश के नए मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव के पहले निर्णय पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। पूर्व मुख्यमंत्री का मानना है कि नए सीएम ने पहले ही निर्णय में अपनी संवेदनशीलता का परिचय दिया है। उन्होंने ट्वीट किया कि मध्य प्रदेश की नव निर्वाचित सरकार के मुखिया डॉक्टर मोहन यादव जी की कैबिनेट ने कल जो दो महत्वपूर्ण निर्णय किये- खुले में मांस एवं अंडे की बिक्री पर सख्ती तथा धार्मिक स्थानों पर जोर से बजते हुए लाउडस्पीकर पर रोक, दोनों समस्याएं सामान्य जनजीवन के लिए बहुत बड़ी परेशानी थीं, उन पर नियंत्रित प्रतिबंध लगाकर नई सरकार ने अपनी मानवीय संवेदनशीलता का परिचय दिया है, नये मुख्यमंत्री जी एवं उनकी कैबिनेट का अभिनंदन। पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती अपनी बीमारी के चलते बुधवार को मोती लाल नेहरू स्टेडियम में हुए सीएम के शपथ ग्रहण कार्यक्रम में भी शामिल नहीं हो पाई थीं। उन्होंने ट्वीट कर बताया था कि नए मंत्रिमंडल के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए निमंत्रण आया है। आप सबको विदित ही है कि मुझे पीठ में स्लिप डिस्क होने के कारण उठने बैठने की अत्यधिक सावधानी रखने का चिकित्सकों का निर्देश है। इसलिए मैं इस समारोह में अनुपस्थित रहने के लिए मजबूर हूं लेकिन नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री एवं मंत्रियों को शुभकामनाएं। बता दें, भारतीय जनता पार्टी के विधायक दल का नेता बनने के बाद सीएम डॉक्टर मोहन यादव पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती से मुलाकात करने उनके निवास पहुंचे थे।

हिन्दू नेता की टारगेट किलिंग आतंकी हरकत नहीं एचसी ने आरोपी आसिफ को दी जमानत

चेन्नई, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। मद्रास हाई कोर्ट ने हाल ही में यूएपीए के तहत गिरफ्तार एक शख्स को जमानत देते हुए उसके कृत्य को आतंकवादी हरकत मानने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने जमानत मंजूर करते हुए अधिकारियों से ही पूछा है कि क्या किसी हिन्दू धार्मिक नेता की लक्षित हत्या और उसकी साजिश को आतंकवादी कृत्य माना जा सकता है।

इस मामले में तमिलनाडु पुलिस ने पिछले साल आरोपी के खिलाफ गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) लगाया था और उसकी गिरफ्तारी की थी। हालांकि,सबूतों से पता चलता है कि साजिश कुछ धार्मिक नेताओं पर हमला करने की थी। जस्टिस एसएस सुंदर और जस्टिस सुंदर मोहन की खंडपीठ ने बुधवार को कहा, अधिकारियों ने यह नहीं बताया है कि इसे आतंकवादी कृत्य कैसे माना जाएगा, जैसा कि यूएपीए की धारा 15 के तहत परिभाषित किया गया है। हाई कोर्ट ने कहा, यूएपीए की धारा 15 के तहत किसी कृत्य को तभी लाया जा सकता है, जब कोई आपराधिक कार्य भारत की एकता, अखंडता, सुरक्षा, आर्थिक सुरक्षा या संप्रभुता को खतरे में डालने या खतरे में पड़ने की संभावना के इरादे से किया गया हो, या आतंक फैलाने के इरादे से या भारत में या किसी विदेशी धरती पर लोगों या लोगों के किसी भी वर्ग पर हमला करने की संभावना के इरादे से किया गया हो। मामले में अभियोजन पक्ष ने दावा किया था कि आरोपी आसिफ मुस्तहीन ने कुछ हिंदू धार्मिक नेताओं और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सदस्यों की हत्या की साजिश रची थी, इसलिए यूएपीए की धारा 18 और 38 (2) के तहत परिभाषित आतंकवादी गतिविधि की धाराएं उस पर लगाई गई थीं। बाद में आसिफ को पिछले साल 26 जुलाई 2022 को राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने यूएपीए के तहत गिरफ्तार कर लिया था। हाई कोर्ट ने माना कि रिकॉर्ड पर मौजूद सामग्री अदालत के लिए किसी आतंकवादी गतिविधि या ऐसी साजिश के अस्तित्व का निष्कर्ष निकालने के लिए पर्याप्त नहीं है। इसके बाद कोर्ट ने आरोपी आसिफ को जमानत दे दी। कोर्ट ने यह भी पूछा कि क्या किसी हिंदू धार्मिक नेता की हत्या की साजिश को अपने आप में आतंकवादी कृत्य कहा जा सकता है? आरोपी द्वारा पहले दायर की गई जमानत याचिकाओं को ट्रायल कोर्ट, हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया था।

वह पिछले 17 महीने से जेल में बंद था। अभियोजन पक्ष के अनुसार, आरोपी आतंकी संगठन आईएसआईएस का सदस्य बनना चाहता था और उसने दूसरे आरोपी के साथ निकटता हासिल की थी, जो वैश्विक आतंकवादी संगठन का सदस्य था। आगे यह भी आरोप लगाया गया कि दोनों ने भाजपा और आरएसएस से जुड़े कई हिंदू धार्मिक नेताओं को मारने की योजना बनाई थी।

सिंह इज किंग : लोकसभा में घुसे शख्स को पकड़ने वाले सांसद की शशि थरूर ने की तारीफ

नई दिल्ली, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने पार्टी के सांसद गुरजीत सिंह औजला की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से औजला ने संसद के अंदर घुसे आरोपी को पकड़ा वह बताता है कि सिंह इज किंग हैं। बता दें कि कांग्रेस सांसद औजला ने लोकसभा में घुसे आरोपी को सबसे पहले पकड़ा था। शशि थरूर ने औजला की तारीफ में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट भी किया है। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा कि सदन में घुसे आरोपी का सामना करने के लिए मैं उनकी तारीफ करता हूं। सिंह इज किंग! आप शानदार हैं औजला, आप बहुत बहादुर भी हैं। बता दें कि संसद पर आतंकी हमले की बरसी के दिन बुधवार को सुरक्षा में सेंधमारी की घटना 18 महीने की प्लानिंग का परिणाम थी। हमले को अंजाम देने वाले सभी आरोपी अलग-अलग राज्यों सें हैं, लेकिन इन सभी में एक कॉमन लिंक है- 'भगत सिंह फैन क्लब' नामक एक सोशल मीडिया पेज। घटना उस वक्त सामने आई, जब लोकसभा की कार्यवाही के दौरान दर्शक दीर्घा से दो लोग सदन के भीतर कूद गए, नारेबाजी की और 'केन' के जरिये पीले रंग का धुआं फैला दिया। घटना के तत्काल बाद दोनों को पकड़ लिया गया। इस बीच, संसद के बाहर नीलम आज़ाद और अमोल शिंदे ने पीले और लाल धुएं वाले कैन का इस्तेमाल किया और तानाशाही के खिलाफ नारे लगाए। शर्मा लखनऊ के रहने वाले हैं और मनोरंजन, मैसूर के रहने वाले हैं।

बिट्टू बजरंगी के भाई को जिंदा जलाने की कोशिश, अस्पताल में किया गया भर्ती

फरीदाबाद, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के फरिदाबाद जिले में दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। जहां बीती रात गौ रक्षा बजरंग फोर्स के राष्ट्रीय अध्यक्ष बिट्टू बजरंगी के छोटे भाई को बदमाशों ने आग के हवाले कर दिया। बुरी तरह से झुलसे बिट्टू बजरंगी के छोटे भाई को इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बिट्टू बजरंगी को भी लगातार जान से मारने की धमकी मिल रही हैं। उन्होंने बताया कि अलग-अलग नंबरों से धमकी वाले फोन कॉल्स आ रहे हैं। उनको धमकी दी जा रही है कि तुम्हें खत्म कर दिया जाएगा। बता दें कि नूंह हिंसा के दौरान एक वीडियो वायरल हुआ था। इस वायरल वीडियो के बाद बिट्टू बजरंगी काफी चर्चा में आया था। बिट्टू बजरंगी ने पुलिस को चेतावनी देते हुए कहा था कि बदमाशों को जल्द गिरफ्तार नहीं किया गया तो वह अपने तरीके से एक्शन लेंगे। इसके बाद ही नूंह हिंसा के आरोपी बिट्टू बजरंगी को पुलिस ने उसके फरीदाबाद स्थित घर से ही गिरफ्तार कर लिया था। हरियाणा के नूंह से शुरू हुई हिंसा जिसने गुरुग्राम और आसपास के जिलों को भी अपनी चपेट में ले लिया था। उस हिंसा का मुख्य आरोपी बिट्टू बजरंगी को ही बनाया गया था।

राम रहीम बार-बार पैरोल पर क्यों आ जाता है जेल से बाहर? हरियाणा के मुख्यमंत्री खट्टर ने दिया जवाब

फरीदाबाद, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने एक अहम बयान दिया है। राम रहीम को बार बार पैरोल और फरलो दिए जाने पर पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने सरकार से सवाल पूछा था। इस पर मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि किसी कैदी का कैसा व्यवहार है, इसी आधार पर पेरोल दी जाती है। खट्टर ने राम रहीम का नाम तो नहीं लिया लेकिन कहा कि सबको पैरोल और फरलो का अधिकार है। खट्टर ने कहा कि और लोगों को भी पैरोल और फरलो की सुविधा का लाभ दिया गया है। मुख्यमंत्री ने ओपेन जेल बनाने की भी बात की। कहा कि हम अब जेलों में ओपन जेल भी बनाने जा रहे है। मुख्यमंत्री के मुताबिक जिस कैदी का अच्छा आचरण है, उसको ओपन जेल में रखा जाएगा। मुख्यमंत्री का यह बयान जेल और कैदी सुधार की दिशा में अहम माना जा रहा है। दरअसल शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की एक याचिका पर पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट में सुनवाई हो रही थी। एसजीपीसी ने हरियाणा सरकार से जानकारी मांगी थी कि जिस तरह से गुरमीत राम रहीम को पैरोल और फरलो की छुट्टी दी जा रही है, दूसरे कैदियों और बंदियों को भी क्या ये सुविधा दी जा रही? इसी पर हरियाणा की सरकार ने कोर्ट में ये बयान दिया है।

हैवानियत की हद: भाभी के सिर में फावड़ा मारकर की हत्या

मुरैना, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। अम्बाह थाना क्षेत्र स्थित चौक बारेन का पुरा गांव निवासी संदीप तोमर की पत्नी आशिकी तोमर की आज सुबह किसी बात को लेकर अपने देवर से कहासुनी हो गई थी। झगड़े के दौरान प्रदीप ने तैश में आकर फावड़ा उठाकर भाभी के सिर में दे मारा, जिससे मौके पर ही ढेर हो गई। भाभी को मरणासन्न हालत में देख आरोपी मौके से भाग गया। परिजन उसे बेहोशी की हालत में वाहन में रखकर उपचार के लिए जिला अस्पताल ले गए। यहां पर डॉक्टरों ने उसे देखते ही मृत घोषित कर दिया।

मंत्री छगन भुजबल का दावा- गोली मारकर की जा सकती है उनकी हत्या

नागपुर, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मंत्री छगन भुजबल की तरफ से जान का खतरा बताए जाने के एक दिन बाद मंत्री उदय सामंत का कहना है कि सदन के सदस्यों और सदन के बाहर के लोगों की सुरक्षा सरकार की जिम्मेदारी है। हमारा गृह विभाग छगन भुजबल से बात करने के बाद आवश्यक कार्रवाई करेगा क्योंकि यह सरकार सुरक्षा प्रदान करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि सीएम एकनाथ शिंदे मराठा आरक्षण पर जल्द ही विधानसभा में सरकार की तरफ से जवाब देंगे। दरअसल, मंत्री छगन भुजबल ने बुधवार को विधानसभा में एक सनसनीखेज दावा किया कि पुलिस को जानकारी मिली है कि उनकी गोली मारकर हत्या की जा सकती है। उन्होंने यह भी दावा किया कि मराठा आरक्षण के लिए जारी आंदोलन के बीच उन्हें पिछले दो महीनों से अपशब्द कहे जा रहे हैं और धमकियां मिल रही हैं। नौकरियों और शिक्षा में आरक्षण के लिए ओबीसी श्रेणी के तहत मराठाओं को शामिल करने का मुखर विरोध कर रहे खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री ने विधानसभा में आरक्षण मुद्दे पर अपने संबोधन के दौरान यह दावा किया। प्रमुख ओबीसी नेता भुजबल ने कहा कि उन्हें मराठा विरोधी के रूप में चित्रित करने और ऐसी छवि बनाने का प्रयास किया जा रहा है कि वह प्रभावशाली समुदाय के लिए आरक्षण के विरोधी हैं, जो गलत है। बता दें कि महाराष्ट्र में लंबे समय से मराठा आरक्षण की मांग की जा रही है। इसको लेकर विरोध प्रदर्शन भी हुए हैं। सरकार ने आरक्षण को लेकर सभी को शांति बरकरार रखने की अपील की है। सरकार की तरफ से कहा गया है कि वह इस संबंध में उचित कदम उठाएगी।

मैं अंताक्षरी खेलना चाहता था मगर...

जब सुप्रीम कोर्ट के स्टाफ के सामने सीजेआई चंद्रचूड़ ने की 'मन की बात'

नई दिल्ली, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने न्यायाधीशों और सर्वोच्च न्यायालय के रजिस्ट्री में काम करने वाले सभी कर्मचारियों के बीच सौहार्द्र बढ़ाने के लिए इस सप्ताह खेल और सांस्कृतिक बैठक का आयोजन किया। इसी क्रम में बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन हुआ, जहां भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने विजेताओं को पुरस्कृत किया और ऐसे आयोजनों के महत्व के बारे में बताया।

इस दौरान सीजेआई ने कहा कि वह भी अंताक्षरी खेलना चाहते थे, मगर उन्हें नामांकन की अनुमति नहीं दी गई। सीजेआई यानी चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि खुशी की बात यह है कि इस वार्षिक कार्यक्रम में रजिस्ट्री कर्मचारियों के परिवार भी शामिल होते हैं। चीफ जस्टिस ने कहा सुप्रीम कोर्ट की रजिस्ट्री 2,500 कर्मचारियों का एक परिवार है और ऐसे में जब उनके भी सुप्रीम कोर्ट के इस कार्यक्रम भी परिवार भी भाग लेते हैं, तो यह एक बड़ा परिवार बन जाता है। वहीं, इसी कार्यक्रम में चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ ने एक ऐसी एक आश्चर्यजनक घोषणा की, जिससे सभी कर्मचारियों के चेहरे पर मुस्कन आ गई। मुख्य न्यायाधीश ने रजिस्ट्री के सभी कर्मचारियों के लिए वेतन वृद्धि की घोषणा की। डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि यह कदम आमतौर पर तब उठाया जाता है, जब कोई मुख्य न्यायाधीश सेवानिवृत्त होता है, लेकिन वे कर्मचारियों को प्रोत्साहित करना चाहते थे। इसी कार्यक्रम में चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ से यह पूछे जाने पर कि क्या वह कार्यक्रमों में हिस्सा लेना चाहते हैं, मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि वह गाने के लिए उत्सुक थे लेकिन उन्हें अंताक्षरी के लिए नामांकन की अनुमति नहीं दी गई।

उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा कि गाने में आपको मेरी आवाज पर भरोसा नहीं है लेकिन आपको मेरे फुटबॉल खेलने पर भरोसा होगा। वहीं, कार्यक्रम में उन्होंने म्यूजिकल चेयर कार्यक्रम की भी प्रशंसा की, जिसमें उन्होंने कर्मचारियों के साथ मजाक करते हुए कहा कि रजिस्ट्री अच्छी है क्योंकि वे हर दिन जजों के साथ ऐसे ही खेल खेलते हैं।

बिटकॉइन घोटाले में 10 एफआईआर को सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई के पास भेजा, आरोपियों की बढ़ी मुश्किले

नई दिल्ली, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने बिटकॉइन क्रिप्टोकरंसी घोटाले से संबंधित 40 से अधिक प्राथमिकियों को आगे की जांच के लिए केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को भेजने का आदेश दिया और मुकदमे को दिल्ली की अदालत में स्थानांतरित कर दिया। शीर्ष अदालत ने कहा कि जो आरोपी अग्रिम जमानत पर हैं, उन्हें जांच को "बाधित" करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। न्यायालय ने उन्हें अग्रिम जमानत की राहत देने वाले अपने 30 अगस्त, 2019 के आदेश को रद्द कर दिया। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि अगर आरोपियों को किसी अन्य अदालत से नियमित जमानत नहीं मिलती है, तो उन्हें दिल्ली उच्च न्यायालय का रुख कर इसके लिए अनुरोध करना होगा। पीठ ने कहा कि जिन मामलों में प्राथमिकियां दर्ज की गई हैं, उनकी सुनवाई अब नयी दिल्ली के राउज एवेन्यू में एक विशेष सीबीआई अदालत में की जाएगी। प्राथमिकियां महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, दिल्ली, चंडीगढ़, पंजाब, कर्नाटक और जम्मू-कश्मीर की स्थानीय पुलिस के अलावा, सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) सहित कई एजेंसियों द्वारा दर्ज की गई थीं। आरोपियों द्वारा दायर 32 याचिकाओं को खारिज करते हुए, पीठ ने कहा, "हमारा मानना है कि प्राथमिकियों में लगाए गए आरोप जांच के योग्य हैं। अनुच्छेद 32 के तहत अधिकार का इस्तेमाल उचित नहीं है।" पीठ ने कहा, "संबंधित सभी प्राथमिकियों को आगे की जांच के लिए सीबीआई को भेज दिया जाए। अंतरिम आदेश के अनुसार इस अदालत के समक्ष जमा की गई राशि (एक करोड़ रुपये) राउज एवेन्यू, नयी दिल्ली में विशेष सीबीआई अदालत में स्थानांतरित कर दी जाएगी।" संविधान का अनुच्छेद 32 भारतीय नागरिकों को उनके मौलिक अधिकारों से वंचित होने पर राहत के लिए उच्चतम न्यायालय जाने की अनुमति देता है। पीठ ने पहले दी गई अग्रिम जमानत की राहत वापस लेते हुए कहा, "हम आपको जांच एजेंसी के साथ सहयोग न करके जांच को बाधित करने की अनुमति नहीं दे सकते।" आरोपियों की ओर से पेश वरिष्ठ वकील सिद्धार्थ दवे ने कहा कि बिटकॉइन की कानूनी स्थिति पूरी तरह से स्पष्ट नहीं है और आरोपियों को जांच एजेंसियों और अदालतों का सामना करने के लिए देश के एक हिस्से से दूसरे हिस्से में भागना पड़ता है। ईडी की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने कहा कि वह जांच को सीबीआई के पास भेजने और मुकदमे को दिल्ली की एकल अदालत में स्थानांतरित करने के विरोध में नहीं हैं। उन्होंने कहा, "लेकिन अग्रिम जमानत का अंतरिम संरक्षण वापस लिया जाना चाहिए।" इससे पहले, शीर्ष अदालत मुख्य आरोपी अमित भारद्वाज द्वारा उसके पूर्व के आदेश का पालन न करने पर नाराजगी जताई, जिसकी बाद में मृत्यु हो गई। उसने ईडी के साथ अपना उपयोगकर्ता नाम, पासवर्ड साझा नहीं किया था। शीर्ष अदालत देश में निवेशकों को उच्च रिटर्न का वादा करने के बाद उन्हें बिटकॉइन में व्यापार करने के लिए प्रेरित करके धोखा देने के आरोप में अमित भारद्वाज और अन्य के खिलाफ दर्ज कई प्राथमिकियों को रद्द करने से संबंधित मामलों पर सुनवाई कर रही है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कहा था कि देश भर में लोगों को कथित तौर पर धोखा देने के आरोप में आरोपियों के खिलाफ लगभग 47 प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। इन मामलों में 20,000 करोड़ रुपये मूल्य के 87,000 बिटकॉइन का व्यापार शामिल था। इस मामले में अमित भारद्वाज, उसके दो भाई और उसके पिता आरोपी हैं। भारद्वाज के खिलाफ आरोप यह था कि उसने अन्य सह-आरोपियों के साथ, जिनमें से ज्यादातर उनके परिवार के सदस्य हैं, लोगों को 18 महीनों के लिए 10 प्रतिशत मासिक रिटर्न सुनिश्चित करने के झूठे वादे पर बिटकॉइन में निवेश करने के लिए प्रेरित किया था।

पंजाब में कांग्रेस-आप के गठबंधन की तैयारी भाजपा के साथ आ सकती है शिअद

चंडीगढ़, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। आगामी लोकसभा चुनाव को देखते हुए पंजाब में भी सियासी दलों की गतिविधियों में अंदरखाने तेजी आने लगी है। हाल ही में पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव नतीजों ने जहां विपक्षी दलों को अपनी रणनीति पर फिर से विचार करने पर मजबूर कर दिया है, वहीं सूबे में भाजपा उत्साह से भरी है। राष्ट्रीय स्तर पर बने इंडिया गठबंधन के तहत कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) पंजाब में सीट शेयरिंग की भूमिका तलाश रहे हैं वहीं लंबे अरसे तक एकजुट रहे अकाली दल ने फिर से भाजपा के साथ गठबंधन की संभावनाएं टटोलनी शुरू कर दी हैं। नए बनते समीकरणों को देखते हुए सियासी गलियारों में चर्चा है कि हो सकता है, लोकसभा चुनाव में पंजाब के लोगों को चुनने के लिए दो विकल्प, कांग्रेस-आप और शिअद-भाजपा गठबंधन के रूप मिलें। कांग्रेस और आप के गठजोड़ को लेकर भले ही पंजाब कांग्रेस के नेता खुश नहीं हैं, लेकिन वह इस मामले में पार्टी हाईकमान के

दिशानिर्देशों की अनदेखी करने पक्ष में भी नहीं हैं। इसके संकेत पंजाब कांग्रेस प्रधान की तरफ से भी दिए गए हैं। दूसरी ओर, पंजाब में सरकार बनाने के तुरंत बाद मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस के नेताओं पर विजिलेंस कार्रवाई शुरू करने वाली आप सरकार ने रुख में अचानक नरमी आ गई है। आप से गठबंधन के विरोध में कांग्रेस के सीनियर नेताओं के बयानों के बावजूद पंजाब आप की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं दी जा रही। बीते विधानसभा सत्र के दौरान भी मुख्यमंत्री भगवंत मान और नेता प्रतिपक्ष प्रताप बाजवा के बीच कहीं कोई तल्खी दिखाई नहीं दी, बल्कि मुख्यमंत्री ने इस बार भाजपा को जबरदस्त तरीके से निशाने पर लिया। इसके अलावा, आप सरकार ने अब अपने हमलों का रुख कांग्रेसियों से हटाकर अकाली दल की तरफ कर दिया है। सीनियर अकाली नेता बिक्रम सिंह मजीठिया के खिलाफ आप सरकार की ताजा कार्रवाई और मुख्यमंत्री का तीखा हमला, साफ संकेत है कि भाजपा के साथ-साथ आने वाले दिनों में अकाली दल भी आप के निशाने पर आ जाएगा। इस बदलाव को कांग्रेस और आप के बीच अंदरखाने बढ़ती नजदीकियों के रूप में देखा जा रहा है। दरअसल, दोनों ही दलों के आलाकमान अपने स्तर पर ही गठजोड़ का फैसला करने वाले हैं, जिसमें पंजाब के नेताओं की सलाह काम नहीं करेगी।

6 साल की मासूम से रेप और हत्या मामले में इडुक्की फास्ट ट्रैक कोर्ट का बड़ा फैसला

इडुक्की, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। केरल के इडुक्की फास्ट ट्रैक कोर्ट ने छह साल की बच्ची से रेप और हत्या के मामले आज बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने इस मामले में एक आरोपी को बरी कर दिया है। कट्टप्पना फास्ट-ट्रैक विशेष अदालत के न्यायाधीश वी मंजू ने आरोपी को यह कहते हुए बरी कर दिया कि अभियोजन पक्ष रेप और हत्या के आरोप स्थापित करने में विफल रहा। बता दें, आरोप पत्र दाखिल होने के दो साल बाद यह फैसला सुनाया गया है।कोर्ट के इस फैसले के बाद बच्ची के माता-पिता अदालत परिसर में भावुक हो गए। नाबालिग लड़की के पिता ने आरोपी को मौत की सजा देने की मांग की और कहा कि उनकी बेटी को न्याय नहीं मिला है। जबतक बेटी को इंसाफ नहीं मिल जाता कानूनी लड़ाई तब तक जारी रहेगी। इस बीच, बचाव पक्ष के वकील ने कोर्ट के इस फैसले पर खुशी जताई है, साथ ही सबूत और हम मुआवजे की भी मांग करने की बात कही है। बता दें, 30 जून 2021 को केरल के वंदिपेरियार के चुराक्कुलम एस्टेट में छह साल की बच्ची के साथ रेप किया गया था। इसके बाद उसकी गला घोंट दिया हत्या कर दी। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से पता चला कि बच्ची के साथ यौन उत्पीड़न और उसकी हत्या की पुष्टि की गई। जिसके बाद पुलिस ने एक आरोपी को इस मामले में गिरफ्तार कर लिया था। इस मामले की जांच वंदिपेरियार सीआई टीडी सुनील कुमार और टीम ने की। वहीं, आरोप पत्र 21 सितंबर, 2021 को दायर किया गया था। आरोपियों पर पॉक्सो अधिनियम, हत्या और बलात्कार की धाराएं लगाई गई थी। पिछले साल मई में कट्टप्पाना फास्ट ट्रैक कोर्ट में इस मामले की सुनवाई शुरू हुई। मामले में 48 गवाहों से पूछताछ की गई। साक्ष्य के रूप में 69 से अधिक दस्तावेज और 16 वस्तुएं अदालत में प्रस्तुत की गईं थी। मुकदमे के दौरान, नए न्यायाधीश ने कार्यभार संभाला और फैसला आज के लिए पोस्ट किया गया था।

महिलाओं को पेड पीरियड लीव नहीं दी जानी चाहिए, ऐसा क्यों बोलीं स्मृति ईरानी

नई दिल्ली, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। महिलाओं को पेड पीरियड लीव यानी मासिक धर्म के दौरान छुट्टी मिलनी चाहिए या नहीं, इस पर संसद में कल सवाल पूछा गया। जाहिर सी बात है ये वैसी छुट्टी की बात है जहां आपकी तनख्वाह न कटे।महिला और बाल कल्याण मंत्री स्मृति ईरानी ने इसका जवाब दिया है और उन्होंने इस विचार को ही खारिज किया है। कहा हि कि सकार इस तरह के किसी भी पेड लीव की तरफ नहीं सोच रही है। ईरानी ने कहा कि यह महिलाओं की जिंदगी का हिस्सा है और इसको हमें दिव्यांगता की तरह नहीं देखना चाहिए।

राज्यसभा में सांसद मनोज कुमार झा ने संसद में पेड पिरियड लीव को लेकर सवाल पूछा था। मनोज कुमार झा राष्ट्रीय जनता दल से सांसद हैं और भारतीय जनता पार्टी की सरकार के खिलाफ अपनी आक्रामकता के लिए जाने जाते हैं।

तैयार हो चुका है नया मसौदा

ईरानी ने कहा है कि अगर महिलाओं को पीरियड के दौरान छुट्टी दी गई तो इससे महिलाओं के प्रति भेदभाव को बढ़ावा मिलेगा। हालांकि मासिक धर्म को लेकर जो हाइजीन की बहस है, उसकी अहमियत को स्मृति ईरानी ने स्वीकार किया। उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर तैयार किए गए एक मसौदे का भी जिक्र किया। ईरानी ने बताया कि यह मसौदा बहुत से स्टेक होल्डर्स से बातचीत कर के तैयार किय गया है। इसका मकसद देश भर में मासिक धर्म को लेकर जागरूकता फैलाना और हाइजीन से जुड़ी चीजों की पहुंच बढ़ाना है।

स्पेन में है पेड पीरियड लीव

पीरियड के दौरान पेड छुट्टी दी जानी चाहिए या नहीं, इसको लेकर बहुत विवाद रहा है। स्पेन ने अपने यहां ये प्रावधान किया है कि पीरियड के दौरान होने वाली दर्द के समय महिलाओं और लड़कियों को छुट्टी दी जाएगी। स्पेन यूरोप में ऐसा करने वाला पहला देश बना है। लेकिन भारत के संदर्भ में अभी सरकार की ऐसी कोई मंशा नहीं है। 8 दिसंबर को कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने जब इसको लेकर एक सवाल किया था तो भारत सरकार की ओर से यही जवाब दिया गया था।

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 15 दिसंबर - 2023

भाजपा में शिवराज सिंह चौहान और वसुंधरा राजे का सियासी भविष्य ?

अशोक भाटिया

राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ की सत्ता में वापसी के साथ ही भारतीय जनता पार्टी ने तीनों राज्यों में पुराने चेहरों की जगह नए मुख्यमंत्री का ऐलान कर दिया। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री के लिए विष्णुदेव साय, मध्यप्रदेश में मोहन यादव और राजस्थान में भजन लाल शर्मा को चुना गया है। छत्तीसगढ़ में तीन बार के मुख्यमंत्री रहे रमन सिंह को विधानसभा स्पीकर की कुर्सी सौंपकर सेट कर दिया गया है लेकिन 18 सालों तक मध्यप्रदेश की सत्ता पर काबिज रहे शिवराज सिंह चौहान और राजस्थान में दो बार की मुख्यमंत्री रहीं वसुंधरा राजे के सियासी भविष्य को लेकर बड़ा सवाल बना हुआ है। अटल-आडवाणी युग में भाजपा ने वसुंधरा राजे, शिवराज सिंह चौहान और डॉ. रमन सिंह को नेतृत्व के लिए चुना गया था। तीनों ही नेताओं ने अपने-अपने राज्य में खुद को क्षेत्रीय छत्रपों के रूप में स्थापित करने में कामयाबी भी हासिल की। लेकिन अब ऐसा वक्त बदला कि मोदी-शाह युग में इन तीनों ही नेताओं को ऐसी जगह पर लाकर खड़ा कर दिया है कि खुद मुख्यमंत्री बनने के बजाय पार्टी के दूसरे नेता के नाम का प्रस्ताव रखना पड़ा। इस तरह से अब यह सवाल भी उठाने लगा है कि क्या अटल-आडवाणी युग के नेताओं की सियासत पर अब विराम लग जाएगा? भाजपा सरकार में मुख्यमंत्री रहे तीनों नेताओं के साथ व्यवहार तो एक जैसा हुआ लगता है लेकिन सबका मामला अलग अलग रहा। 2018 तक सभी की पोजीशन बरकरार रही लेकिन विधानसभा चुनाव में एक साथ सभी के कांग्रेस से हार जाने के बाद सभी एक झटके में हाशिये पर पहुंच गये। वो तो शिवराज सिंह चौहान को ज्योतिरादित्य सिंधिया का शुक्रगुजार होना चाहिये कि सवा साल बाद ही फिर से कुर्सी मिल गयी - और 2023 की जीत के बाद शिवराज सिंह चौहान मान कर चल रहे थे कि उनको तो कोई हटाने की हिम्मत नहीं ही करेगा मगर वैसा हुआ नहीं। छत्तीसगढ़ में डॉक्टर रमन सिंह का मामला वसुंधरा राजे से काफी अलग रहा। रमन सिंह चुनावों से पहले तक जहां पूरी तरह निष्क्रिय नजर आये, वसुंधरा राजे लड़ाई वाले मूड में ही देखी गयीं। यहां तक कि चुनाव नतीजे आने के बाद भी वसुंधरा राजे ने अपने समर्थक विधायकों के साथ मीटिंग करना शुरू कर दिया था - और ऊपरवाला ये सब लगातार देख रहा था। राजस्थान में मुख्यमंत्री चुनने के लिए मोदी-शाह ने मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ से अलग ही रणनीति अपनायी। केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह को राजस्थान का पर्यवेक्षक बनाये जाने की वजह भी यूं ही नहीं लगती बल्कि वसुंधरा राजे के बहाने भाजपा के हर नेता को सबक सिखाने और संदेश देने के लिए ही विशेष रूप से राजनाथ सिंह को राजस्थान भेजा गया था। वैसे वसुंधरा राजे के तीखे तेवर और भाजपा नेतृत्व से टकराव के किस्से कोई नये नहीं हैं। 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह के भाजपा की कमान संभालने से पहले भी वसुंधरा राजे अक्सर भाजपा आलाकमान परवाह न करते देखी गयी हैं। जब राजनाथ सिंह भाजपा के अध्यक्ष हुआ करते थे, तब भी कई मौके ऐसे आये जब वसुंधरा राजे ने नेतृत्व की हिदायतें मानने से साफ इनकार कर दिया था। एक बार तो राजनाथ सिंह खुद फोन पर बात करने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन वसुंधरा राजे ने बात नहीं की लेकिन समय का चक्र तो घूमता ही है। तब भी राजनाथ सिंह बतौर भाजपा अध्यक्ष संदेश ही देना चाहते थे और अब भी वो मौजूदा नेतृत्व का संदेश लेकर पहुंचे थे। नया संदेश ऐसा था कि वसुंधरा राजे उसे नजरअंदाज करने की स्थिति में बिलकुल नहीं थीं। दिल्ली से जब राजनाथ सिंह जयपुर पहुंचे तो एयरपोर्ट पर राजस्थान भाजपा अध्यक्ष सीपी जोशी के साथ साथ पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे भी अगवानी के लिए पहुंची हुई थीं लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। एयरपोर्ट से दोनों नेता राजनाथ सिंह के साथ ही गाड़ी में बैठकर होटल पहुंचे। बताते हैं कि होटल में राजनाथ सिंह ने वसुंधरा राजे के साथ करीब घंटे भर बंद कमरे में बातचीत की और अपने तरीके से हर बात समझायी। भाजपा विधायक दल की बैठक में भी जिस तरह से राजनाथ सिंह और वसुंधरा राजे के लिए कुर्सी रखी गयी थी, उसमें भी एक संदेश था और उसके आगे भी संदेश दिया जाना था। विधायकों की बैठक में राजनाथ सिंह और वसुंधरा राजे को एक साथ विठाया गया था। हर किसी की निगाह दोनों नेताओं पर टिकी थी और तभी राजनाथ सिंह ने जेब से संदेश पत्र निकाल कर वसुंधरा राजे को थमा दिया। कहते हैं, संदेश पढ़ते वक्त वसुंधरा राजे के मन की पूरी बात चेहरे पर पढ़ी जा सकती थी। संदेश पढ़ कर उनको गहरा धक्का लगा होगा। सुनने में आया है कि विधायकों की बैठक से पहले राजनाथ सिंह ने वसुंधरा राजे को सिर्फ इतना ही बताया था कि नेतृत्व मुख्यमंत्री पद के लिए कोई नया चेहरा चाहता है लेकिन नया चेहरा कौन होगा, ये नहीं बताया था। संदेश पत्र में मुख्यमंत्री के साथ साथ दो डिप्टी मुख्यमंत्री के नाम भी लिखे हुए थे। वसुंधरा राजे को भले ही पत्र की इबारत एक पल के लिए धुंधली नजर आई हो लेकिन संदेश पूरी तरह साफ था - भजनलाल शर्मा का नाम मुख्यमंत्री पद के लिए फाइनल हो चुका था। साथ में दीया कुमारी और प्रेमचंद बैरवा के रूप में दो उप मुख्यमंत्रियों के नाम पर भी मुहर लगा दी गयी थी। भले ही छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह को विधानसभा स्पीकर की जिम्मेदारी सौंपी गई है लेकिन अभी तक वसुंधरा राजे और शिवराज सिंह चौहान के सियासी भविष्य की तस्वीर साफ नहीं है। भाजपा शीर्ष नेतृत्व ने अभी तक दोनों ही पूर्व मुख्यमंत्रियों को लेकर अपने पत्ते भी नहीं खोले हैं कि उन्हें केंद्रीय कैबिनेट में जगह मिलेगी या फिर भाजपा संगठन में एडजस्ट किया जाएगा।शिवराज सिंह चौहान अभी फिलहाल 64 साल के हैं तो वसुंधरा राजे की उम्र 70 साल है। दोनों ही नेताओं की अपनी-अपनी लोकप्रियता और सियासी समर्थन अभी भी उनके पक्ष में है। लोकसभा चुनाव में चार महीने का ही वक्त शेष है, जिसके चलते पार्टी अपने दोनों ही दिग्गज नेताओं को इग्नोर नहीं करेगी। ऐसे में माना जा रहा है कि उन्हें पार्टी संगठन या केंद्र सरकार में नई भूमिकाएं सौंपी जा सकती है।हालांकि, वसुंधरा और शिवराज दोनों ही नेताओं को पहले भी केंद्र की सियासत में आने का विकल्प दिया गया था लेकिन उन्होंने स्वीकार नहीं किया था और खुद को राज्य की सियासत में ही सीमित रखा था। 2018 के विधानसभा चुनाव में मिली हार के बाद वसुंधरा राजे और शिवराज सिंह चौहान को राष्ट्रीय टीम में जगह दी गई थी। वसुंधरा राजे मौजूदा समय में झालरापाटन से विधायक हैं और भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भी हैं। इस तरह संगठन में उनका कद पहले से मजबूत है, ऐसे में यहां उनके लिए कोई और जगह बनेगी, ये मुश्किल नजर आता है। वसुंधरा राजे के बेटे दुष्यंत सांसद हैं और पार्टी उन्हें फिर से लोकसभा चुनाव लड़ा सकती है हालांकि ये जरूर हो सकता है कि वसुंधरा राजे को 2024 में केंद्र की सत्ता में बुलाने के लिए उनके बेटे की जगह चुनाव लड़ाया जाए और दुष्यंत सिंह को उपचुनाव के जरिए विधायक बनाकर विधानसभा भेज दिया जाए। इसके अलावा राज्यपाल भी बनाए जाने का मौका दे सकती है, क्योंकि भाजपा अपने कई दिग्गज नेताओं को राजभवन भेज चुकी है। वहीं मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के सियासी भविष्य को लेकर भी तमाम तरह के कयास लगाए जा रहे हैं जिनमें केंद्रीय मंत्री से लेकर भाजपा संगठन तक में शामिल किए जाने के अनुमान लगाए जा रहे हैं। लोकसभा चुनाव लड़ने के सवाल को शिवराज सिंह चौहान ने खारिज कर दिल्ली नहीं जाने वाले बयान को दोहराया ।उन्होंने कहा था कि खुद के लिए कुछ मांगने से बेहतर मरना पसंद करूंगा। वह मेरा काम नहीं है। हालांकि बाद में उन्होंने कहा कि पार्टी का जो भी फैसला होगा, उसका वो पालन करेंगे।

संसद की सुरक्षा में भारी चूक

बुधवार को संसद में जो हुआ वह पूरे देश को शर्मसार कर गया। देश की राजधानी की सबसे सुरक्षित मानी जाने वाली संसद की इमारत की सुरक्षा को ही जब भेद दिया गया तो और जगहों के लिए क्या कहा जाए। संसद में लोकसभा के भीतर चल रही कार्रवाई के बीच दर्शक दीर्घा से दो युवक अचानक ऊपर से कूद पडे और उन्होंने 'स्मोग स्प्रे' के जरिए धुआं फैला कर पूरे देश को स्तब्ध कर दिया। सदन की टाइट व्यवस्था के बीच ऐसी चीजें संसद के भीतर ले जाना प्रतिबंधित है। इसके बाद भी यह कैसे पहुंच गया, यह गंभीर जांच का मामला है। बता दें कि संसद परिसर में किसी बाहरी व्यक्ति के दाखिल होने को लेकर बहुस्तरीय और कई परतों में सुरक्षा जांच के इंतजाम किए गए हैं, इसके बावजूद चूक कैसे हो गई। लोकसभा के भीतर पहुंचे दो लोगों ने जो किया, अब पकड़े जाने के बाद उनके खिलाफ कानूनी प्रक्रिया तो चलेगी ही। इसके साथ ही सुरक्षा में लापरवाही बरतने वाले आठ सुरक्षाकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। इससे तो यही पता चलता है कि युवकों के अपने मकसद को अंजाम देने की जिम्मेदारी उसके भीतर जाने की इजाजत मिलने की प्रक्रिया में शामिल लोगों के अलावा संसद की सुरक्षा व्यवस्था को सुनिश्चित करने वाली इकाई की भी है। मामला तो तब और बिगड गया जब संसद के बाहर भी एक महिला सहित दो लोगों को इसी तरह की हरकत करते और नारे लगाते पकड़ा गया। इस समूचे मामले में छह लोगों के शामिल होने की जानकारी मिली है। चार गिरफ्तार हो चुके हैं तो दो अभी भी फरार बताए जा रहे हैं। वे भी पकड लिए जाएंगे तो पता लगाया जा सकेगा कि आखिर उनकी मंशा क्या थी। बहरहाल, गनीमत रही कि इतनी बडी चूक के बाद भी कोई बड़ी अनहोनी नहीं हुई और चार लोगों को गिरफ्तार भी कर लिया गया। देखा जाए तो यह संसद की सुरक्षा-व्यवस्था में भारी चूक का मामला है और इस पर गंभीर चिंता होनी चाहिए। संसद में जनप्रतिनिधियों के बैठने की जगह पर पहुंचे आरोपियों ने एक तरह से हमला ही किया है। अंदाजा लगाया जा सकता है कि अगर उनके पास कोई घातक वस्तु होती तो क्या हो सकता था? सामान्य दिनों में भी संसद परिसर में प्रवेश को लेकर कई सख्त नियम तय किए गए हैं। संसद का अपना एक मजबूत सुरक्षा तंत्र है और भीतर जाने वाले हर बाहरी व्यक्ति को सांसद या अधिकृत अफसर की सिफारिश से पास बनवाना पड़ता है और उनके सभी सामान की बेहद बारीकी से जांच का भी प्रावधान है। नई संसद को पूरी तरह आधुनिक और डिजिटल तकनीकों से लैस किया गया है और आंतरिक व्यवस्था को भी बहुत मजबूत किया गया है। इतने व्यापक इंतजाम के बावजूद अगर कुछ लोग सदन में जाकर मनमर्जी करने में कामयाब हो जाते हैं तो इसकी जिम्मेदारी तय किए जाने की जरूरत है। विडंबना है कि यह घटना ठीक उसी तारीख को हुई, जिस दिन बाईस वर्ष पहले 13 दिसंबर, 2001 को कुछ आतंकवादियों ने पुराने संसद भवन पर हमला किया था, जिसमें कुल चौदह लोगों की जान गई थी। यह घटना इतिहास में दर्ज है और तब भी संसद की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता जताई गई थी। उक्त घटना का सबसे बड़ा और प्राथमिक सबक तो यही होना था कि कम से कम उसके बाद हर स्तर पर ऐसी तमाम व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, जिससे भविष्य में इस तरह की घटना की पुनरावृत्ति न हो। जब नई संसद बनी तब इसके बारे में दावा किया गया था कि यह सुरक्षा व्यवस्था की कई दीवारों से लैस है और इसमें कोई आपराधिक वारदात होने का सवाल ही नहीं उठता। लेकिन दो लोगों ने बाकायदा लोकसभा में जाकर स्मोग के जरिए दहशत फैला कर इस दावे को आईना दिखा दिया। अब तो जरूरत इस बात की है कि मौजूदा सुरक्षा तंत्र की व्यापक समीक्षा हो और उसे अभेद्य दुर्ग बना दिया जाए।

मोदी राज में अटकलों की कोई जगह नहीं

रजनीश कपूर

पाँच राज्यों के चुनाव संपन्न होते ही भाजपा द्वारा जीते गये तीन राज्यों में 'कौन बनेगा मुख्य मंत्री' को लेकर काफ़ी अटकलें लगने लगी। सभी राजनैतिक पंडित, पत्रकार और विश्लेषक अनुमान लगाने लग गये कि तीन राज्यों में किसका चेहरा सामने आएगा। परंतु इसके साथ ही सभी का यह मानना था कि मोदी राज में किसी भी तरह की अटकलों की कोई भी जगह नहीं है। यह बात भी चर्चा में आती है कि जब भी किसी महत्वपूर्ण पद पर नियुक्ति होने वाली होती है तो यदि व्यक्ति का नाम उस पद के लिए उठने लगता है तो उसे वह पद नहीं मिलता। प्रधान मंत्री मोदी एक ऐसे चेहरे को सामने लाते हैं जिसका किसी को कोई भी अंदाज़ा नहीं होता। कुछ वर्ष पहले जब 'राडिया टेप्स' का खुलासा हुआ था तो, काफ़ी हंगामा मचा था कि किस तरह महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्तियों को कुछ पत्रकार और कॉर्पोरेट जगत के लोग नियंत्रित करते हैं। इसके चलते उस समय की सरकार विपक्ष के सवालों के घेरे में थी। परंतु किसी भी दल की सरकार हो वह बिना कॉर्पोरेट के सहयोग के नहीं चलती। जो भी कॉर्पोरेट घराने जिस भी सरकार का सहयोग करते हैं स्वाभाविक है कि वो बदले में कुछ न कुछ तो लेंगे ही। इसलिए हर नियुक्ति पर उनकी सलाह को अहमियत दी जाती है। परंतु मोदी सरकार में ऐसा कोई भी प्रमाण नहीं मिला है जहां नियुक्तियों को लेकर किसी कॉर्पोरेट घराने का दख़ल दिखाई दिया हो। अलबत्ता विपक्षी दल भाजपा सरकार पर नियुक्तियों के मामले में कुछ कॉर्पोरेट घरानों के प्रति 'नज़दीकी' का आरोप लगाती आई है। जिस तरह तीन राज्यों में मोदी सरकार ने नये चेहरों को राज्य के मुखिया के रूप में पदासीन किया है उससे पूरे भाजपा काडर में दो तरह के संदेश गये हैं। पहला यह कि भले ही आप पहली बार ही चुनाव जीते हों आप राज्य के मुख्य मंत्री भी बन सकते हैं। दूसरा यह कि भले ही आपकी लोकप्रियता बहुत अधिक हो, होगा वही जो पार्टी की आला कमान तय करेगी, आप तो पार्टी के कार्यकर्ता ही रहेंगे। ऐसे में जो भी स्थानीय नेता पार्टी के बैनर तले अपनी राजनीति करते हैं उन्हें यह समझना होगा कि जब तक उनके सर पर भाजपा जैसे किसी बड़े दल का हाथ है तभी तक उनकी राजनीति बढ़ती रहेगी। जैसे ही कोई लोकप्रिय नेता पार्टी आला कमान के साथ नाफ़रमानी करेगा उसे बाहर का रास्ता दिखा दिया जाएगा। फिर वो नेता चाहे किसी भी राज्य का मुख्य मंत्री रह चुका हो और अपने समर्थकों द्वारा हंगामा खड़ा करवाए या मीडिया में अपने समर्थकों द्वारा भावुक वीडियो डलवाए। इन हथकंडों से कुछ नहीं होने वाला। किसी भी क्षेत्र में जब नये चेहरों को सामने लाया जाता है तो यही समझा जाता है कि उस क्षेत्र के वरिष्ठ लोगों ने अपना उत्तराधिकारी चुनने का फ़ैसला कर लिया है और सभी लोग उसे स्वीकार लेते हैं। ऐसा आप हर क्षेत्र में देखते हैं फिर वो चाहे खेल जगत हो, कॉर्पोरेट जगत हो या राजनीति। परिवर्तन हों तो तय ही है। परंतु जब भी किसी क्षेत्र के एक लोकप्रिय चेहरे को किसी महत्वपूर्ण पद से हटाया जाता है तो कभी-कभी वो विद्रोह का रास्ता भी अपनाने की सोचता है। इसलिए आए दिन आपको कॉर्पोरेट जगत, फ़िल्म जगत या राजनीति में ऐसे विद्रोह दिखाई देते हैं जो विभाजन करने पर मजबूर हो जाते हैं। ऐसे में एक मज़बूत घराना चाहे वो कॉर्पोरेट या राजनैतिक ही क्यों न हो बिखराव की ओर चल देता है। ऐसा होना उस परिवार के लिए बहुत घातक साबित होता है। राजनीति में जब भी किसी बड़े क़द्दावर नेता को मुख्य धारा की राजनीति से हटाना होता है तो उन्हें काफ़ी सम्मान के साथ या तो 'मार्गदर्शक मंडल' में भेज दिया जाता है या किसी राज्य का राज्यपाल बना दिया जाता है। ऐसे में उस नेता को समझ लेना चाहिए कि उनकी राजनैतिक पारी की समाप्ति हो चुकी है और उन्हें इस 'राजनैतिक वनवास' को स्वीकार लेना चाहिए। पिछले कुछ दशकों में ऐसे कुछ उदाहरण सामने आए हैं जहां विभिन्न दलों के कुछ क़द्दावर नेताओं ने बग़ावत करने की तो सोची, परंतु किन्ही कारणों से या तो उन्हें भरपूर समर्थन नहीं मिला या समर्थकों ने भी इस बात का अंदाज़ा लगा लिया कि नई पीढ़ी के साथ चलने में ही भलाई है। नतीजा यह होता है कि इन बाग़ी नेताओं को पहले जो पद सहज मिल रहा था अब उन्हें उस पद के लिए काफ़ी मशक़्क़त करनी पड़ेगी। ऐसे में जब 'चिड़िया दाना चुग लेती है' तो पछताने से कुछ भी हाथ नहीं लगता। मोदी सरकार में किसी भी पद पर नियुक्ति की भविष्यवाणी का नहीं किए जाना एक सीधा संदेश है कि प्रधान मंत्री मोदी की हर कार्यकर्ता पर नज़र है और उसे उसकी मेहनत के अनुसार ही उचित इनाम या दंड दिया जाएगा। यदि कोई भी कार्यकर्ता अपनी क्षमता से अधिक महत्वाकांक्षी होगा तो उसे उसके परिणाम के लिए तैयार रहना चाहिए। भाजपा जैसे एक मज़बूत दल को किसी कार्यकर्ता द्वारा चुनौती देना आसान नहीं होगा। वहीं किसी भी बड़े दल के राष्ट्रीय नेतृत्व को भी यह समझ लेना चाहिए कि स्थानीय क़द्दावर नेताओं को उनका उचित सम्मान भी दिया जाए और टिकट बँटवारे में उनके अनुभव को भी सही स्थान मिले। हर राजनैतिक दल एक परिवार की तरह होता है और परिवार के हर सदस्य को पूरी अहमियत दी जानी चाहिए। कोई भी सरकार या दल केवल अटकलों के आधार पर नहीं चल सकता उसके लिए सभी पहलुओं को देखना आवश्यक होता है।

नए चेहरों की राजनीति

भाजपा द्वारा मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्रियों और उप मुख्यमंत्रियों की नियुक्ति पर 1982 में द टाइम्स ऑफ इंडिया में प्रकाशित मशहूर कार्टूनिस्ट आरके लक्ष्मण का एक कार्टून मुझे याद आया। उसमें तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी हाथ में छाता लिए पारंपरिक राजनीतिक पोशाक पहने कई राजनेताओं के आगे से गुजर रही थीं। जमीन पर पड़े अखबार की हेडलाइन दृश्य को स्पष्ट करती है, जिसमें लिखा है, 'आंध्र के सीएम की तलाश जारी है।'

कार्टून में इंदिरा गांधी को उनमें से किसी एक नेता की ओर उंगली दिखाते और कहते हुए दिखाया गया है कि, 'ठीक है, आप...वहां... आप सीएम हैं। आपका नाम क्या है? यह कार्टून तब बनाया गया था, जब इंदिरा गांधी ने आंध्र प्रदेश में मुख्यमंत्री के लिए एक खोज अभियान चलाया था।

दरअसल, उस वक्त राजीव गांधी ने तत्कालीन मुख्यमंत्री टी अंजैया को सार्वजनिक तौर पर इसलिए अपमानित किया था कि उन्होंने हैदराबाद के बेगमपेट हवाई अड्डे पर कांग्रेस नेता का असाधारण ढंग से स्वागत किया था। उससे राजीव गांधी इतने नाराज हुए कि उन्होंने दिल्ली लौटकर अपनी मां से अंजैया को बर्खास्त करा दिया।

उस घटना की वजह से न केवल कांग्रेस ने कम पहचान वाले मुख्यमंत्रियों को नियुक्त करना शुरू किया, बल्कि उससे तेलुगू स्वाभिमान आंदोलन भी शुरू हुआ, जिसमें एनटी रामाराव एक नेता के तौर पर उभरे और आखिरकार 1983 में उन्होंने मुख्यमंत्री बनने के लिए तेलुगू देशम पार्टी का गठन किया।

शीघ्र फैसले लेने के लिए जानी जाने वाली भाजपा ने तीन राज्यों के मुख्यमंत्रियों के एलान करने में काफी समय लगाया। आखिरकार जब मुख्यमंत्रियों और उनके दो उप मुख्यमंत्रियों के नाम सामने आए, तो कम ही लोग थे, जिन्होंने कभी मोहन यादव, भजन लाल शर्मा या विष्णु देव साय का नाम सुना था। टेलीविजन पर यह खबर देखने के बाद गूगल पर इनके नामों की खूब खोज की गई। इनके अलावा, राजेंद्र शुक्ला, जगदीश देवडा, दीया कुमारी, प्रेम चंद बैरवा, विजय शर्मा और अरुण साव के नामों के साथ भी यही हुआ, जो सभी इन तीनों राज्यों के अनाम से नेता हैं। हैरत की बात है कि भाजपा ने भी उसी रास्ते का अनुसरण किया है, जो इंदिरा गांधी ने चार दशक पहले चुना था।

इतिहास गवाह है कि यह इंदिरा गांधी के सत्तावादी तरीकों की अभिव्यक्ति थी, लेकिन भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने यह कदम उठाकर पार्टी के भीतर कार्यकर्ताओं और आम जनता को क्या संदेश दिया है? इस सवाल का जवाब देने से पहले मुझे एक और घटना याद आती है। बात दरअसल 2014 की है, जब लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा ने प्रधानमंत्री पद के लिए नरेंद्र मोदी को अपना उम्मीदवार घोषित किया था, जिनकी मेरी लिखी जीवनी उस वक्त काफी चर्चित हुई थी। तब कई पत्रकारों ने इंटरव्यू वगैरह के लिए मुझसे संपर्क भी किया। इनमें से एक पत्रकार ने मुझसे हुई बातचीत के आधार पर अपनी पत्रिका के कवर पर नरेंद्र मोदी की तस्वीर के साथ मेरे नाम के साथ मेरी टिप्पणी प्रकाशित की, कि 'मोदी कभी भूलते या माफ नहीं करते।'

नरेंद्र मोदी के बारे में ऐसी बात कहने वाला मैं अकेला नहीं होऊंगा और दुनिया व भारत में भी ऐसे और भी नेता होंगे, जिनके बारे में यह बात कही जा सकती हो। लेकिन आज जबकि शिवराज सिंह चौहान और वसुंधरा राजे की पारी खत्म हो गई है, मुझे प्रधानमंत्री की यही खूबी याद आ रही है। एक स्तर पर देखें तो यह फैसले बिल्कुल निजी दिखते हैं। यह 2011-12 और 2013 की शुरुआत में भाजपा की तरफ से प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवारों की सूची में मोदी को चुनौती देने के चौहान और राजे के फैसले पर मोदी का प्रतिशोध भी हो सकता है।

उस वक्त आरएसएस भी असमंजस की स्थिति में था, क्योंकि मोदी के साथ कई शीर्ष नेताओं के व्यक्तिगत मुद्दे सामने आ रहे थे। आखिरकार मोदी प्रधानमंत्री बने और चौहान व राजे 2018 तक अपने राज्यों के मुख्यमंत्री रहे। मार्च, 2020 में चौहान को मुख्यमंत्री के तौर पर वापस लाया गया। वहीं, जब राजस्थान में गहलोत की सरकार गिराने की स्थितियां बन रही थीं, वसुंधरा दूर-दूर ही थीं। हालांकि, मध्य प्रदेश और राजस्थान में करीब दो दशकों तक भाजपा के शीर्ष पर रहे दो नेताओं को दरकिनार करने की वजह केवल निजी मतभेदों को नहीं माना जा सकता।

इसी तरह, रमन सिंह को एक बार फिर छत्तीसगढ़ का मुख्यमंत्री नामित न करने का फैसला इसलिए नहीं लिया गया कि वह भाजपा नेतृत्व की पिछली पीढ़ी के चुने गए व्यक्ति थे। उल्लेखनीय है कि इनमें से किसी भी राज्य में मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार का नाम न घोषित करने का फैसला तब लिया गया, जब मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भाजपा के लिए मुश्किलें और राजस्थान में बराबर की टक्कर बताई जा रही थी।

क्या मोहन यादव जनता को मोह पाएंगे

विजय सहगल

अप्रत्याशित और आश्चर्यजनक घटना क्रम मे मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री पद की दौड़ मे तमाम युद्धाभिलाषी राजनैतिक महारथियों को परास्त कर मध्य प्रदेश की राजनीति मे एक गुमनाम और अनाम चेहरे 58 बर्षीय डॉ॰ मोहन यादव ने मुख्य मंत्री पद की दौड़ मे विजयश्री हांसिल की। बेशक मोहन यादव जी का मुख्य मंत्री पद पर चुना जाना राजनैतिक पंडितों और विद्वानों के लिये चौंकाने वाला विषय हो सकता हैं पर प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी की कार्यप्रणाली से परिचित कुशल महानुभावों को इस मे कोई आश्चर्य नहीं हुआ होगा क्योंकि मोदी जी के कार्य करने का ढंग ही कुछ ऐसा हैं जो नये और अज्ञात चेहरों को मौका देकर उनकी योग्यता, क्षमता और दक्षता को परखने और निखारने का अवसर प्रदान करते हैं। डॉ॰ मोहन यादव के लिये मुख्यमंत्री पद का कार्य ग्रहण करना जहां एक ओर प्रसन्नता और हर्ष का विषय हो सकता है पर वहीं 18 वर्षों से लगातार रहें मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान जैसे परिपक्व, पारंगत और प्रवीण, मुख्यमंत्री पद के संभावित प्रत्याशी से सत्ता हांसिल करने मे अनेक चुनौतियाँ और अपरोक्ष कठिनाइयों से पार पाना उतना आसान नहीं होगा। यहाँ ये कहना असंगत न होगा कि आज उनके सिर पर फूलों का मुकुट न होकर काँटों भरा ताज हैं? वे कैसे शिवराज सिंह, नरेंद्र सिंह तोमर, कैलाश विजयवर्गीय और प्रहलाद पटेल जैसे वरिष्ठ, अनुभवी और राजनीति के धुरंधर योद्धाओं के बीच अपनी पहचान कायम रख संकेंगे और कैसे अपना रास्ता प्रशस्त करेंगे, एक विचारणीय प्रश्न होगा? वैसे अपने स्वभाव, प्रकृति और चरित्रानुसार शिवराज सिंह जी ने श्री मोहन यादव का नाम मुख्यमंत्री पद के रूप मे प्रस्तावित कर और ये कह कर अपने विशाल हृदयता का परिचय दिया कि, ज्यों की त्यों रख दीनी चुनरिया........, अन्यथा भाजपा शासित कर्नाटक की राजनीति मे येदियुरप्पा जैसे लोगो ने राज्य की राजनीति मे कभी किसी तीसरे आदमी को राजनीति मे कभी आगे नहीं बढ्ने दिया जिसके परिणामस्वरूप कर्नाटक राज्य मे भाजपा को पराजय का मुँह देखना, वर्चस्व खोना और दुष्परिणाम के रूप मे देखना पड़ा।

आज आवश्यकता इस बात की हैं कि मध्य प्रदेश के नव नियुक्त मुख्य मंत्री डॉ मोहन यादव उन कारणों और उन वजहों पर विचार मंथन करें जिनके चलते 18 साल से लगातार मुख्यमंत्री रहे शिवराज सिंह जी को सत्ता से पदच्युत होना पड़ा? बेशक शिवराज सिंह जी मध्य प्रदेश के एक लोकप्रिय मुख्यमंत्रियों मे से एक थे। उनके द्वारा अनेक लोकलुभावन योजनाएँ लागू की गयी। गरीब और वंचित वर्ग के लिये लाड़ली बेटी से लेकर लाड़ली बहिना तक अनेक योजनायें उनके द्वारा लागू की गयी। गरीबों के लिये राशन, घर, शौचालय जैसी केंद्र के योजनाओं को उनके द्वारा सफलता पूर्वक क्रियान्वयन किया गया पर राज्य के मध्यमवर्गीय, उच्च मध्यमवर्गीय और उच्च वर्ग के लिये कदाचित ही कोई काम किया हो? इस वर्ग को पानी, बिजली, सड़क साफ सफाई जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिये प्रशासनिक अफसरों, पार्षदों और विधायकों से याचना और निहोरों के बाद भी काम का न होना, निराश करता हैं।

भारतीय पर्यटकों को लुभाने की होड़

इस समय दुनिया के पर्यटन प्रधान देशों और भारत के पड़ोसी पर्यटन स्थलों में भारतीय पर्यटकों को लुभाने की होड़ लगी हुई है। जहां एक ओर विदेशी पर्यटकों के कदम भारत की ओर धीमी गति से बढ़ रहे हैं, वहीं भारतीय पर्यटक विदेश में पर्यटन के लिए छलांगे लगाकर बढ़ रहे हैं। हाल ही में बीते चार दिसंबर को सरकार ने लोकसभा में बताया कि पिछले वर्ष भारत यात्रा पर आए विदेशी पर्यटकों की संख्या 85.9 लाख थी, जबकि करीब दो करोड़ भारतीय पर्यटकों ने देश से बाहर भ्रमण किया। विदेशी पर्यटन से जुड़ी दुनिया की प्रमुख एजेंसी बर्नस्टीन की रिपोर्ट-2023 के मुताबिक, 2019 में भारतीयों ने विदेश यात्राओं में करीब 38 अरब डॉलर खर्च किए थे और दुनिया में विदेशी पर्यटन के रूप में भारत का 10वां स्थान था, जबकि इस मामले में वर्ष 2027 तक हम दुनिया में पांचवें स्थान पर होंगे। दरअसल, इस समय भारतीयों द्वारा विदेश में बढ़ते हुए पर्यटन के लिए जो प्रमुख कारण दिखाई दे रहे हैं, उनमें मध्य वर्ग की तेजी से बढ़ती क्रय शक्ति व भारतीयों में विदेश यात्रा की बढ़ती ललक शामिल है। हाल ही में श्रीलंका, थाईलैंड और मलयेशिया ने अपने पर्यटन उद्योग एवं विदेशी मुद्रा की कमाई बढ़ाने के मद्देनजर यहां के पर्यटकों को तेजी से आकर्षित करने के लिए वीजा मुक्त प्रवेश की पहल की है। वहीं ऑस्ट्रेलिया और रूस ने भी वीजा संबंधित प्रक्रियाएं सरल बना दी हैं और अधिक से अधिक पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए ई-वीजा की शुरुआत की है। गौरतलब है कि यूरोपीय संघ और अमेरिका के वीजा के लिए प्रतीक्षा अवधि लंबी होने से दक्षिण-पूर्व एशियाई देश विदेशी मुद्रा की कमाई के वास्ते भारतीय पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए नए सिरे से प्रयास कर रहे हैं। भारतीयों का विदेश यात्रा की ओर तेजी से बढ़ता रुझान घरेलू पर्यटन के लिए एक बड़ा नुकसान है और विदेशी मुद्रा कोष घटाने वाला भी है। अब भी दुनिया के कुल विदेशी पर्यटकों का दो फीसदी से भी कम हिस्सा ही भारत के खाते में आ रहा है।

दुनिया में सबसे अधिक विदेशी पर्यटक मुख्यतः फ्रांस, स्पेन, अमेरिका, चीन और इटली जाते हैं। भारत के कई ऐसे आकर्षक पर्यटन केंद्र हैं, जो इसे विदेशी पर्यटकों की संख्या के मद्देनजर प्रमुख पर्यटन प्रधान देशों में स्थान दिला सकते हैं।

देश में यूनेस्को धरोहर स्थलों की कोई कमी नहीं है। भारत की संस्कृति, संगीत, हस्तकला, खानपान से लेकर नैसर्गिक सुंदरता हमेशा से विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करती रही हैं। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि पिछले एक दशक में देश में विदेशी पर्यटकों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए पर्यटन के व्यापक बुनियादी ढांचे और अन्य पर्यटन सुविधाओं को नई वैश्विक पर्यटन सोच के साथ आकार दिया गया है। पर्यटन बजट में लगातार वृद्धि की गई है। चालू वित्त वर्ष 2023-24 के केंद्रीय बजट में पर्यटन के लिए 2,400 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। पिछले वर्ष की तुलना में यह राशि 18.24 प्रतिशत अधिक है। खास बात यह भी है कि इस वर्ष जी-20 की अध्यक्षता के दौरान जी-20 के कार्यसमूह की 80 से अधिक विभिन्न बैठकों में हिस्सा लेने भारत आए विदेशी मेहमानों को देश के पर्यटक स्थलों का भ्रमण करवाकर भारत के बेजोड़ पर्यटन केंद्रों के वैश्विक प्रचार-प्रसार के अभूतपूर्व मौके का पूरा फायदा सरकार ने उठाया है। इन सबके साथ-साथ मजबूत सरकार और दुनिया भर में बढ़ती हुई आर्थिक और राजनीतिक प्रतिष्ठा के कारण अब भारत में विदेशी पर्यटकों के कदम बढ़ने की नई संभावनाएं दिखाई दे रही हैं।

मार्गशीर्ष माह की विनायक चतुर्थी कल

प्रत्येक माह में शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को विनायक चतुर्थी का व्रत रखा जाता है। इस समय मार्गशीर्ष माह चल रहा है और इस माह की विनायक चतुर्थी 16 दिसंबर को है। यह इस वर्ष की आखिरी विनायक चतुर्थी होगी। चतुर्थी तिथि भगवान गणेश को समर्पित है। इस दिन विधि-विधान से गौरी पुत्र गणेश की पूजा-अर्चना की जाती है। गणेश जी सभी देवताओं में प्रथम पूज्य हैं और शुभता के भी प्रतीक हैं। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन गणपति बाप्पा की पूजा करने और व्रत रखने से ज्ञान और ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है। ऐसे में चलिए जानते हैं साल के आखिरी विनायक चतुर्थी की पूजा विधि और शुभ मुहूर्त के बारे में...

मार्गशीर्ष विनायक चतुर्थी 2023 तिथि

पंचांग के अनुसार मार्गशीर्ष माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि की शुरुआत 15 दिसंबर 2023 को रात 10 बजकर 30 मिनट से हो रही है। अगले दिन 16 दिसंबर 2023 को रात 08 बजे इस तिथि का समापन होगा। उदया तिथि के अनुसार 16 दिसंबर 2023 विनायक चतुर्थी का व्रत रखा जाएगा।

गणेश पूजा का समय - सुबह 11 बजकर 14 मिनट से दोपहर 13 बजकर 18 मिनट तक

विनायक चतुर्थी पूजा विधि

विनायक चतुर्थी के दिन सुबह स्नान के बाद साफ वस्त्र पहन लें और गणेश जी के सामने प्रार्थना करते हुए पूजन का संकल्प लें।

गणेश जी की मूर्ति एक चौकी पर स्थापित करें और उनका जलाभिषेक करें।

भगवान गणेश को चंदन का तिलक लगाएं, वस्त्र, कुमकुम, धूप, दीप, लाल फूल अक्षत, पान, सुपारी आदि अर्पित करें।

कहा जाता है कि गणेश जी को मोदक और दूर्वा घास बेहद पसंद है। ऐसे में उनकी कृपा पाने के लिए विनायक चतुर्थी के दिन मोदक या लड्डू का भोग जरूर लगाएं और दूर्वा जरूर चढ़ाएं।

सिंदूर का तिलक जरूर लगाएं

गणेश जी को सिंदूर बेहद प्रिय है, इसलिए विनायक चतुर्थी के दिन पूजा करते समय गणेश जी को लाल रंग के सिंदूर का तिलक लगाएं। साथ ही सिंदूर चढ़ाते समय नीचे दिए गए मंत्र का जाप करें-

सिन्दूरं शोभनं रक्तं सौभाग्यं सुखवर्धनम।
शुभदं कामदं चैव सिन्दूरं प्रतिगृह्यताम॥

समस्याएं तो आती-जाती रहेंगी लेकिन हमें रुकना नहीं चाहिए

आगे बढ़ते रहेंगे तो सफलता जरूर मिलेगी

समस्याएं सभी के जीवन में आती-जाती रहती हैं, बस फर्क सिर्फ इतना है कि कुछ लोगों के जीवन में ज्यादा समस्याएं रहती हैं और कुछ के जीवन में कम। समस्याओं का सामना करते हुए जो लोग आगे बढ़ते हैं, उन्हें सफलता जरूर मिलती है। एक लोक कथा के मुताबिक, ये बात एक संत ने एक दुखी व्यक्ति को समझाई थी, पढ़िए दुखों को दूर करने का सूत्र बताने वाली कथा...

एक व्यक्ति बहुत दुखी था। उसके पिता की मृत्यु हो चुकी थी, पूरे घर की जिम्मेदारी उस पर आ गई थी। बहुत मेहनत करने के बाद भी उसकी समस्याएं खत्म नहीं हो रही थीं। वह निराश रहने लगा था।

एक दिन उस व्यक्ति ने एक विद्वान संत मिले। व्यक्ति ने संत से कहा कि मैं बहुत परेशान हो गया हूं। मुझे अपना शिष्य बना लीजिए।

संत ने कहा कि ठीक है, तुम शिष्य बन जाना, लेकिन पहले अपनी परेशानी बताओ।

शिष्य ने कहा कि गुरु जी मेरे जीवन में एक समस्या खत्म नहीं होती है और उससे पहले ही दूसरी सामने आ जाती है। इस कारण मैं बहुत दुखी हूं। किसी भी काम में सफलता नहीं मिल पाती है, घर की भी समस्याएं बनी रहती हैं।

गुरु ने कहा कि तुम मेरे साथ चलो।

वह व्यक्ति संत के साथ चल दिया। कुछ देर में संत और शिष्य पास की नदी के किनारे पहुंच गए। किनारे पर पहुंचकर गुरु ने कहा कि हमें ये नदी पार करनी है। इतना कहकर संत किनारे पर ही खड़े हो गए। शिष्य भी गुरु के साथ खड़ा रहा।

कुछ देर बाद शिष्य ने कहा कि हमें नदी पार करनी है तो हम यहां क्यों खड़े हैं?

गुरु ने कहा कि हम इस नदी के सूखने का इंतजार कर रहे हैं, जब ये सूख जाएगी, हम इसे आसानी से पार कर लेंगे। ये बात सुनकर शिष्य बहुत हैरान हो गया। वह बोला कि गुरु जी ये कैसी बात कर रहे हैं? नदी का पानी कैसे और कब सूखेगा। हमें नदी को इसी समय पार करनी होगी।

संत की सीख

संत ने कहा कि मैं तुम्हें यही बात समझाना चाहता हूं। जीवन में भी समस्याएं आती-जाती रहेंगी। हमें सकारात्मक रहना चाहिए। निराश होकर रुकना नहीं चाहिए, लगातार आगे बढ़ते रहना चाहिए। तभी जीवन में कुछ उल्लेखनीय काम हो पाएंगे। आगे बढ़ते रहेंगे तो समस्याओं के हल भी मिलते जाएंगे। ठहर जाएंगे तो एक भी बाधा पार नहीं होगी और निराशा बढ़ने लगेगी।

ओशो : मेरे यहां हर किसी का स्वागत है

सब तमाम बातें उन पर बनी डॉक्यूमेंट्री वाइल्ड वाइल्ड कन्ट्री में हैं। शीला और ओशो की टीम अमेरिका में जाकर टूट गई, जब वहां पूरा एक शहर रजनीशपुरम बनने के बाद शीला के शब्दों में ओशो ड्रग्स में लिप्त हो गए थे और उनकी भोग-विलास की इच्छा बढ़ती जा रही थी। शीला ने कम्यून छोड़ दिया।इधर, ग़लत तरीके से अमेरिका में दाखिल होने और लोकल चुनावों को प्रभावित करने के आरोप में शीला की गिरफ़्तारी हुई। ओशो भी गिरफ्तार हुए, देश छोड़ने की शर्त के बदले उन्हें रिहा किया गया। शीला को लगभग साढ़े तान साल बाद छोड़ा और वो जर्मनी और फिर स्विट्ज़रलैंड में जाकर बस गईं।

ओशो भारत आ गए, उनके विचारों के कारण वे 21 देशों में बैन थे। उन्हें पुणे लौटना ही पड़ा। 5 साल बाद उनकी मृत्यु हुई, जिसके साथ अपने क़िस्से और रहस्य जुड़े हैं। लेकिन ओशो ने अपने विचारों को, सोच को, ज्ञान को लंबे समय के लिए जीवित कर दिया। वे हर उस रूढ़ि के विरुद्ध थे जो मानव के स्वतंत्र अस्तित्व के लिए बाधा हो। वे विवाह के विरुद्ध थे, ख़ुद भी ताउम्र शादी नहीं की। अपनी मां से कह दिया था कि साधु बनना चाहते हैं लेकिन ब्रह्मचारी नहीं, उनकी मां स्तब्ध थीं, लेकिन ओशो अपनी राह चल पड़े, जिस कॉलेज में पढ़ाते थे वहां उनके लैक्चर में सबसे ज़्यादा भीड़ रहती, वाणी में सम्मोहन था। लोग ना उनकी बातों को काट ही पाते और ही सबके सामने स्वीकार ही कर पाते। उन्हें कॉलेज छोड़ना ही पड़ा, वे अब भारत भ्रमण पर थे। वे जगह-जगह प्रवचन करते थे, लोग खिंचे चले आते।

वे कहते- मेरे यहां हर किसी का स्वागत है-

शुरुआती दिनों में सबसे मिलते भी थे, फिर धीरे-धीरे सिमटने लगे, कुछ गिने-चुने लोग ही बहुत क़रीब जा पाते थे लेकिन कई लोग कम्यून के कामों में थे जिसमें सफ़ाई का काम, व्यवस्था का काम, अनुवाद और किताब का काम भी था। ओशो ने ख़ुद कोई किताब नहीं लिखी लेकिन उनके प्रवचनों को ही किताब का रूप दिया गया।

संभोग से संमाधि सबसे प्रसिद्ध और सबसे विवादित रही, वे सेक्स गुरु के नाम से पहचाने जाने लगे। उनके कम्यून को भी उसी नज़र से देखा जाता था। भीतर रहने वाले इसे सहमति और प्रेम की नज़र से देखते हैं।

बहरहाल, आज ओशो का जन्मदिन है। विवादों के गुरु और समाज की किरकिरी लेकिन फिर भी मौन स्वीकृति पाने वाले महान दार्शनिक ओशो, जो न पैदा हुए और न मरे हैं, तब जन्मदिन का एक दिन कैसा। **(समाप्त)**

चित्रकूट में सृष्टि की उत्पत्ति के लिए भगवान ब्रह्मा ने किया था 108 यज्ञ

यहां आज भी है वह यज्ञवेदी

चित्रकूट: हिन्दू धर्म में देवी-देवताओं के बहुत से प्रसिद्ध मंदिर व बहुत से तीर्थस्थल हैं। सभी देवी-देवताओं के हर प्रमुख स्थानों पर मंदिर बने हुए हैं। धर्म नगरी चित्रकूट में भगवान श्री राम की तपोभूमि में भगवान ब्रह्मा का एक मंदिर मंदाकिनी नदी के किनारे रामघाट के तट पर स्थित है। मान्यता है कि सतयुग में स्वयं ब्रह्मा ने इसी जगह पर सृष्टि की उत्पत्ति के लिए 108 यज्ञ किया था। मान्यताओं के अनुसार ब्रह्मा जी को यह पहले से ही अनुमान था कि भगवान श्री रामचंद्र को भी यहीं पर त्रेता युग में आना है।इसलिए उन्होंने यह पवित्र स्थान चुना। भगवान श्री राम के वनवास काल के दौरान जब उनके भाई भरत उनसे मिलने अयोध्या से चित्रकूट आए तब भी यही पवित्र स्थान को चुना गया और चौपाइयों में इस बात को वर्णित भी किया गया है। रामघाट पर त्रेता युग में पांच वृक्षों की बात कही गई थी। फिलहाल वह वृक्ष अब समाप्त हो चुके हैं और मंदिर के प्रांगण में 108 यज्ञ विधि के अवशेष बाकी हैं। जिनका मुख सुरक्षा की दृष्टि से अब बंद किया जा चुका है। मुख्य यज्ञवेदी अभी चालू है, जिसमें आज धार्मिक अनुष्ठान किए जाते हैं, जो कि एक गहरे अंधेरे कुआ जैसे बना हुआ है।

भगवान राम की तपोभूमि है चित्रकूट

मंदिर के पुजारी कृष्ण दत्त द्विवेदी ने बताया कि चित्रकूट अनादि तीर्थ है। चित्रकूट का विनाश महाप्रलय में भी संभव नहीं है। यहां की रज-रज में भगवान बसते हैं।वनवास काल के दौरान भगवान श्री राम अपने नंगे पैरों से चित्रकूट में विचरण किया करते थे और त्रेता युग में इस यज्ञ वेदी मंदिर में श्री राम ने ज्ञानसभा भी लगाई थी। जिसमें उनके उनके साथ वह चारों भाई तीनों माता के साथ-साथ सभी देवी देवता भी इसी पवित्र स्थान पर उपस्थित हुए थे।

इस पवित्र स्थान पर अध्यात्म ज्ञान श्रद्धा भक्ति की खोज में साधु संतों के साथ-साथ भक्तों का भी तांता प्रतिदिन लगा रहता था। जिसको देखते हुए 16वीं शताब्दी में मध्यप्रदेश के पन्ना के राजा मान ने इस यज्ञ वेदी मंदिर का पुनर्निर्माण करवाया था, जो कि पांच बीघे में यज्ञ वेदी का प्रांगण अभी भी बना हुआ है। जिसके दर्शन के लिए श्रद्धालु इस मंदिर में पहुंचते हैं।

शनि, मंगल और राहु दोष दूर करेंगे ये पौधे नवग्रहों की शांति के लिए लगाएं ये वृक्ष

पेड़-पौधों की पूजा के माध्यम से भी ग्रहों की शांति की जा सकती है।पेड़-पौधों की पूजा के माध्यम से भी ग्रहों की शांति की जा सकती है।

किसी भी पूजा-अनुष्ठान में नवग्रह की पूजा का विशेष महत्व होता है। भारतीय ज्योतिष के अनुसार सूर्य, चंद्र, भौम, बुध, गुरु, शुक्र, शनि, राहु और केतु नवग्रह हैं।भारतीय ज्योतिष कहती है कि धरती से जुड़े सभी प्राणियों के शरीर और मस्तिष्क पर ग्रहों की दशा और चाल का सीधा असर पड़ता है। हर ग्रह में एक विशेष ऊर्जा होती है, जिसका असर प्रत्येक जीव पर पड़ता है। ज्योतिष यह भी कहता है कि ग्रहों का प्रभाव ताउम्र पड़ता रहता है। नवग्रह व्यक्ति के व्यक्तित्व, उसके कारोबार और घर-परिवार में शांति-समृद्धि के लिए अहम भूमिका निभाते हैं।

नवग्रहों की विपरीत ऊर्जा के प्रभाव से बचने के लिए भारतीय ज्योतिष में अनेक उपाय बतलाए गए हैं। हर ग्रह का स्वामी अलग होता है, उसका रंग, कपड़ा, धातु, पत्थर यहां तक कि फल-पौधा तक अलग होता है।नवग्रहों की पूजा-अनुष्ठान, उनके मंत्र और स्तोत्र अलग-अलग होते हैं।

ग्रहों के विपरीत असर से बचने के लिए

भारतीय ज्योतिष में अलग-अलग उपाय बताए गए हैं। जैसे ग्रह विशेष के लिए रंग विशेष के कपड़े पहनना, उनके अनुसार धातु और पत्थरों को धारण करना, उनकी पूजा-पाठ करना आदि उपाय किए जाते हैं। इन उपायों को करने से ग्रहों की विपरीत चाल से काफी हद तक बचा जा सकता है।

ग्रह के अनुसार पेड़-पौधे

विपरीत दशा में चल रहे ग्रहों को शांत करने या फिर उनके असर को कम करने के लिए पूजा-पाठ, अनुष्ठान आदि खर्चिले उपाय होते हैं। यहां हम कुछ ऐसे आसान उपायों के बारे में बता रहे हैं जिनको अपनाने से नवग्रहों की शांति की जा सकती है।इन उपायों में सबसे सरल है नवग्रह से संबंधित पेड़-पौधों की पूजा और फलों का सेवन करना।

सूर्य के लिए आक की पूजा

यदि किसी व्यक्ति की कुंडली में सूर्य दोष है तो उसे आक के पौधे की पूजा करनी चाहिए।सूर्य के कमजोर होने पर मान-सम्मान में कमी आना और दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।आक को अकौआ या अर्क भी कहते हैं।यह एक छोटा पौधा होता है।इसके पत्ते बरगद की तरह होते हैं।उनका रंग सफेदी लिए हरा होता है। फूल छोटा सफेद गुच्छे में होता है। इसका फल आम की तरह होता है।फल पकने पर रूई की तरह बीज निकलकर हवा में उड़ते देखे जा सकते हैं। इसकी पत्तियों और टहनियों को तोड़ने से सफेद दूध जैसा जहरीला पदार्थ निकलता है।आक का पौधा और इसका दूध कई दवाओं में इस्तेमाल होता है।इसकी जड़ों का इस्तेमाल तंत्र-मंत्र की क्रियाओं के लिए किया जाता है। आक का पौधा घर में लगाना शुभ माना जाता है। इसके फूलों को भगवान शिव पर भी अर्पित किया जाता है।

चंद्रमा के लिए पलाश का पौधा

जिस व्यक्ति की कुंडली में चंद्र दोष होता है, उसे पलाश के पौधे की पूजा करनी चाहिए। लाल रंग के पलाश के फूल बहुत ही खूबसूरत होते हैं। इन्हें टेसू के फूल भी कहते हैं। इनसे होली का रंग भी बनता है। पलाश के फूलों का जंगल की आग भी कहते हैं।

दूर से देखने पर ये फूल आग की लपटों की तरह दिखाई देते हैं। पलाश के फूलों का औषधीय उपयोगिता भी है। इसके फूलों से स्नान करने पर ताजगी बढ़ती है। शरीर में ठंडक पहुंचती है। काम शक्ति बढ़ती है।

खरमास में करें 3 उपाय, सूर्य और गुरु खोलेंगे उन्नति के द्वार

एक साल में दो बार खरमास लगता है। पहला खरमास मार्च से अप्रैल के बीच और दूसरा खरमास दिसंबर से जनवरी के बीच लगता है। सूर्य देव जब गुरु ग्रह की राशि धनु और मीन में प्रवेश करते हैं तो उस समय से खरमास लगता है। इस बार दिसंबर में खरमास का प्रारंभ सूर्य के धनु राशि में गोचर करने से होगा। सूर्य का गोचर धनु में 16 दिसंबर को होगा, उस दिन से खरमास शुरू हो जाएगा। खरमास के समय में आप दो ग्रहों सूर्य और देव गुरु बृहस्पति की पूजा करते हैं तो आ पको अनेक लाभ होंगे।

खरमास का प्रारंभ: 16 दिसंबर, शनिवार, शाम 04 बजकर 09 मिनट से

खरमास का समापन: 15 जनवरी 2024, सोमवार, मकर संक्रांति के दिन

खरमास 2023: 3 ज्योतिष उपाय चमकाएंगे भाग्य

1. सूर्य देव की आराधना, मंत्र जाप और दान

जिस दिन से खरमास का प्रारंभ हो रहा है, उस दिन से ही आप सूर्य देव की पूजा प्रारंभ कर दें।प्रतिदिन स्नान के बाद सूर्य देव को जल, लाल फूल और लाल चंदन से अर्घ्य दें। सूर्य के एकाक्षरी बीज मंत्र ॐ घृणिः सूर्याय नमः का जाप करें। सूर्य मंत्र का जाप लाल चंदन की माला से करें यह उपाय आप पूरे खरमास करें। इससे आपकी कुंडली में सूर्य की स्थिति मजबूत होगी। सूर्य के प्रबल होने से आपका भाग्य मजबूत होगा।करियर में सफलता प्राप्त होगी। राजनीति के क्षेत्र में बड़ा पद प्राप्त हो सकता है।

सूर्य को मजबूत करने के लिए आप रविवार का व्रत रखें और दान दें।यह दान आप हर दिन या फिर रविवार को कर सकते हैं। रविवार को गेंहू, गुड़, लाल या नारंगी कपड़ा, तांबा या तांबे के बर्तन आदि का दान कर सकते हैं। सूर्य चालीसा और आदित्यहृदय स्तोत्र का पाठ भी कल्याणकारी होगा।

2.देव गुरु बृहस्पति की पूजा

खरमास के समय में आपको देव गुरु बृहस्पति की पूजा करनी चाहिए। कुंडली में गुरु ग्रह के मजबूत होने से धन और विद्या दोनों ही प्राप्त होते हैं। करियर में उन्नति होगी। यदि आपकी कुंडली में गुरु कमजोर है तो शिक्षा में असफलता और धन की कमी होती है। काम से यश प्राप्त नहीं होता है।

खरमास में आप गुरुवार का व्रत रखें और प्रत्येक दिन देव की बृहस्पति की पूजा करें।बृहस्पति चालीसा का पाठ करें। आप भगवान विष्णु की भी पूजा कर सकते हैं।उनकी कृपा से गुरु ग्रह मजबूत होता है।

खरमास में आप प्रत्येक दिन या फिर हर गुरुवार को केसर, हल्दी, पीले कपड़े, केला, गुड़, चने की दाल आदि का दान करें। यह दान किसी गरीब ब्राह्मण को ही करना चाहिए क्योंकि शास्त्रों में ब्राह्मण को गुरु के समान माना गया है। खरमास में आप अपने गुरुजनों का आशीर्वाद लें। इससे भी आपका गुरु ग्रह मजबूत होगा। आप चाहें तो गुरु ग्रह के मंत्र ॐ ब्रं बृहस्पति नमः का जाप हल्दी की माला से करें।इसका चमत्कारी लाभ आपको देखने को मिलेगा।

3. हर दिन तुलसी के पास जलाएं घी का दीपक

खरमास के समय में तुलसी की पूजा करनी चाहिए क्योंकि तुलसी भगवान विष्णु को प्रिय है। तुलसी की पूजा करने से माता लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है, जिससे धन-संपत्ति में वृद्धि होती है। दरिद्रता दूर होती है।खरमास में आप प्रत्येक दिन तुलसी की पूजा करें और संध्या में तुलसी के नीचे घी का दीपक जलाएं।

विक्की कौशल की बाहों में आईं तृप्ति डिमरी, 'मेरे महबूब मेरे सनम' के सेट से रोमांटिक तस्वीरें हुईं लीक

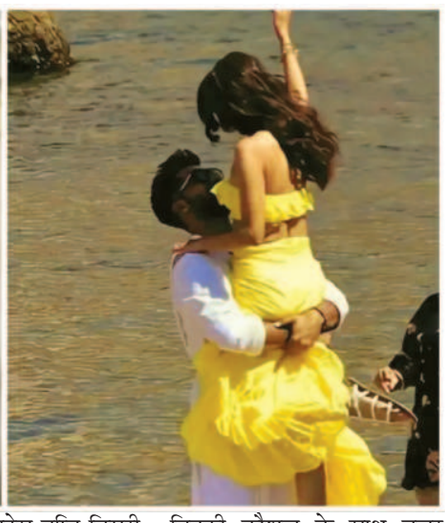

बॉलीवुड एक्ट्रेस तृप्ति डिमरी इन दिनों सुर्खियों में छाई हुई हैं। हाल ही में रणबीर कपूर की फिल्म एनिमल रिलीज हुई है। इस फिल्म में तृप्ति डिमरी भी नजर आ रही हैं। एनिमल की रिलीज के बाद तृप्ति डिमरी की किस्मत रातों-रात चमक गई है। लोगों ने उन्हें इंडिया की नई क्रश का टैग दे दिया है। एक्ट्रेस तृप्ति डिमरी की हर अदा पर लोग फिदा हो गए हैं। इस बीच एक्ट्रेस तृप्ति डिमरी को लेकर एक रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें ये बताया गया है कि वो अब बॉलीवुड स्टार विक्की कौशल के साथ रोमांस करने वाली हैं।

विक्की कौशल संग रोमांस करेंगी तृप्ति डिमरी

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो एनिमल में रणबीर कपूर संग रोमांस करने के बाद अब वो विक्की कौशल के साथ नजर आने वाली हैं। जानकारी के मुताबिक एक्ट्रेस फिल्म 'मेरे महबूब मेरे सनम' में दिखाई देंगी। इस फिल्म के लिए फैंस काफी ज्यादा एक्साइटेड हैं। इस बीच विक्की कौशल और तृप्ति डिमरी की कुछ तस्वीरें सामने आई हैं, जो कि इंटरनेट की दुनिया में आग की तरह फैल रही हैं। इन फोटोज में विक्की कौशल और तृप्ति डिमरी की केमिस्ट्री देखने लायक है। ये तस्वीरें फिल्म मेरे महबूब मेरे सनम' की शूटिंग के दौरान की है। तृप्ति डिमरी और विक्की कौशल फोटो में क्रोशिया में शूटिंग करते नजर आ रहे हैं।

चंद दिनों में इंस्टाग्राम की क्वीन बनीं तृप्ति डिमरी

बताते चलें कि फिल्म एनिमल में रणबीर कपूर संग बोल्ड सीन देने के बाद तृप्ति डिमरी की लोकप्रियता में भारी इजाफा हुआ है। इंस्टाग्राम पर उन्हें 3.7 मिलियन लोग फॉलो करने लगे हैं। ये कहना गलत नहीं होगा कि लोग अब तृप्ति डिमरी के दीवाने हो गए हैं। मालूम हो कि बॉलीवुड एक्ट्रेस तृप्ति डिमरी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अक्सर अपने फैंस के साथ तस्वीरें और वीडियोज शेयर करती रहती हैं। तृप्ति डिमरी के हर पोस्ट पर लाखों लोग प्यार बरसाते हैं। तृप्ति डिमरी अपनी एक्टिंग के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने कई बॉलीवुड फिल्मों में अपना जलवा बिखेरा हैं।

भोजपुरी एक्ट्रेस नम्रता मल्ला को बोल्ड अवतार देख फैंस बोले- 'जंगल में मंगल'

भोजपुरी इंडस्ट्री में अपनी बोल्डनेस से तहलका मचाने वाली एक्ट्रेस नम्रता मल्ला ने इन दिनों इंटरनेट का पारा हाई कर दिया है। उनकी तस्वीरें और वीडियोज सोशल मीडिया पर हर तरफ वायरल हो रही हैं। अब एक बार फिर से नम्रता मल्ला ने अपने फैंस को विजुअल ट्रीट दिया है। भोजपुरी की क्वीन नम्रता मल्ला की कुछ फोटोज सामने आई हैं, जो कि इंटरनेट पर लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गया है।

भोजपुरी एक्ट्रेस नम्रता मल्ला ने अपने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वो किसी अप्सरा से कम नहीं लग रही हैं। सामने आई तस्वीरों में नम्रता मल्ला नेचर के बीच में दिखाई दे रही हैं। भोजपुरी की सनी लियोनी का ये अंदाज फैंस को काफी पसंद आ रहा है।

सामने आई फोटोज में नम्रता मल्ला अपने परफेक्ट फिगर को फ्लॉन्ट कर रही हैं। बता दें कि एक्ट्रेस अपने फिगर को मेंटेन रखने के लिए जिम में कड़ी मेहनत करती हैं। भोजपुरी एक्ट्रेस नम्रता मल्ला की हर अदा पर लोग फिदा है। इन फोटोज में नम्रता मल्ला की अदाएं इतनी ज्यादा कातिलाना है कि हर कोई घायल हो जाता है। भोजपुरी एक्ट्रेस नम्रता मल्ला की इन फोटोज से फैंस की नजरें नहीं हट रही हैं। लोग नम्रता की फोटोज पर हजार बार देख रहे हैं।

बोल्डनेस और बेबाकी के मामले में भोजपुरी एक्ट्रेस नम्रता मल्ला, सनी लियोनी और उर्फी जावेद को भी टक्कर देती हैं। अगर इस बात पर यकीन नहीं हो रहा है तो एक दफा उनका इंस्टाग्राम अकाउंट देख लें।

भोजपुरी एक्ट्रेस नम्रता मल्ला की ये तस्वीरें इंटरनेट वर्ल्ड में तेजी से फैल रही हैं। नम्रता की इन फोटोज पर लोग जमकर रिएक्ट कर रहे हैं। भोजपुरी एक्ट्रेस नम्रता मल्ला सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। एक्ट्रेस अक्सर अपने फैंस के साथ तस्वीरें और वीडियोज शेयर करती रहती हैं।

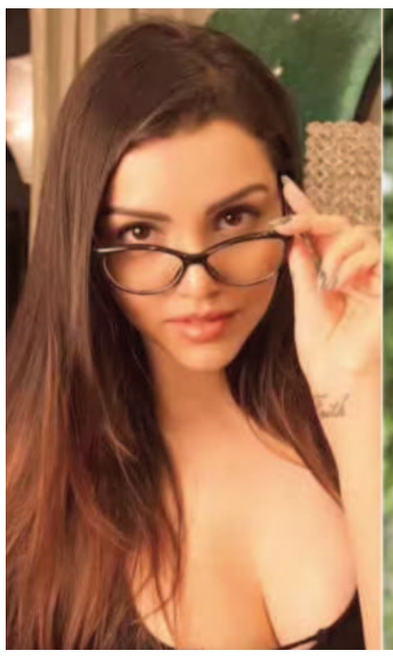

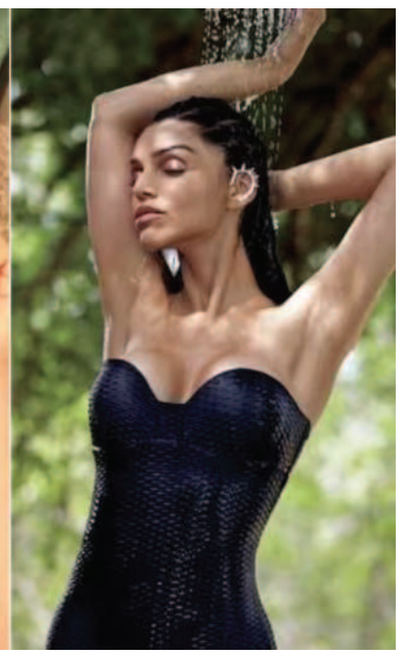

कायरा दत्त के सिजलिंग अवतार को देख थम जाएंगी निगाहें, एकता कपूर की बोल्ड सीरीज से हुई थीं पॉपुलर

अल्ट बालाजी 'एक्स एक्स एक्स' वेब सीरीज में बोल्ड सीन्स देने वाली एक्ट्रेस कायरा दत्त सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। कायरा दत्त अक्सर अपने फैंस के लिए बोल्ड और हॉट फोटोज शेयर करती रहती हैं। कायरा दत्त की आज हम आपके कुछ खास फोटोज लाए हैं, जिन्हें देखने के बाद आपके भी होश उड़ जाएंगे। तो चलिए देखते है कायरा दत्त की ये फोटोज जो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं। कायरा दत्त इस तस्वीर में बिकिनी पहन किलर पोज देती हुई नजर आ रही हैं। कायरा दत्त की अदा ने फैंस का दिल लूट लिया।कायरा दत्त इस तस्वीर में अपनी किलर अदाएं दिखाती हुई नजर आ रही हैं। कायरा दत्त की इस अदा ने फैंस का दिल लूट लिया।

जाह्नवी चाहती है ऐसा ब्वॉयफ्रेंड

अर्से में ही जाह्नवी कपूर ने खुद को बॉलीवुड की सबसे लोकप्रिय अभिनेत्रियों में शामिल कर लिया है। जहां वह अपनी कमाल की लुक्स तथा शानदार फिगर को लेकर अक्सर चर्चा में रहती है, वहीं उसकी पर्सनल लाइफ में भी उसके प्रशंसक खासी दिलचस्पी रखते हैं।

जाह्नवी का नाम अपनी पहली फिल्म 'धड़क' में उसके साथ बतौर हीरो काम करने वाले ईशान खट्टर के साथ सबसे पहले जोड़ा गया था। हालांकि, दोनों ने अपने रिलेशनशिप को कभी स्वीकार नहीं किया लेकिन दोनों के ब्रेकअप की खबरें सामने आई थीं। वहीं इन दिनों 26 वर्षीय जाह्नवी की लव लाइफ एक बार फिर से सुर्खियां बटोर रही है। दरअसल, कुछ समय से चर्चा है कि वह शिखर पहाड़िया के साथ रोमांटिक रिलेशनशिप में है। शिखर और वह स्कूल के समय से एक-दूसरे को जानते हैं लेकिन कुछ समय से दोनों को अक्सर एक साथ देखे जाने से उनके बीच रोमांस की अटकलों ने जोर पकड़ लिया।

हाल ही में वह उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर में भोले बाबा के दर्शन करने पहुंची। इस मंदिर में आमजन से लेकर सितारे तक महाकाल का आशीर्वाद लेने पहुंचते हैं। सारा अली खान के बाद अब जाह्नवी भी महाकाल के दर पर पहुंची, जहां उसे शिव भक्ति में लीन देखा गया।

हालांकि, उसकी यह यात्रा उसके साथ शिखर पहाड़िया की मौजूदगी के कारण सुर्खियों में आ गई, जो जाह्नवी के साथ ही महाकाल के दर पर माथा टेकता नजर आया। इस दौरान दोनों बाबा महाकाल के भजन में मगन दिखे। दोनों का इस तरह भोलेनाथ की भक्ति में खोना उनके फैन्स को काफी पसंद आ रहा है। दोनों ने बाबा के दर पर मत्था टेकने के बाद आशीर्वाद लिया। भगवान के प्रति उनकी श्रद्धा खूब पसंद की जा रही है। वायरल वीडियो में जाह्नवी श्रद्धालुओं के बीच बैठी नजर आ रही है, जबकि उसके नजदीक शिखर भी दिखाई दे रहा है। दोनों तालियां बजाकर भजन गा रहे हैं। दोनों भस्म आरती में भी शामिल हुए। इस मौके पर जाह्नवी जहां गुलाबी रंग की साड़ी में दिखी, वहीं शिखर ने सफेद शर्ट पहनी थी।

गौरतलब है कि गत वर्ष उसने बताया था कि वह सिंगल है और अकेलापन उसे अखर रहा है। उसने यह भी बताया कि उसे कैसा ब्वॉयफ्रेंड चाहिए और उसमें क्या खूबियां वह पसंद करेगी।

उसका कहना था, मैं सिंगल बहुत खुश हूं लेकिन कभी-कभी अकेलापन महसूस होता है। इंटिमेसी (शारीरिक नजदीकी) इतनी आसान हो गई है कि जब चाहे इससे हासिल कर सकते हैं। ऐसा करने से लोगों को डर भी नहीं लगता। इसकी वजह से कई लोगों को रिलेशनशिप में बंधने से डर लगता है।

जाह्नवी का कहना था कि वह चाहती है कि उसका होने वाला ब्वॉयफ्रेंड उसके साथ अच्छे से रहे, उसे खूब हंसाए-गुदगुदाए और वह भी उसके साथ अच्छे से रहेगी और हर मौके पर उसके लिए खड़ी रहेगी। शिखर के साथ उसकी बढ़ती नजदीकियों को देख कर तो यही लगता है कि अपने लिए एक अदद् ब्वॉयफ्रेंड की उसकी तलाश अब पूरी हो चुकी है और इसके साथ ही दूर हो गया है उसका अकेलापन ।

अगली फिल्में : पिछली बार फिल्म 'बवाल' में नजर आई जाह्नवी की अगली फिल्मों में 'मिस्टर एंड मिसेज माही', 'देवारा' और 'उलझ' शामिल हैं।

परिवार के है बहुत करीब

जाह्नवी अपने परिवार के बहुत करीब है और उसे हमेशा अपनी स्वर्गीय मां श्री देवी की याद भी सताती रहती है। वह कहती है, ₹मैं एक ऐसे घर में बड़ी हुई हूं जहां परम्पराएं हमारे परिवार और मेरे बचपन का एक बड़ा हिस्सा रही हैं। मेरी मां हमेशा त्यौहारों पर घर सजाने का आनंद लेती थीं। हम दीवाली पूजा करते और गणेश चतुर्थी पर हमेशा एक परिवार के रूप में मिलते थे, करवा चौथ भी एक बड़ा त्यौहार होता था। मुझे लगता है कि हमारी भारतीय विरासत, परम्पराएं और संस्कृति हमेशा से हमारे जीवन का एक बड़ा हिस्सा रही है।

इन अभिनेत्रियों को मिल चुका है नेशनल क्रश का टैग लिस्ट में तृप्ति डिमरी का नाम हुआ शामिल

मनोरंजन की दुनिया में बेहद प्रतिस्पर्धा देखने को मिलती है। अभिनेताओं या अभिनेत्रियों के लिए दर्शकों का ध्यान खींचना आसान नहीं होता है। कभी-कभी इसमें कई साल लग जाते हैं और कभी-कभी यह सिर्फ एक तस्वीर, एक फिल्म या फिर एक टीवी शो के साथ हो जाता है। ऐसी कई अभिनेत्रियां हैं, जो अपनी खूबसूरत अदाओं से लोगों का दिल चुराकर नेशनल क्रश बन चुकी हैं। आइए उनके बारे में जानते हैं।

तृप्ति डिमरी

तृप्ति डिमरी बॉलीवुड की उभरती हुई एक्ट्रेस हैं। हाल ही में रिलीज हुई एनिमल की वजह से वे सुर्खियों में आ गईं। फिल्म में उनके और रणबीर कपूर के बीच के अंतरंग दृश्य की चर्चा आजकल हर ओर हो रही है। इस फिल्म के बाद से उनकी लोकप्रियता में गजब का इजाफा हुआ है। अपनी दिलकश अदाओं से

लोगों का दिल चुराने वाली तृप्ति को नेशनल क्रश का टैग मिल चुका है।

रश्मिका मंदाना

इस लिस्ट में दूसरा नाम रश्मिका मंदाना का है। फिल्म एनिमल में रश्मिका ने भी अहम भूमिका निभाई है। वे साउथ की कई सुपरहिट फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। रश्मिका अपनी मासूमियत से लाखों दिलों पर राज करती हैं। उन्हें कई वर्ष पहले ही नेशनल क्रश का टैग दिया जा चुका है। दक्षिण भारत से लेकर हिंदी पट्टी तक,में बड़ी संख्या में उनके प्रशंसक मौजूद हैं।

दिशा पाटनी

दिशा पटानी ने एम.एस.धोनीः द अनटोल्ड स्टोरी से अपनी शुरुआत की और फिल्म में उनके अभिनय को सभी ने पसंद किया। देखते ही देखते वे रातों रात नेशनल क्रश बन गईं। अभिनेत्री की फैन फॉलोइंग लाखों में है। अब तक वे कई बड़े सितारों के साथ फिल्म में स्क्रीन साझा करती हुई नजर आ चुकी हैं। वे जल्द ही मल्टीस्टारर फिल्म वेलकम टू द जंगल में दिखेंगी।

प्रिया प्रकाश वारियर

प्रिया प्रकाश वारियर दक्षिण भारत की मशहूर अभिनेत्री हैं। उन्हें ब्लिंक गर्ल कहकर भी उनके प्रशंसक बुलाते हैं। जब हम उनके बारे में बात करते हैं तो सबसे पहले हमारे दिमाग में माणिक्य मलाराया पूवी गाना आता है। इस गाने में उनके ब्लिंक करने पर लाखों लोग अपना दिल हार बैठे थे।

शाहरुख खान के फैंस पर चढ़ने लगा 'डंकी' का खुमार, सोशल मीडिया पर किया एलान

शाहरुख खान की डंकी जल्द ही सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। किंग खान पहली बार राजकुमार हिरानी के निर्देशन में बनी फिल्म में काम कर रहे हैं। इस फिल्म को लेकर लोगों में जबर्दस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। इस बीच डंकी को हिट बनाने के लिए उनके प्रशंसक भी कमर कस चुके हैं।

डंकी के लिए फैंस हुए सक्रिय

हाल ही में एक्स पर एक फैन क्लब ने घोषणा की कि वह न केवल भारत में, बल्कि दुनियाभर में स्क्रीनिंग के साथ फिल्म को वैश्विक स्तर तक पहुंचाने की हर संभव कोशिश कर रहा है। ट्वीट में लिखा है, ₹टीम शाहरुख खान फैन क्लब भारत के 240 से अधिक शहरों और दुनियाभर के 50 से अधिक विदेशी स्थानों पर

डंकी के प्रशंसकों के लिए शो का आयोजन कर रहा है, जो वीकएंड में 750 से अधिक शो को कवर करेगा। टीम एसआरके के साथ डंकी की रिलीज का जश्न मनाएं और एक सुपरफैन की तरह इसकी भावना को महसूस करें।

सलार से है फिल्म का मुकाबला

शाहरुख के लिए यह साल बहुत अच्छा रहा है। उनकी पठान और जवान टिकट खिड़की पर ब्लॉकबस्टर साबित हो चुकी हैं। बता दें कि बॉक्स ऑफिस पर फिल्म का मुकाबला प्रभास की सलार से है। इस फिल्म का भी लोगों को लंबे समय से इंतजार है। हाल ही में इसका ट्रेलर जारी किया गया था, जिसे अब तक करोड़ों बार देखा जा चुका है। दोनों ही सितारे के फैंस अपने फेवरेट एक्टर की फिल्म का जमकर समर्थन कर रहे हैं। देखना दिलचस्प होगा कि बॉक्स ऑफिस पर साल की सबसे बड़ी जंग कौन बाजी मारता है।

'द आर्चीज' के रिलीज होते ही खुशी कपूर के हाथ लगी एक और फिल्म, इब्राहिम अली खान संग रोमांस करेंगी एक्ट्रेस?

प्रोड्यूसर बोनी कपूर की छोटी बेटी खुशी कपूर ने हाल ही में डायरेक्टर जोया अख्तर की फिल्म 'द आर्चीज' से अपना एक्टिंग डेब्यू किया है। खुशी कपूर की डेब्यू फिल्म 'द आर्चीज' बीते 7 दिसंबर को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई है। अब फिल्म के रिलीज होते ही खुशी कपूर के हाथ दूसरी फिल्म लग गई है। दरअसल, लेटेस्ट मीडिया रिपोर्ट में बताया जा रहा है कि खुशी कपूर को लेकर फिल्ममेकर करण जौहर फिल्म बनाने की प्लानिंग कर रहे हैं। खुशी कपूर के साथ इस फिल्म में सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान नजर आएंगे। आइए जानते हैं कि इस फिल्म को लेकर पूरी डिटेल किया है।

करण जौहर कर रहे हैं फिल्म की प्लानिंग

'पिंकविला' की रिपोर्ट के मुताबिक, करण जौहर एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म बनाने के की प्लानिंग कर रहे हैं। इस फिल्म खुशी कपूर और इब्राहिम अली खान लीड रोल में नजर आएंगे। रिपोर्ट में बताया जा रहा है कि ये फिल्म सीधे ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होगी और फिल्म स्ट्रीमिंग राइट को लेकर मेकर्स ओटीटी प्लेटफॉर्म से बात कर रहे हैं। खुशी कपूर और इब्राहिम अली खान की फिल्म के डायरेक्शन की जिम्मेदारी शौना गौतम के पास है। फिल्म की शूटिंग अगले शुरू हो सकती है। इस फिल्म के टाइटल को लेकर अभी खुलासा नहीं हुआ है।

इब्राहिम अली खान का होना है डेब्यू

बताते चलें कि शौना गौतम फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम

कहानी' में एसोसिएट डायरेक्टर और फिल्म 'संजू' में असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर नजर आ चुकी हैं। गौरलतब है कि खुशी कपूर का फिल्म 'द आर्चीज' से डेब्यू हो चुका है। वहीं, इब्राहिम अली खान फिल्ममेकर करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले बनने वाली फिल्म 'सरजमीं' से डेब्यू करने वाले हैं।

वहीं, खुशी कपूर और इब्राहिम अली खान की ये दूसरी फिल्म होगी। फिलहाल, इस खबर के आने के बाद खुशी कपूर और इब्राहिम अली खान के फैंस उनकी फिल्म को देखने के लिए आतुर हो गए हैं।

'एनिमल' समेत बॉलीवुड की इन 'एडल्ट' रेटेड फिल्मों में दिखाए गए बेहद बोल्ड सीन्स, जमकर हुआ था बवाल

बॉलीवुड की इन 10 फिल्मों में दिखाए गए थे बेहद बोल्ड सीन्स

बॉलीवुड स्टार रणबीर कपूर की हालिया रिलीज मूवी एनिमल का एक बोल्ड सीन इस वक्त इंटरनेट पर वायरल है। इस मूवी को सेंसर बोर्ड ने ए सर्टिफिकेट दिया था। बावजूद इसके मूवी बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा रही है। रणबीर कपूर की एनिमल ही नहीं, बॉलीवुड की इन ए-रेटेड फिल्मों में भी मेकर्स ने जमकर बोल्ड सीन्स दिखाए थे। जो खूब चर्चा में रहे। इन फिल्मों के बोल्ड सीन्स ने देश भर में तहलका मचा दिया था। यहां देखें बॉलीवुड की इन टॉप ए-रेटेड मूवीज के बेहद बोल्ड सीन्स।

एनिमल

बॉलीवुड स्टार रणबीर कपूर स्टारर निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा की मूवी एनिमल में अदाकारा तृप्ति डिमरी संग बेहद बोल्ड सीन फिल्माया गया है। जिसका एक क्लिप सोशल मीडिया पर आते ही छा गया।

सत्यम शिवम सुंदरम

राज कपूर की मूवी सत्यम शिवम सुंदरम में दिग्गज अभिनेत्री जीनत अमान ने कई बोल्ड सीन्स फिल्माए थे। 1978 में रिलीज हुई इस मूवी ने उस वक्त अपने बोल्ड सीन्स की वजह से काफी आलोचनाओं का सामना किया। बावजूद इसके फिल्म के गाने सुपरडुपर हिट रहे और ये मूवी हिट रही थी।

कामसूत्र

निर्देशक मीरा नायर की मूवी कामसूत्र के रिलीज पर काफी बवाल मचा था। ये मूवी अपने बोल्ड कंटेंट की वजह से सुर्खियों में रही थी। जिसे शुरुआत में भारत में बैन कर दिया गया था। बाद में कुछ सीन्स को डिलीट कर इसे रिलीज किया गया। ये मूवी बोल्डनेस की वजह से सुर्खियों में रही। बाद में इसे दुनियाभर से खूब तारीफें मिली थीं।

उत्सव

रेखा और शेखर सुमन स्टारर

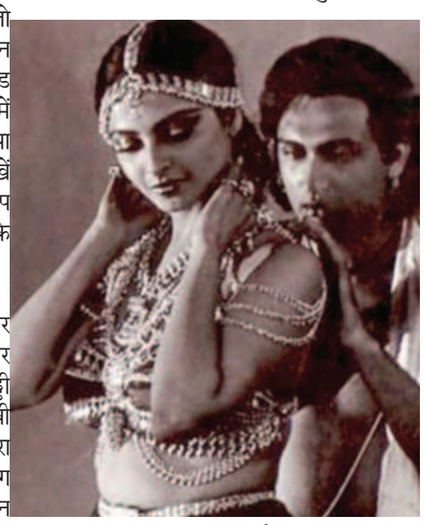

फिल्म उत्सव में एक नहीं बल्कि कई बोल्ड सीन्स फिल्माए गए थे। ये मूवी उस दौर की कहानी है जब कामसूत्र को लिखा गया था। इस मूवी के सीन्स ने उस दौर में काफी तहलका मचाया था।

हे राम

कमल हासन और रानी मुखर्जी स्टारर ए-रेटेड मूवी में भी बेहद बोल्ड सीन्स फिल्माए गए थे। जो उस वक्त काफी चर्चा में रहे। इन सीन्स ने एंटरटेनमेंट की दुनिया में काफी चर्चा बटोरी थी।

आस्था

रेखा और ओमपुरी और नवीन

निश्चल स्टारर मूवी आस्था अपने दौर की एक बेहद बोल्ड मूवी थी। इस मूवी के बोल्ड कंटेंट ने उस वक्त खूब तहलका मचाया था। फिल्म में रेखा के किरदार की भी काफी आलोचना हुई थी। जिसने देशभर में काफी सुर्खियां बटोरीं।

बीए पास

साल 2013 में रिलीज हुई मूवी 'बीए पास' में 'चक दे इंडिया' फेम अदाकारा शिल्पा शुक्ला ने जमकर बोल्ड सीन दिए थे। इस मूवी में दिखाए गए सीन्स और इसके बोल्ड कॉन्सेप्ट ने एंटरटेनमेंट वर्ल्ड में काफी बवाल काटा था।

मर्डर

बॉलीवुड फिल्म स्टार इमरान हाशमी और मल्लिका शेरावत स्टारर ये मूवी भी अपने बोल्ड कंटेंट की वजह से सुर्खियों में रही थी। इस मूवी में दिखाए गए बोल्ड सीन्स ने काफी तहलका मचाया था। फिल्म में इमरान हाशमी और अश्मित पटेल संग मल्लिका शेरावत ने जमकर बोल्ड सीन्स दिए थे।

आशिक बनाया आपने

तनुश्री दत्ता और इमरान हाशमी स्टारर इस ए-रेटेड मूवीज में भी कई बोल्ड सीन्स फिल्माए गए थे। इन सीन्स ने उस वक्त तहलका मचा दिया था। इस फिल्म के सीन्स काफी सुर्खियों में रहे थे।

बैंडिट क्वीन

निर्देशक शेखर कपूर की बायोपिक मूवी 'बैंडिट क्वीन' में

अदाकारा सीमा बिस्वास ने बोल्ड और न्यूड सीन्स फिल्माए थे। इस मूवी ने देश भर में काफी तहलका मचाया। जिसके बाद इसे बैन तक कर दिया गया था।

फायर

शबाना आजमी और नंदिता दास स्टारर निर्देशक दीपा मेहता की मूवी 'फायर' भी अपने बोल्ड कंटेंट की वजह से सुर्खियों में रही थी। इस मूवी में होमोसेक्सुअल रिलेशनशिप को दिखाया गया था। ये अपनी तरह की पहली बोल्ड मूवी थी। जिसने देश भर में तहलका मचा दिया था।

'सालार' की रिलीज को लेकर ज्योतिषी ने की थी भविष्यवाणी, 'डंकी' को धूल चटा देंगे प्रभास

साउथ सुपरस्टार प्रभास और श्रुति हासन स्टारर निर्देशक प्रशांत नील की अपकमिंग मूवी 'सालार' को लेकर इन दिनों खासा बज है। सुपरस्टार प्रभास की अपकमिंग मूवी 'सालार' इसी महीने 22 दिसंबर के दिन सिल्वर स्क्रीन पर पहुंचने वाली हैं। दिलचस्प बात ये है कि इस वक्त सुपरस्टार शाहरुख खान की फिल्म 'डंकी' भी रिलीज होगी। ऐसे में इन दोनों के बीच बॉक्स ऑफिस पर करारी भिड़ंत दिखने वाली है। इन दोनों की फिल्मों के बीच होने वाली इस जबरदस्त बॉक्स ऑफिस टक्कर पर हर किसी की नजर है। कई ट्रेड पंडितों के बीच किंग खान की मूवी 'डंकी' के साथ सुपरस्टार प्रभास की 'सालार' के बीच करारी भिड़ंत को लेकर काफी चर्चा चल रही थी।

कई ट्रेड पंडित इस टक्कर को

फिल्मों के लिए मुश्किल बता रहे हैं। ऐसे में एंटरटेनमेंट की दुनिया में सभी के मन में सवाल था कि आखिर प्रभास की अपकमिंग मूवी 'डंकी' से आखिर 'सालार' के मेकर्स बॉक्स ऑफिस क्लैश क्यों चाह रहे हैं। तो इसके पीछे की वजह का अब जाकर खुलासा हुआ है। खबर है कि 'सालार' के मेकर्स ने इस मूवी की रिलीज डेट के लिए 22 दिसंबर का वक्त ज्योतिषी की भविष्यवाणी के बाद ही चुना है। इस न्यूज को कंफर्म करते हुए फिल्म के मेकर्स ने कहा, 'हां, हमारे कुछ अपनी मान्यताएं हैं। हमने इस फिल्म की रिलीज डेट के लिए भी अपनी मान्यताओं का पालन किया। हमने पिछले 10-12 सालों से ऐसा ही कर रहे हैं और हम भविष्य में भी यही हमेशा फॉलो करेंगे। इसलिए हमने 22 दिसंबर का ऐलान किया है और इसलिए हमने एक दिन पहले प्री-पोन्ड नहीं किया जबकि, एक्वामैन और डंकी जैसी फिल्में रिलीज होने वाली है।'

उन्होंने कहा कि हम चीजें ज्यादा खराब नहीं करना चाहते। उन्होंने बताया कि टीम पहले ही एग्जीबिटर्स और डिस्ट्रीब्यूटर्स के साथ-साथ बातचीत में है कि 'डंकी' और 'सालार' 50-50 स्क्रीन्स मिले। फिल्ममेकर ने कहा, 'जब हमे सोलो रिलीज मिलती तो हमें अमूमन 60-70 फीसदी की ऑक्यूपेंसी मिलती। कुछ स्क्रीन्स एक्वामैन को जाएगी लेकिन 'सालार' और 'डंकी' के बीच हमें उम्मीद है कि मूवी को 50-50 स्क्रीन्स मिलेंगी। इस हालत में, अगर मूवी को 90-100 फीसदी की ऑक्यूपेंसी मिल जाती है तो ये दोनों ही फिल्मों के लिए अच्छा सौदा होगा।'

'द बकिंघम मर्डर्स' में मां का किरदार कर असहज महसूस कर रही थीं करीना, बोलीं- काफी कठिन था निभाना

अभिनेत्री करीना कपूर इन दिनों अपने आगामी प्रोजेक्ट्स को लेकर चर्चा में हैं। जल्द ही अभिनेत्री फिल्म 'सिंघम अगेन' और नेटफ्लिक्स फिल्म 'द बकिंघम मर्डर्स' में नजर आएंगी। हाल ही में दिए इंटरव्यू में करीना ने हंसल मेहता की फिल्म के बारे में जानकारी साझा की। इसके अलावा उन्होंने अपने किरदार को लेकर भी कई खुलासे किए हैं।

बातचीत के दौरान करीना कपूर ने कहा कि 'द बकिंघम मर्डर्स' फिल्म में उनका किरदार एक दुःखी मां का है। करीना ने अपनी फिल्म की कहानी के बारे में बताते हुए कहा, 'फिल्म की शुरुआत में एक दुखद घटना दिखाई जाती है, जिसमें उनके किरदार के बच्चे को गोली मार दी जाती है। जिसके बाद कहानी में एक नया मोड़ आता है। इस घटना के बाद मैं अपने गृहनगर से भागकर, दूसरे शहर में पहुंच जाती हूं।'

करीना ने कहा, 'मुझे यह

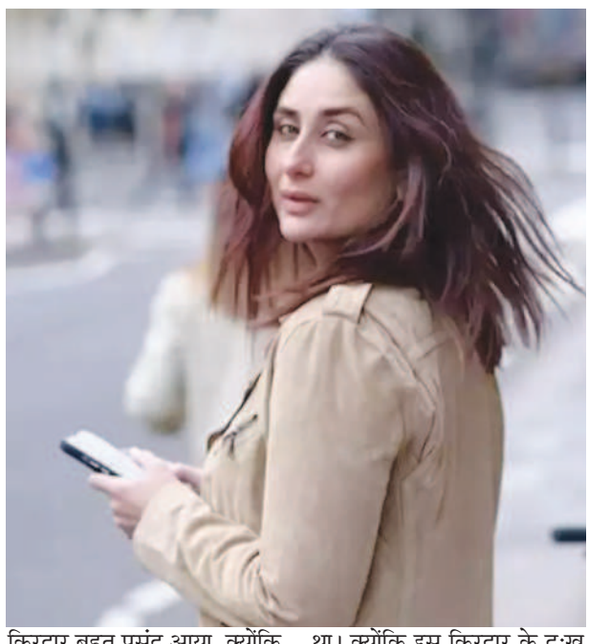

किरदार बहुत पसंद आया, क्योंकि यह पहली बार है जब मैं एक जासूस का किरदार निभा रही हूं। मैं क्राइम ड्रामा की बहुत बड़ी फैन हूं। हालांकि, इस किरदार को निभाना मेरे लिए काफी कठिन था। क्योंकि इस किरदार के दुःख ने मुझे असहज कर दिया था।' अभिनेत्री ने आगे बताया कि उन्होंने निर्देशक से 'द बकिंघम मर्डर्स' के चार भागों की सीरीज बनाने के लिए कहा है, क्योंकि वे इस किरदार को छोड़ना नहीं चाहती हैं।

ओटीटी डेब्यू को लेकर करीना कपूर ने कहा, 'जब मैं ओटीटी डेब्यू करने के लिए तैयार थी। उस समय मैं बहुत परेशान थी, मुझे ऐसा लग रहा था कि मैं पहली बार स्क्रीन पर आ रही हूं। यह वैसा ही था जैसा मैंने 24 साल पहले महसूस किया था।' उन्होंने आगे बताया कि ओटीटी प्लेटफॉर्म और फीचर फिल्मों के लिए काम करने के बीच का अंतर ही उन्हें परेशान करता है। वे ओटीटी प्रोजेक्ट्स पर काम करने के बाद भी काफी नर्वस हैं।

फिल्म के बारे में बात करें तो 'द बकिंघम मर्डर्स' का निर्देशन हंसल मेहता ने किया है। इसकी कहानी असीम अरोड़ा, कश्यप कपूर और राघव राज कक्कड़ ने लिखी है। करीना कपूर ने बालाजी टेलीफिल्म्स और टीबीएम फिल्म्स ने इस फिल्म का निर्माण किया है। इस फिल्म में करीना कपूर पुलिस की भूमिका में दिखेंगी।

केएल राहुल की ट्रोलिंग पर कैसा होता है ससुर सुनील शेट्टी का रिएक्शन?

बॉलीवुड के दमदार अभिनेता सुनील शेट्टी अपनी जानदार एक्टिंग के साथ-साथ अपनी बेहतरीन फिटनेस के लिए भी सुर्खियों में बने रहते हैं। वह इन दिनों अपनी आगामी कॉमेडी फ्रेंचाइजी फिल्म 'हेरा फेरी 3' को लेकर सुर्खियों में हैं। अन्ना के फैंस उन्हें जल्द से जल्द इस कॉमेडी से भरपूर फिल्म की शूटिंग शुरू करते देखना चाहते हैं। फिल्मों के साथ-साथ सुनील शेट्टी अक्सर अपने पारिवारिक मुद्दों पर भी खुलकर बातचीत करने के लिए चर्चा में रहते हैं। अपने बेटे से लेकर बेटी अथिया तक के बारे में बात करने वाले सुनील शेट्टी ने हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में अपने दामाद यानी भारतीय क्रिकेटर केएल राहुल के क्रिकेट करियर के खराब दौर और उस दौरान हुई सोशल मीडिया ट्रोलिंग पर खुलकर बात की

लगभग चार साल तक डेटिंग करने के बाद, सुनील शेट्टी की बेटी अथिया शेट्टी और क्रिकेटर केएल राहुल ने इस साल की शुरुआत में शादी की। सुनील शेट्टी को अक्सर यह कहते हुए सुना जाता है कि उनके लिए बेटे अहान और केएल राहुल में कोई अंतर नहीं है। जब से अथिया और

राहुल ने अपने रिश्ते को आधिकारिक बनाया है, यहां तक कि शादी के बंधन में बंधने से पहले भी, सुनील को हमेशा अपने दामाद पर बेहद गर्व रहा है। वह उनके सबसे बड़े चीयरलीडर भी हैं। ऐसे में हाल ही में अभिनेता ने खुलासा किया है कि जब लोग केएल राहुल को ट्रोल करते हैं तो उन्हें कैसा लगता है। अन्ना के मुताबिक जब केएल राहुल को ट्रोल किया जाता है तो उन्हें बहुत बुरा लगता है।

न्यूज एजेंसी एएनआई को दिए एक इंटरव्यू में सुनील शेट्टी से पूछा गया कि जब केएल राहुल को ट्रोल किया जाता है तो क्या उन्हें दुख होता है? अभिनेता ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इससे शायद राहुल को जितना दुख हुआ है, उससे कहीं ज्यादा दुख उन्हें हुआ है। सुनील शेट्टी ने खुलासा किया कि राहुल उन्हें प्रतिक्रिया न देने के लिए कहते थे और कहते थे, 'डैड मेरा बल्ला बोलेगा।' सुनील ने आगे कहा, कि उनका बल्ला बोलता था। सुनील ने कहा,'उनमें लोगों का विश्वास, चयनकर्ताओं का विश्वास, कप्तान का विश्वास, यह सब कुछ कहता है। यह राहुल या अथिया की तुलना में मुझे 100 गुना ज्यादा आहत करता है।'

इस इंटरव्यू में सुनील शेट्टी ने भारतीय टीम के किसी भी मैच के दौरान उनकी हालत कैसी होती है इस बात का भी खुलासा किया। अभिनेता ने वर्ल्ड कप के दौरान हुए मैच को याद किया और बताया कि जब भारत खेलता है तो वह बहुत अंधविश्वासी हो जाते हैं। अभिनेता के मुताबिक उन्होंने पूरा वर्ल्ड कप अपनी पत्नी माना शेट्टी के साथ एक कमरे में देखा और उन्होंने फर्श पर बैठकर सभी मैच देखे। सुनील शेट्टी के वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेता को आखिरी बार वेब सीरीज 'हंटर' में देखा गया था। अन्ना की यह सीरीज एक्शन से भरपूर थी, जिसे दर्शकों की मिलीजुली प्रतिक्रिया मिली थी। फैंस अब अक्षय कुमार और परेश रावल के साथ उनकी 'हेरा फेरी 3' शुरू होने का इंतजार कर रहे हैं। यह फिल्म इस सफल फ्रेंचाइजी की तीसरी किस्त है।

बड़े मियां छोटे मियां से जुड़ा पृथ्वीराज सुकुमारन का नाम, अक्षय-टाइगर की मूवी में निभाएंगे अहम किरदार

अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ अभिनीत आगामी एक्शन-कॉमेडी 'बड़े मियां छोटे मियां' की योजना लंबे समय से चल रही है। अली अब्बास जफर द्वारा निर्देशित फिल्म की घोषणा 2022 में की गई थी, जहां निर्माताओं ने एक संक्षिप्त टीजर जारी किया था। टीजर से दर्शकों को फिल्म की दृश्य शैली और एक्शन के पैमाने की झलक देखने को मिली थी। कथित तौर पर, मलयालम स्टार पृथ्वीराज सुकुमारन को फिल्म में विलेन की भूमिका निभाने के लिए चुना गया है। अब, फिल्म के मुख्य कलाकारों के बारे में नए विकास की रिपोर्टें ऑनलाइन सामने आ रही हैं। इससे पहले, यह अफवाह थी कि फिल्म अंततः अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ के

बीच क्लाइमेक्टिक अदायगी का कारण बनेगी। हालांकि, अब ऐसी खबरें सामने आ रही हैं कि अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ मिलकर एक बुरी ताकत के खिलाफ काम करेंगे, जिसका किरदार कथित तौर पर पृथ्वीराज निभाएंगे। क्रू के एक करीबी सूत्र ने खुलासा किया कि फिल्म को समकालीन समय में बुराई की पृष्ठभूमि पर थोड़े आधुनिकतावादी स्पर्श के साथ एक एक्शन थ्रिलर के रूप में प्रस्तुत किया गया है। अली अब्बास जफर ने फिल्म के लिए अपना उत्साह व्यक्त किया, जो अब प्री-प्रोडक्शन में है और जनवरी में यूरोप में फिल्मांकन शुरू होगा और मई तक जारी रहेगा। वह कहते हैं कि यह बहुत बड़ी ड्यूटी है ।

ईएफटीए के अधिकारी बोले- 15 वर्षों में पहली बार किसी समझौते पर भारत के साथ बनी एक राय, जाहिर की खुशी

नई दिल्ली, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। नॉर्वे के व्यापार मंत्री और स्विस आर्थिक मामलों के राज्य सचिव ने भारत और यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) के सदस्य देशों के बीच बढ़ते संबंधों की सराहना की। ईएफटीए के सदस्य देश और भारत मुक्त व्यापार को लेकर एक समझौते पर प्रगति कर रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि इससे पहले दोनों पक्ष कभी भी एक समझौते को लेकर साथ नहीं आए। बता दें, यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ एक व्यापार संगठन और मुक्त व्यापार क्षेत्र है। इसमें चार यूरोपीय देश- आइसलैंड, लिकटेंस्टीन, नॉर्वे और स्विट्जरलैंड शामिल हैं।

विदेशी अधिकरियों ने जताई खुशी

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, नॉर्वे के व्यापार मंत्री जान क्रिश्चियन वेस्ट्रे और स्विस आर्थिक मामलों की राज्य सचिव हेलेन बुडलिगर आर्टिंडा फिलहाल भारत के दौरे पर हैं। दोनों अधिकारी व्यापार समझौते पर भारत सरकार के साथ चर्चा करने आए हैं। यात्रा के दौरान, दोनों अधिकारियों ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के साथ बैठकें कीं। नई दिल्ली में एक साक्षात्कार के दौरान वेस्ट्रे ने कहा कि वे भारत और सदस्य देशों के बीच मुक्त व्यापार समझौते पर हो रही प्रगति देख खुश हैं। पहली बार दोनों पक्ष एक समझौते पर राजी हैं। दोनों पक्ष समझौते के पक्ष में हैं। उन्होंने उम्मीद जताई है कि जलद ही समझौते को अंतिम रूप दे दिया जाएगा। हालांकि, वे समय सीमा के सवाल पर टिपण्णी करने से बचते रहे। सदस्य देशों के लिए समझौता कितना अहम होगा, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसी साल वेस्ट्रे तीसरी बार को वहीं अर्टिंडा सातवीं बार भारत भारत आए हैं।

15 साल बाद प्रगति

वेस्ट्रे ने बताया कि पिछले 15 वर्षों से हम मुक्त व्यापार समझौते पर बात कर रहे हैं। हमने इस साल भी काफी प्रयास किए हैं। यह मेरी इस साल में भारत की तीसरी यात्रा है। मुझे खुशी है 15 साल बाद हम प्रगति कर रहे हैं। हम समझौते पर आगे बढ़ रहे हैं। हमने कई मुद्दों को सुलझा लिया है। अब कुछ ही मुद्दे बाकी हैं, जिन्हें जल्द ही सुलझा लिया जाएगा। मुझे उम्मीद है कि हम जल्द ही समझौता पूर्ण कर लेंगे।

जब भारत आगे बढ़ता है, तो दुनिया चलना शुरू करती है

वहीं, अर्टिंडा ने कहा कि दोनों पक्ष मुक्त व्यापार समझौते को लेकर 15 वर्षों में इतने करीब कभी नहीं आए थे। भू-राजनीति दुनिया को तेजी से अधिक बदल रही है।

हम दुनिया को बहु-संकट में देख रहे हैं। भारत लोकतंत्र के लिए एक मील का पत्थर बन सकता है। भारत ने जी20 शिखर सम्मेलन आयोजित किया, जो सफल रहा। भारत ने वैश्विक स्तर पर साबित कर दिया कि वह समान विचारधारा वाले भागीदारों, मित्रों और सहयोगियों के साथ जुड़ना चाहता है। भारत वैश्विक स्तर पर एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाना चाहता है। भारत 1.4 मिलियन लोगों का प्रतिनिधित्व करता है। भारत दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। जब भारत आगे बढ़ता है, तो दुनिया चलना शुरू कर देती है।

सैट ने फिर बदला सेबी का फैसला, जियो फाइनेंशियल सर्विसेज पर लगा जुर्माना रद्द कर दी मुकेश अंबानी को राहत

नई दिल्ली, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। सिक्योरिटीज अपैलेट ट्रिब्यूनल (सैट) ने हालिया दिनों में सेबी के कई फैसलों को पलटा है। इसी तरह का एक और मामला सामने आया है। सैट ने जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड पर 7 लाख रुपये का जुर्माना लगाने के सेबी के आदेश को रद्द कर दिया है। जियो फाइनेंस पर ये जुर्माना निफ्टी ऑप्शन में कुछ लॉन्ग डेटेड ट्रेड में कथित हेरफेर के मामले में लगाया गया था और ये 2017 का केस है।

क्या है पूरा मामला

यह मामला साल 2017 में रिलायंस स्ट्रैटेजिक इन्वेस्टमेंट्स और मॉर्गन स्टेनली फ्रांस एसए के बीच लॉन्ग टर्म के निफ्टी ऑप्शन में कुछ ट्रेड से जुड़ा हुआ है। शेयर मार्केट रेगुलेटर सेबी ने इस ऑर्डर में जियो फाइनेंशियल सर्विसेज पर 7 लाख रुपये का जुर्माना लगाया था। सेबी ने जून 2017 में जारी अपने ऑर्डर में कंपनी पर कुछ पीएफयूटीपी नियमों के उल्लंघन का आरोप लगाया था।

सिक्योरिटीज अपैलेट ट्रिब्यूनल ने पलटा सेबी का फैसला

रिलायंस ग्रुप की जियो फाइनेंशियल सर्विसेज ने जून 2017 में सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) के एक आदेश के खिलाफ सिक्योरिटीज अपैलेट ट्रिब्यूनल का दरवाजा खटखटाया। इसके बाद जस्टिस तरुण अग्रवाल और बेंच ऑफिसर मीरा स्वरूप की बेंच ने सेबी के आदेश को कैंसिल कर दिया। ट्रिब्यूनल ने बुधवार को अपने 33 पेज के ऑर्डर में कहा कि सेबी ने मार्केट रेगुलेटर होते हुए भी सबूतों पर ठीक से विचार नहीं किया, लिहाजा हम सेबी का आदेश खारिज कर रहे हैं।इस साल की शुरुआत में, रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) ने अपने फाइनेंशियल सर्विसेज सब्सिडियरी को रिलायंस स्ट्रैटेजिक इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड (आरएसआईएल) में बांट दिया और इसका नाम बदलकर जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड (जेएसएफएल) कर दिया।

आरबीआई के बाद अब एडीबी ने भी बढ़ाया भारत की ग्रोथ का अनुमान, इतनी रह सकती है वृद्धि दर

नई दिल्ली, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत की आर्थिक वृद्धि दर को लेकर लगातार विभिन्न अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के अनुमान बेहतर हो रहे हैं। अब इस कड़ी में एशियाई विकास बैंक यानी एडीबी ने भारत की आर्थिक वृद्धि के अनुमान को बढ़ा दिया है। अब एडीबी को लगता है कि चालू वित्त वर्ष में भारत की अर्थव्यवस्था 6.7 फीसदी की दर से वृद्धि कर सकती है।

सितंबर में बेहतर रही वृद्धि

एशियाई विकास बैंक ने भारत की आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान में बुधवार को ताजा बदलाव किया। करीब 3 महीने पहले एडीबी ने अनुमान व्यक्त किया था कि चालू वित्त वर्ष में भारत की आर्थिक वृद्धि दर 6.3 फीसदी रह सकती है। एडीबी ने सितंबर तिमाही में आर्थिक वृद्धि दर पहले के अनुमानों से बेहतर रहने के बाद यह बदलाव किया है।आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, सितंबर तिमाही में भारत की आर्थिक वृद्धि दर 7.6 फीसदी रही, जो लगभग सभी अनुमानों से बेहतर थी। चालू वित्त वर्ष के पहले छह महीने में भारत की आर्थिक वृद्धि दर 7.7 फीसदी रही है।

रिजर्व बैंक का नया अनुमान

इससे पहले कई और एजेंसियां भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर अपने अनुमान को बदल चुकी हैं। रिजर्व बैंक ने इसी महीने हुई मौद्रिक नीति समिति की बैठक के बाद चालू वित्त वर्ष में वृद्धि दर के अनुमान को 6.5 फीसदी से बढ़ाकर 7 फीसदी कर दिया। इसी तरह नोमुरा ने अनुमान को 5.9 फीसदी से बढ़ाकर 6.7 फीसदी कर दिया। सिटी ग्रुप ने पहले 6.2 फीसदी का अनुमान दिया था, जिसे उसने बाद में बढ़ाकर 6.7 फीसदी कर दिया। वहीं डीबीएस ने अनुमान को 6.4 फीसदी से बढ़ाकर 6.8 फीसदी कर दिया।

चीन के लिए भी बढ़ाया अनुमान

एडीबी ने बुधवार को डेवलपिंग एशिया के आउटलुक को लेकर अपनी नई रिपोर्ट जारी की। एजेंसी ने इसी रिपोर्ट में अर्थव्यवस्थाओं को लेकर अपने ताजे अनुमान की जानकारी दी है। चालू वित्त वर्ष के लिए एडीबी ने भले ही भारत की आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को बढ़ाया है, लेकिन अगले वित्त वर्ष यानी 2024-25 के लिए उसने अनुमान को 6.7 फीसदी पर स्थिर रखा है।

बैंकिंग स्टॉक्स में तेजी से रिकॉर्ड हाई पर बंद हुआ शेयर बाजार

नई दिल्ली, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। गुरुवार 14 दिसंबर 2023 को भारतीय शेयर बाजार में तूफानी तेजी देखने को मिली है। अमेरिकी फेड रिजर्व सेंट्रल ने ब्याज दरें नहीं बढ़ाई साथ ये कह दिया कि 2023 में ब्याज दरों में तीन बार कटौती हो सकती है। इस खबर के चलते अमेरिकी शेयर बाजार रिकॉर्ड तेजी के साथ बंद हुए। तो इसका असर भारतीय शेयर बाजार पर भी नजर आया। सेंसेक्स में एक समय 1000 तो निफ्टी में करीब 300 अंकों की तेजी देखने को मिली। आज का कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 944 अंकों के उछाल के साथ 70,529 और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 265 अंकों के उछाल के साथ 21,190 अंकों पर बंद हुआ है। आज के ट्रेड में निफ्टी आईटी इंडेक्स में 1177 अंकों की तेजी देखने को मिली है। इसके अलावा निफ्टी बैंकिंग में 640 अंकों की तेजी रही। फार्मा, मेटल्स, रियल एस्टेट, एफएमसीजी, एनर्जी, कमेडिटी और ऑयल एंड गैस सेक्टर के शेयर तेजी के साथ बंद हुए। जबकि हेल्थकेयर, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और मीडिया सेक्टर के शेयरों में गिरावट रही। मिड कैप और स्मॉल कैप शेयरों में फिर से जोरदार तेजी देखने को मिली है। सेंसेक्स के 30 शेयरों में 23 तेजी के साथ और 7 गिरकर बंद हुए। निफ्टी के 50 शेयरों में 36 तेजी के साथ और 14 गिरकर बंद हुए। बीएसई का मार्केट कैप 355.12 लाख करोड़ रुपये पर जा पहुंचा है जो कि ऐतिहासिक हाई है। आज के ट्रेड में निवेशकों की संपत्ति में 4 लाख करोड़ रुपये का उछाल देखने को मिला है। आज के कारोबार में सेल के शेयर में 7.46 फीसदी, एमफैसिस में 7.23 फीसदी, इंफोएज 7.04 फीसदी, इंडस टावर 7 फीसदी, गोदरेज प्रॉपर्टीज 6.58 फीसदी के उछाल के साथ बंद हुआ है। जबकि मैक्स फाइनेंशियल 3.65 फीसदी, जी एंटरटेनमेंट 2.34 फीसदी, चंबल फर्टिलाइजर 2.13 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है।

खुदरा महंगाई के बाद थोक महंगाई में भी वृद्धि

नवंबर में रही आठ महीने में सबसे ज्यादा तेज

नई दिल्ली, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। खुदरा महंगाई के बाद अब थोक महंगाई में भी वृद्धि देखने को मिली है। गुरुवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, नवंबर महीने में थोक महंगाई की दर 0.26 फीसदी रही, जो पिछले 8 महीने में सबसे ज्यादा है। इससे पहले थोक महंगाई की दर लगातार 7 महीने से शून्य से नीचे बनी हुई थी।

सात महीने बाद शून्य से ऊपर

गुरुवार को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार, नवंबर महीने के दौरान थोक महंगाई की दर 8 महीने में पहली बार शून्य से ऊपर निकली है। इससे एक महीने पहले यानी अक्टूबर 2023 में थोक महंगाई की दर शून्य से 0.52 फीसदी नीचे रही थी। देश में थोक महंगाई की दर अप्रैल 2023 से लगातार शून्य से नीचे जा रही थी। लगातार सात महीने डिफ्लेशन की स्थिति अब जाकर दूर हुई है।

5 फीसदी से ज्यादा हुई खुदरा महंगाई

इससे एक दिन पहले खुदरा महंगाई यानी सीपीआई आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़े जारी हुए थे। नवंबर महीने में खुदरा महंगाई की दर में भी वृद्धि दर्ज की गई है। खुदरा महंगाई अक्टूबर में 4.87 फीसदी तक गिर गई थी, जो नवंबर में बढ़कर 5.5 फीसदी पर पहुंच गई। नवंबर में खुदरा महंगाई पिछले 3 महीने में सबसे ज्यादा रही है।

इस कारण तेज हुई महंगाई

वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, नवंबर महीने के दौरान महंगाई बढ़ने का सबसे प्रमुख कारण खाने-पीने की चीजों के बढ़े दाम हैं। आंकड़ों के अनुसार, पिछले महीने खाने-पीने के सामानों, खनिजों, मशीन एवं उपकरण, कम्प्यूटर, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड ऑप्टिकल प्रोडक्ट्स, मोटर व्हीकल्स, ट्रांसपोर्ट के अन्य इक्विपमेंट और अन्य विनिर्माण आदि के चलते थोक महंगाई में तेजी दर्ज की गई है।

इतनी हो गई फूड आर्टिकल्स की महंगाई

नवंबर में फूड इंफ्लेशन बढ़कर 8.18 फीसदी पर पहुंच गई, जो एक महीने पहले यानी अक्टूबर 2023 में महज 2.53 फीसदी पर थी। इससे पहले खुदरा महंगाई में भी आई तेजी का मुख्य कारण खाने-पीने की चीजों की तेजी रही। पिछले सप्ताह मौद्रिक नीति समिति की हुई बैठक में रिजर्व बैंक ने भी महंगाई को लेकर आशंकाएं जाहिर की थी। इस कारण रिजर्व बैंक ने दिसंबर की एमपीसी बैठक में भी रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं किया था। रिजर्व बैंक रेपो रेट पर निर्णय लेते समय खुदरा महंगाई के आंकड़ों पर गौर करता है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	तुला में	वृश्चिक.	04-33 बजे
चंद्र-	धनु में	धनु.....	06-46 बजे
मंगल	तुला में	मकर..	08-52 बजे
बुध-	धनु में	कुंभ...	10-44 बजे
गुरु-	मेष में	मीन ..	12-20 बजे
शुक्र-	तुला में	मेष--	13-57 बजे
शनि-	कुंभ में	वृष--	15-42 बजे
राहु-	मीन में	मिथुन..	17-42 बजे
केतु-	कन्या में	कर्क...	19-54 बजे
		सिंह...	22-07 बजे
		कन्या..	00-13 बजे
		तुला.....	02-22 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य - दक्षिणायने ,ऋतु- हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत् -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 06-41 सूर्यास्त - 17-39
भोग्य कलि वर्ष-426876
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल -- पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
तिथि- तृतीया - 22 -30 - तक उपरान्त चतुर्थी
मास - मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष , शुक्रवार 15 December
नक्षत्र - पूर्वाषाढा - 08- 10 - तक उपरान्त उत्तराषाढा
योग - वृद्धि - 10 - 16- तक उपरान्त ध्रुव
करण- तैतिल - 11 -44 - तक उप- गर
विशेष:-
व्रत -त्योहार - सरदार वल्लभ भाई पटेल पुण्य

विशेष:- राशिफल "हों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 10:48 से 12:11 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
चंचल	06:41 - 08:02 शुभ	रोग	17:39 - 19:20 अशुभ
लाभ	08:02 - 09:25 शुभ	काल	19:20 - 20:57 अशुभ
अमृत	09:25 - 10:48 शुभ	लाभ	20:57 - 22:34 शुभ
काल.	10:48 - 12:11 अशुभ	उत्पात	22:34 - 24:11 अशुभ
शुभ.	12:11 - 13:34 शुभ	शुभ	24:11 - 01:48 शुभ
रोग	13:34 - 14:57 अशुभ	अमृत	01:48 - 03:26 शुभ
उत्पात	14:57 - 16:20 अशुभ	चंचल	03:26 - 05:03 शुभ
चंचल	16:20 - 17:39 शुभ	रोग	05:03 - 06:41 अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)

आज दुविधा और उलझन की स्थिति बनी रहेगी । लेकिन यह बस उपरी आवरण है ,जैसे ही स्थिति साफ़ होगी ,आप वास्तविकता को देख पाएंगे । शुरुआत में सब कुछ उलझा हुआ सा लगेगा ,लेकिन समय के साथ साथ सब ठीक होगा,अपना समय लें और चलते रहें । आपको सफलता मिलेगी । परिवर्तन तो जरुर होंगे लेकिन आपके भविष्य के लिए शुभ साबित होंगें ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

आपकी निजी और कामकाजी जिन्दगी में कुछ बदलाव आने वाले हैं जिनसे आप असुरक्षित और चिंतित महसूस करेंगे । लेकिन इसे अपने ऊपर हावी ना होने दें और संतुलन बनाये रखें । कोई आपसे बदला लेने की कोशिश में है,इससे स्थिति और भी खराब हो सकती है । और चीजों के साथ साथ संतुलित जीवन शैली भी अच्छे स्वास्थ्य से ही संभव हो पाएगी ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)

आज का दिन नई शुरुआत के लिए बिलकुल सही है । आप अपने आपको पीछे धकेलने वाली चीजों से आज मुक्त महसूस करेंगे । किसी नए अवसर में जिंदगी बदलने की क्षमता है लेकिन आपको उसे समय रहते पकड़ना होगा । समय रहते लिया गया निर्णयात्मक फैसला आपके लिए काफी महत्वपूर्ण एवं लाभकारी बदलाव ला सकता है ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)

संबंधों में उलझन ,दोहरे अर्थों वाली बातचीत तथा गलतफहमियां आज पूरे दिन आप पर हावी रहेंगी । लेकिन इससे किसी नुक्सान की बजाय मनोरंजन की उम्मीद ज्यादा है । इसीलिए इनके बारे में चिंता करने की बजाय अपने मूड को हल्का फुल्का रखें और हो रही घटनायों का आनंद उठायें । यदि आप ऐसा करेंगे तो दिन बहुत खुशगवार गुजरेगा ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

आपके पास पिछले कामों की भरमार रहेगी,आप पिछले कुछ समय से अपनी जिम्मेदारियों से बचना चाह रहें हैं,आज का दिन आपके उन सब कामों के लिए बहुत अच्छा है । आपको अपने कामो को पूरा करने के लिए इच्छाशक्ति,अनुशासन और एकाग्रता से काम लेना होगा । जिस काम की आप अच्छी खासी योजना बनाये हुए हैं।

कन्या (टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,)

आज का दिन अलग अलग तरह के विचारों और दुनियाभर के नए पैदा हो रहे अवसरों के चलते थोडा सा उलझाने वाला रहेगा । विभिन्न शक्तियां आपको अपनी तरफ खींचेंगी । अधिक सोचने और हर किसी को खुश करने की कोशिश न करें । इसके स्थान पर,अपने मन की ही सुनें.आपके लिए सर्वोत्तम होगा । भले ही आपको इस समय यह सही ना लग रहा हो ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

पिछला घटनाक्रम कुछ ऐसा रहा है कि आपका आत्मविश्वास डगमगा गया है, इसके चलते आज कोई भी काम ख़ुशी से और संतोषजनक ढंग से पूरा नही हो पायेगा । कोई ऐसा भी मिलेगा जिसकी नकारात्मक टिप्पणियों से आप और भी निराश महसूस करेंगे,लेकिन चिंता ना करें,यह अस्थायी चरण है और आप जल्दी ही अपना आत्मविश्वास वापस पा लेंगे ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)

आज आप अपने संपर्क में आने वाले हर व्यक्ति के साथ प्रेमपूर्ण व्यवहार करेंगे । कोई आपकी उदारता से प्रभावित होकर दिन के अंत तक आपसे अपनी भावना का इजहार कर सकता है हालाँकि अभी भी आपके मन में कडवे अनुभव भरे हुए हैं । लेकिन अब समय आ गया है की आप सारी नकारात्मकता को दूर करके एक नयी शुरुआत करें ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)

आप अपने आसपास के लोगों से अच्छी खासी सहायता और पहचान की उम्मीद रख सकते हैं । आप मजबूत आधार और आशावादिता से भरपूर हैं और नयी परियोजनाओं के लिए बिलकुल तैयार हैं लेकिन आपमें अभी भी अच्छी परियोजना को पहचानने की क्षमता बरक़रार है । इसके कारण आप केवल उन्ही परियोजनाओं में निवेश करेंगे जो भविष्य में काफी लाभकारी साबित होंगी ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)

आप पुराने विचारों को छोड़कर नए विचारों को अपना रहे हैं । आज कुछ अलग ना सोचें,इसका प्रभाव औरों पर अच्छा न पड़ेगा । कोई भी काम करने से पहले ये मूल्यांकन दुबारा कर लें कि आप वास्तव में चाहते क्या हैं। घरेलू जरूरतों को पूरा करने के लिए नया वाहन और दूसरी चीजें खरीदने हेतु समय उपयुक्त है ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)

आज अपमनी दार्शनिकताओं तथा विचारों को किसी के साथ बाँट लेने का मौका देखें ,आपकी मुलाकात एक बेहतरीन व्यक्ति से हो सकती है । इससे एक ख़ूबसूरत दोस्ती या अच्छी साझेदारी भी जन्म ले सकती है । थोड़े से ध्यान से देखने से,आप अपने आसपास से बहुत सारी चीजें सीख पायेंगेऔर यह ज्ञान आपके लिए लाभकारी सिद्ध होगा ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

आज आप जो भी कुछ शुरू करेंगे ,उसमे चाहे कितनी ही बाधाएं आयें,आपको सफलता मिलनी तय है । दिन के अंत तक आप दूसरों से फिर से बेहतर सम्बन्ध बना पायेंगे । अपनी प्रकृति में एक जरुरी बदलाव लायें-हर सम्बन्ध में केवल अधिकार जताने की कोशिश में ना रहें । सबको बराबरी का दर्जा दें और आपको भी बदले में सबसे प्यार मिलेगा ।

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

अमेरिकी रॉकेट पर सवार, सोना जाएगा 65 हजार रुपए के पार! जानें कैसे होगा ये चमत्कार?

नई दिल्ली, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। भले ही सोने के दाम में जबरदस्त तेजी देखने को मिल रही हो, लेकिन अभी अपने रिकॉर्ड हाई से करीब 1400 रुपए सस्ता है। वहीं दूसरी ओर चांदी की कीमत में भी करीब 3800 रुपए का इजाफा देखने को मिल रहा है। वास्तव में फेड के फैसले के बाद डॉलर इंडेक्स में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। जिसकी वजह से गोल्ड और सिल्वर की कीमत में तेजी देखने को मिल रही है। जहां एक ओर सोना 62,600 रुपए के पार चला गया है। वहीं चांदी के भाव एक बार फिर से 75 हजार रुपए के पार चले गए हैं। फेड ने साफ कर दिया है कि ब्याज दरों में इजाफा नहीं होगा और अगले साल फेड की ओर से तीन बार ब्याज दरों में कटौती की जाएगी। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या अमेरिकी फेड के रॉकेट पर सवार सोना 65 हजार रुपए प्रति दस ग्राम के पार जाएगा। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर मौजूदा समय में यसोने और चांदी के भाव क्या चल रहे हैं?

गोल्ड के भाव में करीब 1500 रुपए का इजाफा

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर गोल्ड के भाव में जबरदस्त इजाफा देखने को मिल रहा है। आंकड़ों के अनुसार गोल्ड की कीमत दोपहर 2 बजकर

47 मिनट पर 1447 रुपए के इजाफे के साथ 62646 रुपए पर आ गए हैं। जबकि कारोबारी सत्र के दौरान गोल्ड के भाव में करीब 1500 रुपए की बढ़ोतरी देखने को मिल चुकी है और दाम 62,692 रुपए प्रति दस ग्राम के साथ दिन के हाई पर पहुंच चुके हैं। वैसे आज गोल्ड की शुरुआत 61,391 रुपए के साथ हुई थी। जबकि एक दिन पहले गोल्ड की कीमत 61,199 रुपए पर आ गई थी। वहीं दूसरी ओर मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में चांदी की कीमत में भी तेजी देखने को मिल रही है।

आंकड़ों पर को देखें तो चांदी की कीमत मौजूदा समय में 3267 रुपए की तेजी के साथ 74,799 रुपए पर कारोबार कर रही है। जबकि कारोबारी सत्र के दौरान चांदी के दाम करीब 3800 रुपए प्रति किलोग्राम की तेजी के साथ 75,319 रुपए प्रति किलोग्राम पर भी पहुंचे। 4 दिसंबर के दिन चांदी के दाम 78,549 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गए हैं। अब भी चांदी की कीमत 3,750 रुपए प्रति किलोग्राम कम है। वैसे आज चांदी 71,950 रुपए के साथ ओपन हुई थी। एक दिन पहले चांदी की कीमत 71,532 रुपए पर क्लोज हुई थी।अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या सोने का भाव 65 हजार रुपए के पार जाएगा? जानकारों की मानें तो फेड का असर गोल्ड के दाम में देखने को मिलेगा।

हो सकता है कि शुक्रवार को गोल्ड के भाव 65 हजार के पार चला जाएगा। मुमकिन है कि अगले हफ्ते भी गोल्ड के दाम इस लेवल को पार कर सकता है।

लांग टर्म में गोल्ड प्राइस का टारगेट पहले ही 65 से 66 हजार के लेवल पर रखा हुआ है।

2000 के नोट पर बंगाल से आया बड़ा अपडेट

क्या बदल गया काले धन का रंग?

नई दिल्ली, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। रिजर्व बैंक की ओर से 19 मई को एक नोटिफिकेशन जारी किया गया था, जिसमें 2000 रुपये के नोट बैंक में जमा करने की बात कही थी। आरबीआई के मुताबिक, बाजार में अभी भी करीब 9760 करोड़ रुपये की कीमत के 2000 के नोट मौजूद हैं। नोट किसके पास है? वे सबमिट क्यों नहीं कर रहे हैं? काले धन में पकड़े जाने का डर कैसा? ऐसे कई सवाल उठ रहे हैं, लेकिन कलकत्ता में मौजूद रिजर्व बैंक के ऑफिस के सामने लगी भीड़ का कहना है कि यह सवाल सही नहीं है। लोग जमा करना चाहते हैं, लेकिन लाइन इतनी लंबी है कि नंबर नहीं आ पा रहा है।टीवी9 बांग्ला की रिपोर्ट के मुताबिक, बाबूघाट स्थित रिजर्व बैंक के सामने अब भीड़ लग गई है। इनमें गरीब, दिहाड़ी मजदूर और कामकाजी लोग शामिल हैं। इनमें से किसी के पास 2000 के 10 नोट हैं तो किसी के पास 2000 के 20 नोट हैं।

कई तो ऐसे लोग वहां अपने नंबर का इंतजार कर रहे हैं, जो कई दिन से काम पर वापस नहीं लौट पाए हैं।टीवी9 बांग्ला ने जब उनसे पूछा कि ये किसका पैसा है? तो वहां मौजूद महिला ने जवाब देते हुए कहा कि उसके पास मौजूद 2,000 का नोट उसके परिवार वालों का है, जिसमें उसकी बहन, मामी, चचेरा भाई और दूसरे शामिल हैं। उसने बताया कि वह पैसा बदलवाकर उन्हें वापस कर देगी, लेकिन वह कई दिनों से लाइन में अपने नंबर का इंतजार कर रही है, ताकि उसका पैसा बदला जा सके। हैरान करने वाली बात यह है कि उसका नंबर अभी तक नहीं आ पाया है।

क्या आपने भी लगा रखा है एलआईसी में पैसा, 50 दिन का रिटर्न उड़ा देगा होश

नई दिल्ली, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। देश की सबसे बड़ी इंश्योरेंस कंपनी के निवेशकों को लिए गुड न्यूज है। इस साल पहली बार कंपनी का शेयर 800 रुपये के पार पहुंच गया है। वहीं इसका पोर्टफोलियो भी 50 दिन में 80 हजार करोड़ के पार पहुंच गया है। ऐसे अगर आपने भी एलआईसी में पैसा लगाया है तो 50 दिन रिटर्न आपका होश उड़ा देगा। दरअसल, एलआईसी ने पिछले 50 ट्रेडिंग सेशन में लगभग 80,000 करोड़ रुपये का अनुमानित प्रॉफिट कमाया है। एलआईसी के पोर्टफोलियो का सीधा मुनाफा निवेशकों को हुआ है। 50 दिन के ट्रेडिंग सेशन के दौरान एलआईसी के पोर्टफोलियो में लगभग 110 शेयरों ने दोहरे अंकों में रिटर्न दिया है, जिसमें माइक्रोकैप स्टॉक गोकक टेक्सटाइल्स ने 204% रिटर्न दिया है। बाकि क्यू3 परफॉर्मर में इंडस्ट्रियल इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट, ओरिएंट ग्रीन पावर कंपनी, अडानी टोटल गैस, बीएसई, स्पेंसर्स रिटेल, द न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी, स्वान एनर्जी और पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन शामिल हैं। एलआईसी के साथ ही निवेशकों की भी बंपर कमाई 50 दिनों में हुई है। जबकि एलआईसी के पास अपने इक्विटी पोर्टफोलियो में सैकड़ों स्टॉक हैं, डिटेल्स केवल 260 स्टॉक पर उपलब्ध हैं जिनमें पीएसयू के पास कम से कम 1% हिस्सेदारी है। इसमें उन काउंटरों को बाहर कर दिया है जिनका वर्तमान में एक्सचेंजों पर कारोबार नहीं होता है।इस तिमाही में अब तक निफ्टी 6.5% बढ़ा है जबकि एलआईसी का पोर्टफोलियो 7.36% बढ़ा है। अपने मार्केट कैप के मामले में रिलायंस इंडस्ट्रीज दलाल स्ट्रीट पर एलआईसी का सबसे बड़ा दांव है।

सांसद के दस्तखत बिना नहीं मिलते पास

कपड़े, जूते और शरीर की 3 बार होती है जांच; सुरक्षा में कैसे लगी सेंध

नई दिल्ली, 14 दिसंबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। लोकसभा में बुधवार को अचानक पब्लिक गैलरी में बैठे दो युवक सांसदों के बीच कूद गए। उनके पास स्मोक कैनिस्टर्स थे। वीडियो में दिख रहा था कि एक शख्स सांसदों की डेस्क पर कूदता-फांदता स्पीकर की कुर्सी की तरफ बढ़ रहा है। कुछ सांसदों ने वार्ड स्टाफ की मदद से युवकों को काबू किया और फिर पार्लियामेंट सिक्योरिटी स्टाफ ने उन्हें हिरासत में ले लिया। दोनों युवक 'तानाशाही नहीं चलेगी' के नारे लगाते दिखे।

एक सीनियर पुलिस अधिकारी के मुताबिक, 'अभी तक जानकारी है कि इन लोगों के पास जनरल विजिटर पास थे। ऐसे पास के लिए पहले से आवेदन करना पड़ता है। बैकग्राउंड चेक की जाती है। बिल्डिंग के अंदर भी सिक्योरिटी चेक्स और स्कैनर्स होते हैं। ये लोग सिक्योरिटी को चकमा देकर लोकसभा में स्मोक कैनिस्टर्स के साथ दाखिल हो गए।

बता दें कि संसद की कार्यवाही देखने के लिए संसद का एंट्री पास बनवाना होता है। इसके लिए संसद सचिवालय में आवेदन करना होता है। इस आवेदन को किसी एक सांसद से वेरिफाई कराना होता है। लोकसभा में 15 नवंबर 2019 को जारी संसदीय और अन्य मामलों संबंधी जानकारी के दस्तावेज के मुताबिक सांसदों को ये बताना होता है कि वे उन लोगों को व्यक्तिगत रूप से अच्छी तरह जानते हैं, जिनके लिए वो विजिटर्स पास का आवेदन कर रहे हैं। नियम के मुताबिक उन्हें आवदेन पत्र में लिखना होता है कि अमुक दर्शक मेरा संबंधी या निजी मित्र है, जिसे मैं व्यक्तिगत रूप से जानता/जानती हूं और उसकी/उनकी पूरी जिम्मेदारी लेता/लेती हूं।

आवदेन पत्र में दर्शक का पूरा नाम और जानकारी स्पष्ट अक्षरों में लिखी जाती है। जानकारी में कमी या गड़बड़ी होने पर विजिटर्स पास जारी नहीं किए जाते हैं। आवेदन पत्र में दर्शक का पता और संपर्क नंबर सहित सम्पूर्ण जानकारी मांगी जाती है, जिसका बाद में पुलिस वेरिफिकेशन होता है। जनरल विजिटर्स पास के लिए एप्लिकेशन विजिट की तारीख से एक दिन पहले हर हाल में पास के निर्गम प्रकोष्ठ में देना होता है। इसके बाद पास जारी हो जाते हैं। ये पास एक नियत समय के लिए इश्यू किए

जाते हैं। वक्त पूरा होने के बाद संसद के अंदर रुकना या जाना मना होता है।

संसद में एंट्री के लिए सिक्योरिटी प्रोटोकॉल

संसद की सुरक्षा संभालने वाली पार्लियामेंट सिक्योरिटी सर्विस के 2010 में जारी मैनुअल के मुताबिक... सबसे पहली लेयर में संसद के मेन गेट पर चेकिंग होती है, जहां आपके फोन और अन्य इलेक्ट्रॉनिक और मैटेलिक उपकरणों को जमा कर लिया जाता है। ये आमतौर पर दिल्ली पुलिस के जिम्मे होता है। पब्लिक गैलरी की चेकिंग पोस्ट पर संसद सुरक्षा के कर्मचारी डोर फ्रेम मेटल डिटेक्टर/हैंड हेल्ड मेटल डिटेक्टर से जांच करते हैं। महिला की जांच महिला सुरक्षाकर्मी और पुरुषों की जांच पुरुष सुरक्षाकर्मी करते हैं। जो एंट्री पास मिलता है। उसे अपनी लिस्ट से क्रॉस चेक करते हैं। इसमें नाम, परिचय पत्र और फोटो का मिलान किया जाता है। अंदर जाने से पहले दर्शकों को सारे नियम बताए जाते हैं कि उन्हें क्या करना है क्या नहीं। इसमें नारे लगाना, पर्चे या कोई अन्य आपत्तिजनक वस्तु फेंकने का प्रयास करना और कूदना या प्रयास करना प्रतिबंधित है। दर्शक दीर्घा में बैठने के दौरान भी आपके आस-पास गार्ड्स मौजूद होते हैं। बातचीत, शोर या किसी भी तरह की हलचल देखते ही वो आपको वहीं रोक देते हैं। अव्यवस्था की शंका होने पर आपको दर्शक दीर्घा से बाहर निकाल दिया जाता है।

लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला क्या बोले?

लोकसभा की सुरक्षा में चूक की अच्छी तरह जांच की जाएगी। इसके लिए सभी पार्टियों के सांसदों की बैठक बुलाई गई है, जिससे उनकी चिंताएं भी एड्रेस की जा सकें।

कई नेताओं ने गुरपतवंत सिंह पन्नू के संसद पर हमले की धमकी वाले वीडियो का मुद्दा उठाया। इस पर स्पीकर ने कहा कि इस मुद्दे पर सदन में डिस्कस करना सही नहीं है। ओम बिड़ला ने सदन को बताया कि 4 लोग गिरफ्तार किए गए हैं। दो सदन के अंदर से और दो संसद के बाहर से। लोकसभा प्रशासन इस मामले की जांच कर रहा है और दिल्ली पुलिस से भी जांच करने को कहा गया है। शुरुआती जांच में पता चला है कि जो धुआं उठ रहा था, वो नुकसानदेह नहीं है। ऐसा लगता है कि इसे सनसनी फैलाने के लिए स्प्रे किया गया था।

संसद की सिक्योरिटी कौन और कैसे करता है?

पार्लियामेंट सिक्योरिटी सर्विस के मैनुअल के मुताबिक पूरे संसद भवन परिसर की जिम्मेदारी लोकसभा सचिवालय के एडिशनल सेक्रेटरी (सिक्योरिटी) की होती है। इसके दो पार्ट होते हैं-

1. संसद के अंदर राज्यसभा/लोकसभा चैंबर, लॉबी, गैलरी, सेंट्रल हॉल, सांसद वेटिंग रूम, गलियारे और कमेटी चैम्बर्स की सुरक्षा की जिम्मेदारी पार्लियामेंट सिक्योरिटी सर्विस के अधीन होती है। इस स्टाफ के पास हथियार नहीं होते हैं।

2. बाहरी परिसर में संसद भवन परिसर की दीवारों से लगे इलाके की सुरक्षा होती है। पार्लियामेंट सिक्योरिटी सर्विस इसके लिए दिल्ली पुलिस की मदद लेती है। अन्य अर्धसैनिक बलों की मदद भी ली जाती है। ये हथियारों से लैस होते हैं।

दो फोटो से समझें क्या हुआ था

दर्शक दीर्घा से कूदे 2 लोग

13 दिसंबर को दोपहर 1 बजे नई संसद में विजिटर गैलरी से 2 लोग लोकसभा हाउस में कूदे। सागर नाम का एक शख्स स्पीकर की ओर दौड़ा।

सांसदों ने पकड़ा, जमकर पीटा

गुरजीत औजला और हनुमान बेनीवाल समेत कई सांसदों ने उसे घेरा और जमकर पीटा। इसके बाद सिक्योरिटी इन्हें पकड़कर ले गई।

पार्लियामेंट सिक्योरिटी सर्विस के काम

(i) वीआईपी/वीवीआईपी और सांसदों की सिक्योरिटी कोऑर्डिनेट करना। (ii) संसद में आए एक्स्ट्रा व्हीकल, लोग और अगर कोई सामग्री आती है तो उसका कंट्रोल और निगरानी करना। (iii) राज्यसभा चैंबर, गैलरी, सेंट्रल हॉल और संसद परिसर के अन्य क्षेत्रों की सुरक्षा करना। खास तौर से अगर कोई तोड़फोड़ हो तो उसे कंट्रोल कर कार्रवाई करना। (iv) संसद परिसर के भीतर व्यवस्था बनाए रखना। (v) दर्शक और कर्मचारियों की एंट्री और उनकी तलाशी लेना। (vi) संसद भवन परिसर के सभी क्षेत्रों में तोड़फोड़ सामग्री और विस्फोटक आदि की जांच करना। (vii) आग से बचाव और स्वच्छता सेवाएं सुनिश्चित करना।

सौम्या चौरसिया की जमानत अर्जी एससी में खारिज

एक लाख का जुर्माना भी लगाया : कोयला घोटाला-मनी लॉन्ड्रिंग केस में जेल में है निलंबित अफसर

रायपुर, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। पिछली कांग्रेस सरकार में ताकतवर और प्रभावशाली अफसर रहीं सौम्या चौरसिया को एक बार फिर झटका लगा है। कोयला घोटाला और मनी लॉन्ड्रिंग केस में सुप्रीम कोर्ट ने सौम्या की जमानत याचिका खारिज कर दी है। कोर्ट ने गलत तथ्य पेश करने पर उन पर एक लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। वे छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल की उप सचिव थीं। सौम्या को 2 दिसंबर 2022 को ईडी ने गिरफ्तार किया था। इसके बाद से लगातार वे सेंट्रल जेल रायपुर में बंद हैं। सौम्या चौरसिया की जमानत याचिका इससे पहले बिलासपुर हाईकोर्ट खारिज कर चुका है।

सौम्या ने ईडी की कार्रवाई को दी थी चुनौती

सौम्या चौरसिया ने सुप्रीम कोर्ट में जमानत याचिका के साथ ही प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाई को चुनौती देते हुए विशेष अनुमति याचिका भी दायर की थी। बचाव पक्ष की ओर से कहा गया कि, जिन धाराओं में उनकी गिरफ्तारी हुई है, वो केस उन पर बनता ही नहीं है। ईडी की तलाशी में सौम्या के यहां से कोई आपत्तिजनक सामग्री भी बरामद नहीं हुई है। कोल परिवहन मामले से उनका कोई लिंक भी नहीं है।

याचिका में कहा गया कि मनी लॉन्ड्रिंग केस में एक महिला को इतने अधिक समय तक जेल में नहीं रखा जा सकता। उनका कोई पूर्व आपराधिक रिकॉर्ड नहीं

है। उनके छोटे-छोटे बच्चे हैं, जिनकी देखभाल प्रभावित हो रही है। गुरुवार को जमानत याचिका पर जस्टिस बेला एम त्रिवेदी और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की बेंच में सुनवाई हुई। सभी पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने जमानत याचिका खारिज कर दी, साथ ही एक लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है।

सौम्या चौरसिया पर क्या है आरोप

दरअसल, केंद्रीय जांच एजेंसी प्रर्वतन निदेशालय ने छत्तीसगढ़ में कथित कोयला घोटाले में 500 करोड़ रुपए अवैध उगाही को लेकर जांच शुरू की थी। जिसके बाद मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज किया गया था। वसूली के लिए नियमों में बदलाव किया गया था। ईडी के अनुसार कांग्रेस नेता सूर्यकांत तिवारी पर सौम्या चौरसिया का हाथ था।

क्रिश्चियन समुदाय के खिलाफ हमलों में झारखंड तीसरे नंबर पर

देशभर में हर दिन दो ईसाईयों पर हमले, यूपी सबसे आगे

रांची, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। झारखंड सहित पूरे देश में क्रिश्चियन समुदाय के खिलाफ टारगेट कर हिंसा हो रही है। देश में हर दिन दो क्रिश्चियन समुदाय के लोग इस दायरे में आ रहे हैं। ओपन डोर ऑफ वर्ल्ड वॉच के मुताबिक विश्व में भारत 11वें स्थान पर हैं जहां ईसाइयों का उत्पीड़न होता है।

यूनाईटेड क्रिश्चियन फोरम के आंकड़े बताते हैं कि देश में क्रिश्चियन समुदाय के खिलाफ कुल 687 घटनाएं घटी हैं। ये घटनाएं भीड़ के द्वारा की गई हैं। फोरम के मुताबिक क्रिश्चियन बहुल झारखंड में इस साल 49 घटनाएं उनके खिलाफ हुई हैं। यूनाईटेड क्रिश्चियन फोरम के मुताबिक उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड और हरियाणा में घटनाएं सबसे ज्यादा इस साल में हुई हैं।

पुलिस भी बनी रही मूकदर्शक

फोरम की रिपोर्ट की माने तो ईसाईयों के खिलाफ देश भर में जो रिपोर्ट दर्ज की गई है, उसमें धार्मिक चरमपंथियों वाली भीड़ शामिल रही है। इस भीड़ ने प्रार्थना सभा में जबरन घुस जाती है या ऐसे लोगों को घेर लेती है जिनके बारे में उनका मानना है कि वे जबरन धार्मिक गतिविधियों में शामिल हैं। फोरम के मुताबिक भीड़ पहले प्रार्थना सभा में शामिल लोगों को धमकाती है या कई बार हमले भी करती है। ऐसे लोगों को जबरन धर्म परिवर्तन के आरोप में पुलिस के हवाले भी किया है। ईसाईयों के खिलाफ पुलिस स्टेशन के बाहर अक्सर सांप्रदायिक नारेबाजी करती है, जहां पुलिस मूकदर्शक बनकर खड़ी रहती है।

महंत राम सुंदर दास का कांग्रेस से इस्तीफा

पत्र में लिखा-सबसे ज्यादा वोटों से हारा, इसलिए दे रहा रिजाइन; रायपुर दक्षिण से थे प्रत्याशी

रायपुर, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ कांग्रेस के सीनियर नेता महंत राम सुंदर दास ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से अपना इस्तीफा प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज को भेजा है। इसकी वजह उन्होंने विधानसभा चुनाव में हार को बताया है। उन्होंने लिखा है कि प्रदेश में वो सबसे ज्यादा वोटों के अंतर से हारे हैं। आपको बता दे कि रायपुर दक्षिण सीट से महंत राम सुंदर दास ने कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ा था। उनके खिलाफ में बीजेपी के बृजमोहन अग्रवाल ने चुनाव लड़ा था। इस चुनाव में बृजमोहन अग्रवाल ने बड़े अंतराल से चुनाव जीता।

हार की नैतिक जिम्मेदारी ली

विधानसभा चुनाव हारने के बाद गुरुवार को इसकी नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए महंत राम सुंदर दास ने इस्तीफा दिया है। उनका पत्र सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। उन्होंने कहा कि दूधाधारी मठ के जरिए शुरू से ही जन सेवा की जा रही है। आज रायपुर शहर के लोग अपने घर में बैठकर अगर एक गिलास पानी भी पी रहे हैं तो वो भी दूधाधारी मठ की ओर से दान की गई जमीन से ही मिल पा रहा है। साथ ही मठ कई स्कूल-कॉलेज भी चलाता है। मैं जन सेवा को अब मठ के माध्यम से ही आगे बढ़ाऊंगा।

रायपुर दक्षिण सीट से थे कांग्रेस के प्रत्याशी

महंत राम सुंदर दास को कांग्रेस ने रायपुर दक्षिण सीट से इस बार के चुनाव में उतारा था। यहां से बीजेपी के प्रत्याशी बृजमोहन अग्रवाल थे। खास बात ये है कि राम सुंदर दास को बृजमोहन अपना गुरु मानते हैं। ऐसे में मुकाबला चुनौती भरा था। चुनाव के दौरान कुछ विवाद भी सामने आए। आखिरकर बृजमोहन ने इस सीट से 8वीं बार बड़े अंतर से जीत हासिल की।

महंत राम सुंदर दास का सियासी सफर

2003 में महंत राम सुंदर दास छत्तीसगढ़ के पामगढ़ से चुनाव जीतकर पहली बार विधायक बने। 2008 में उन्होंने जैजैपुर से चुनाव जीता था। 2013 में उसी सीट पर उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। 2018 में भूपेश बघेल की सरकार बनी तो उन्हें गौ सेवा आयोग का अध्यक्ष बनाया गया। साल 2001-2003 में संस्कृत बोर्ड के पहले अध्यक्ष रहे। वहीं, छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल के सदस्य भी रह चुके हैं।

आज से झारखंड विधानसभा का शीतकालीन सत्र

11 बजे शुरू होगा सेशन, आज स्पीकर करेंगे तीन बैठक, पहली बार सदन में होंगे नेता प्रतिपक्ष

रांची, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। झारखंड विधानसभा का शीतकालीन सत्र शुक्रवार से होगा। यह सत्र छह दिनों का होगा। पहले दिन की शुरुआत दिन के 11 बजे से होगी। इस सत्र को लेकर आज विधानसभा अध्यक्ष रबींद्र नाथ महतो बैठक करेंगे। वे आज सर्वदलीय बैठक के अतिरिक्त दो अन्य बैठक भी करेंगे। पहली बैठक राज्य सरकार के आला अधिकारियों के साथ और दूसरी बैठक पत्रकार दीर्घा समिति के साथ होगी।

स्पीकर कक्ष में सर्वदलीय बैठक

बैठकों के क्रम में झारखंड विधानसभा स्थित स्पीकर कक्ष में विधानसभा अध्यक्ष रबीन्द्रनाथ महतो की अध्यक्षता में विधायक दल के नेताओं की बैठक हुई। जिसमें मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सहित संसदीय कार्य मंत्री आलमगीर आलम, नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी, मंत्री सत्यानंद भोक्ता, विधायक विनोद सिंह एवं विधायक लंबोदर महतो उपस्थित रहे।

पहली बार होंगे नेता प्रतिपक्ष

झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र में पहली बार नेता प्रतिपक्ष भी होंगे। पांचवें झारखंड विधानसभा का कोई ऐसा सत्र आयोजित नहीं हुआ, जिसमें नेता प्रतिपक्ष हो। शीतकालीन सत्र में पहली बार अमर बाउरी नेता प्रतिपक्ष की कमान सदन में संभालते हुए नजर आएंगे। उनके नेतृत्व में ही भाजपा अपनी रणनीति तय करेगी। शीतकालीन सत्र को लेकर आज सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों अलग-अलग बैठक करेंगे। झामुमो की बैठक दिन के एक बजे से मुख्यमंत्री कार्यालय में होगी। जबकि शाम सात बजे भाजपा विधायक दल की बैठक पार्टी कार्यालय में होगी। भाजपा जहां भ्रष्टाचार, राज्य में विधि-व्यवस्था और धीरज साहू के मामले को मुद्दा बनाने की तैयारी में है। वहीं, विपक्ष के हर सवाल का जवाब देने की तैयारी सत्ता पक्ष कर रहा है।

संसदीय कार्यमंत्री व कांग्रेस विधायक दल के नेता आलमगीर आलम ने कहा कि राज्य सरकार विपक्ष के हर सवाल का सामना करने के लिए तैयार है।भाजपा के पास मुद्दे ही नहीं हैं। अगर भाजपा किसी मुद्दे पर जवाब चाहती है, तो सदन में सरकार जवाब देने के लिए तैयार है। अभी कानपुर में भी 250 करोड़ रुपए पकड़े गए हैं। इसके पहले मध्य प्रदेश और पश्चिम बंगाल में भी मामले सामने आए हैं, लेकिन मामला उससे आगे नहीं गया। जहां तक धीरज साहू का मामला है, तो वे कांग्रेस के सांसद हैं।

यह मामला उनके घराना से जुड़ा हुआ है। आयकर ने भी अभी तक उस मामले में कुछ भी नहीं कहा है। भाजपा के मुख्य सचेतक विरंची नारायण ने कहा कि विपक्ष के पास कई मुद्दे और सवाल हैं। सरकार को हर सवाल का जवाब देना होगा। सरकार जवाब नहीं देगी, तो हंगामा होगा। विपक्ष के पास दो प्रमुख मुद्दे हैं। पहला मुद्दा राज्य सरकार के परम भ्रष्टाचार का है और दूसरा मुद्दा धीरज प्रसाद साहू का है।

आईईडी ब्लास्ट में शहीद कमलेश साहू को डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने दी श्रद्धांजलि

परिवार से की मुलाकात

सक्ती, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। नारायणपुर के आमदई माइंस की सुरक्षा में तैनात जवान कमलेश साहू के बलिदान के बाद डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने श्रद्धांजलि दी। साहू सक्ती जिले के हसौद के रहने वाले थे। जो 13 दिसंबर को आईईडी ब्लास्ट में शहीद हो गए थे।

शहीद कमलेश साहू को श्रद्धांजलि देने और उनके परिजनों से मुलाकात करने छत्तीसगढ़ राज्य के डिप्टी सीएम विजय शर्मा पहुंचे। शहीद कमलेश साहू के पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। नारायणपुर के अमदाई खदान के तरफ सर्चिंग के लिए जवान गए हुए थे। तभी नक्सलियों ने रास्ते में आईईडी बम बिछा कर रखा था। आईईडी ब्लास्ट की चपेट में आने से सीएएफ 9वीं बीएन का जवान कमलेश साहू शहीद हो गया। आज हसौद गृह ग्राम में अंतिम संस्कार किया गया।

झारखंड सरकार की नाकामियों को उजागर करने के लिए भाजपा ने बनाई रणनीति

पांच सदस्यों की समिति बनाई

रांची, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। झारखंड में भाजपा ने पांच सदस्यों की एक समिति गठित की है। इस समिति को जिम्मेदारी दी गई है कि यह झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार की नाकामियों को उजागर करें। बता दें कि आगामी 28 दिसंबर को झारखंड की झारखंड मुक्ति मोर्चा, कांग्रेस और राजद के गठबंधन वाली सरकार अपने चार साल पूरे कर लेगी। ऐसे में भाजपा की इस कोशिश को अगले विधानसभा चुनाव की तैयारियों से जोड़कर देखा जा रहा है।

समिति में इन नेताओं को किया गया शामिल

बता दें कि इस पांच सदस्यीय समिति का गठन झारखंड भाजपा के अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने किया है। इस समिति की अध्यक्षता पूर्व आईपीएस अधिकारी अरुण एरोन करेंगे। वहीं शिव पूजन पाठक, योगेंद्र प्रताप सिंह, रविनाथ किशोर और सुनिता सिंह, इस समिति के अन्य सदस्य होंगे। पार्टी ने आधिकारिक बयान जारी कर इसकी जानकारी दी है। बयान में कहा गया है कि हेमंत सोरेन सरकार 28 दिसंबर को सत्ता में चार साल पूरे कर लेगी।

हर साल की तरह भाजपा सरकार की नाकामियों, उसके झूठ और भ्रष्टाचार को उजागर करेगी। कांग्रेस सांसद धीरज साहू के ठिकानों से करोड़ों रुपये बरामद होने के बाद भाजपा सरकार पर हमलावर है। वहीं झारखंड में वामदलों ने संयुक्त बयान जारी कर कार्रवाई की मांग की है। वामदलों ने कहा है कि भ्रष्टाचारी किसी भी दल के हो, दोषी को सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यह सीधे टैक्स चोरी का मामला है और इसकी विस्तार से जांच होनी चाहिए।

अधिकारियों का झारखंड दौरा, कहा-बोकारो में देश के लिए आदर्श जिला बनने की क्षमता

बोकारो, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अधिकारी ने विकासशील भारत पहल का निरीक्षण करने झारखंड के बोकारो और रामगढ़ का दौरा किया। अधिकारी ने बताया कि बोकारो में देश के लिए एक आदर्श जिला बनने की क्षमता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने झारखंड के कुंती जिले में 15 नवंबर को विकसित भारत संकल्प यात्रा को हरी झंडी दिखाई थी।

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अतिरिक्त महानिदेशक शंभु नाथ चौधरी ने कहा, 'झारखंड के बोकारो में देश का आदर्श जिला बनने की क्षमता है, जहां हमें केंद्रीय योजनाओं के कार्यान्वयन के साथ वितरण भी देखने को मिला।' उन्होंने स्वच्छता सुविधाओं, वित्तीय सेवाओं, बिजली कनेक्शन, एलपीजी सिलेंडरों की उपलब्धता, गरीबों के लिए आवास, खाद्य सुरक्षा, विश्वसनीय स्वास्थ्य देखभाल और स्वच्छ पेयजल जैसी योजनाओं का मूल्यांकन किया। अतिरिक्त महानिदेशक ने बताया कि वे आठ घंटों तक बोकारो में रुके और पेटरवार, कसमर और गोमिया ब्लॉक में विकासशील गतिविधियों की समीक्षा की। उन्होंने बताया कि पेटरवार में 100 एकड़ बंजर जमीन में महिलाओं की मदद से आम, अनरूद और अन्य सब्जियों की फसल लगाकर वहां खेती शुरू किया जा रहा है।

चार शहरों में नवजातों के लिए मां का दूध उपलब्ध कराने के लिए बन रहे स्पेशल बैंक

रांची, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। "बैंकों" में मिलेगा मां का दूध ! जी हां, झारखंड के चार शहरों में ऐसे मिल्क बैंक बनने जा रहे हैं, जो नवजात शिशुओं के लिए वरदान साबित होंगे। कई बार नवजात मां के दूध से कई कारणों से वंचित रह जाते हैं। अब ऐसे शिशुओं की माताओं को चिंता करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि अब उन्हें बैंक से ही मां का दूध मिल जायेगा। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन और राज्य योजना के तहत राज्य के बोकारो, दुमका, हजारीबाग एवं रांची के अस्पतालों में मानव दूध बैंक यानी ह्यूमन मिल्क बैंक बनाने की तैयारी स्वास्थ्य विभाग ने पूरी कर ली है। डॉक्टरों के मुताबिक कई माताओं को प्रसव के बाद दूध नहीं होता, इसलिए उनका नवजात स्तनपान से वंचित हो जाता है। कई ऐसे बच्चे भी हैं, जिनकी माता किसी कारणवश दुनिया में नहीं हैं। ऐसे शिशुओं को बचाने के लिए स्वास्थ्य विभाग चार शहरों में मानव दूध बैंक बनाने जा रहा है।

15 मिनट 2 हादसे, जलकर खाक हुई 17 गाड़ियां

16 लोगों की मौत, वेनिजुएला हाईवे पर ट्रक की टक्कर के बाद हुआ हादसा

वेनेजुएला, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। वेनेजुएला की राजधानी कराकास के पास एक हाईवे पर बुधवार शाम 17 गाड़ियां जलकर खाक हो गईं। गुरुवार सुबह यहां शवों को निकालने का सिलसिला जारी रहा। अब तक 16 लोगों के शव निकाले जा चुके हैं। मौतों का आंकड़ा बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक तेज रफ्तार ट्रक के गाड़ियों को टक्कर मारने के बाद आग लगी। देखते ही देखते आग आस-पास खड़ी गाड़ियों तक फैल गई।

इस हादसे के 15 मिनट पहले ही एक और एक्सीडेंट हुआ था। कई गाड़ियां एक्सीडेंट की वजह से हाईवे पर खड़ी थीं। तभी एक तेज रफ्तार ट्रक गाड़ियों से टकरा गया। ट्रक में केमिकल रखा हुआ था। टक्कर की वजह से आग लग गई और गाड़ियों तक फैल गई।

मौसम खराब होने की वजह से हादसा होने की आशंका

वहीं, रिस्क मैनेजमेंट के डिप्टी मिनिस्टर ने कहा- पहले हादसे में एक ट्रक और 3 गाड़ियों की टक्कर हुई थी।

इसके बाद हाईवे पर जाम लग गया कई अन्य गाड़ियां सड़क पर खड़ी हो गईं। तभी दूसरा ट्रक आया और उसने गाड़ियों को टक्कर मार दी। उन्होंने कहा- खराब मौसम की वजह से ड्राइवर जाम को नहीं देख पाया होगा। हालांकि, लोगों का कहना है कि हाईवे की सड़क ठीक नहीं है, उसे सही से मेंटेन नहीं किया जाता।

6 घायल, अस्पताल ले जाया गया

सड़क हादसे के बाद पुलिस ने कहा- ये एक मल्टी व्हीकल कॉलिजन था जिसमें एक साथ कई वाहन आपस में टकरा गए। हादसा हाईवे पर हुआ। इसकी जानकारी मिलते ही इमरजेंसी सर्विसेज घटनास्थल पर पहुंच गईं। घायल लोगों को तुरंत अस्पताल ले जाया गया।

मिस्र में भी हो चुका ऐसा हादसा

28 अक्टूबर 2023 को मिस्र में एक के बाद एक कई गाड़ियां टकरा गईं। लोकल मीडिया के मुताबिक हादसे में 35 लोगों की मौत हुई। 63 लोग घायल हो गए। प्राइमरी इन्फॉर्मेशन के मुताबिक एक कार से पेट्रोल लीक होने के कारण कई गाड़ियां टकरा गईं। इसके बाद उनमें आग लग गई। हादसा मिस्त्र की राजधानी काहिरा से 132 किलोमीटर दूर बहेरा इलाके में हुआ। एक पैसेंजर बस भी इस हादसे का शिकार हुई। हालांकि बस में कितने लोग सवार थे, इसकी जानकारी नहीं दी गई है।

चीन में 50 गाड़ियां जली थीं

5 फरवरी 2023 को चीन के हुनान प्रोविंस में खतरनाक सड़क हादसा हुआ। हाइवे पर 10 मिनट के भीतर 50 वाहन आपस में टकरा गए। इससे कई गाड़ियों में आग लग गई। इसमें 16 लोगों की मौत हो गई, जबकि 66 लोग घायल हुए।

'हमारे लोकतंत्र के लिए खतरनाक...', रो खन्ना का राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार रामास्वामी पर हमला

वॉशिंगटन, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय-अमेरिकी सांसद रो खन्ना ने राष्ट्रपति पद के रिपब्लिकन उम्मीदवार विवेक रामास्वामी की आलोचना की। उन्होंने कहा कि रामास्वामी हमारे लोकतंत्र के लिए खतरनाक है। साथ ही उन्होंने उन पर और उनकी पार्टी पर अमेरिकियों के मौजूदा मुद्दों का कोई समाधान उपलब्ध नहीं कराने का आरोप लगाया। 38 वर्षीय भारतवंशी कारोबारी रामास्वामी बुधवार रात आयोवा में सीएनएन् टाउन हॉल में पेश हुए। इस दौरान उन्होंने आव्रजन, सीमा सुरक्षा, धर्म और आर्थिक असमानता पर सवालों के जवाब दिए। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और दक्षिण कैरोलिना की पूर्व गवर्नर निक्की हेली के साथ रिपब्लिकन पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी की दौड़ में शामिल भारतीय मूल के अमेरिकी रामास्वामी सीएनएन टाउन हॉल की बैठक में पहुंचे थे।

'अपनी हिंदू आस्था में गहरा विश्वास'

रामास्वामी बोले-ईसाई धर्म का प्रसार नहीं कर पाऊंगा

वॉशिंगटन, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से अमेरिका के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार भारतवंशी विवेक रामास्वामी ने कहा है कि उनका अपनी हिंदू आस्थाओं में गहरा विश्वास है और वह शायद ईसाई धर्म का प्रचार प्रसार करने के लिए सही व्यक्ति नहीं हैं। विवेक रामास्वामी बुधवार को आयोवा प्रांत में सीएनएन के टाउन हॉल कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान रामास्वामी ने धर्म, अमेरिका में आ रहे प्रवासियों, सीमा सुरक्षा, आर्थिक असमानता जैसे मुद्दों पर सवालों के जवाब दिए।

क्या बोले रामास्वामी

आयोवा प्रांत में रिपब्लिकन पार्टी का तगड़ा जनाधार है और इनमें अधिकतर बाइबल में गहरा विश्वास रखने वाले ईसाई समुदाय के मतदाता हैं। कार्यक्रम के दौरान एक दर्शक ने रामास्वामी से सवाल किया कि उनका ताल्लुक ईसाई धर्म से नहीं हैं, इसलिए वह हमारे राष्ट्रपति नहीं हो सकते क्योंकि हमारे पूर्वजों ने ईसाई धर्म के आधार पर इस देश को बनाया। इसके जवाब में रामास्वामी ने कहा कि वह इस बात से बिल्कुल सहमत नहीं हैं। रामास्वामी ने कहा कि 'उनके हिंदू धर्म के कुछ सिद्धांत यहूदी-ईसाई मूल्यों जैसे हैं'। हालांकि उन्होंने कहा कि 'वह शायद ईसाई धर्म का प्रचार प्रसार करने के लिए सही व्यक्ति नहीं हैं।'

रामास्वामी ने बताया क्या होगी उनकी प्राथमिकता

रामास्वामी ने कहा कि 'मुझे लगता है कि आस्था, देशभक्ति, परिवार और कड़ी मेहनत को इस देश में फिर से फोकस में लेकर आऊं क्योंकि ये चीजें बहुत अच्छी हैं और इन पर फोकस करना ही उनके बतौर राष्ट्रपति कार्यकाल की प्राथमिकता होगी'। उन्होंने कहा कि वह संविधान के पहले संशोधन, जिसमें धर्म की स्वतंत्रता का जिक्र है, उसे बरकरार रखने के लिए समर्पित होंगे। बता दें कि 15 जनवरी से रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवारों की नामांकन प्रक्रिया आयोवा प्रांत से ही शुरू होगी। रामास्वामी ने टाउन हॉल कार्यक्रम के दौरान कहा कि उनका अपनी हिंदू आस्थाओं में गहरा विश्वास है और ये भी बताया कि कैसे उनके पालन पोषण के दौरान उनका ईसाई धर्म से जुड़ाव बना रहा।

'युद्ध के बाद हमारे बिना गाजा के लिए कोई भी योजना बनाना गलतफहमी होगी'

इस्राइल को हमास प्रमुख की चेतावनी

नई दिल्ली, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने स्पष्ट रूप से आतंकवाद का समर्थन करने और इसके लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने वालों को गाजा में घुसने की अनुमति नहीं देने का बयान जारी किया था। उनके इस बयान के एक दिन बाद हमास प्रमुख इस्माइल हनिये ने फलस्तीनी संगठन को शामिल किए बिना युद्ध के बाद गाजा के लिए बनाए गए योजनाओं को भ्रम बताया है।

इस्त्राइल से बातचीत के लिए तैयार है हमास

हमास प्रमुख इस्माइल हनिये ने कहा, 'गाजा या फलस्तीन में हमास के बिना कोई भी योजना बनाना गलतफहमी होगी।' उसने कहा कि वह युद्ध को समाप्त करने और गाजा और वेस्ट बैंक में फलस्तीनी घरों को बसाने पर बात करने के लिए तैयार है। हनिये ने बताया कि हमास बातचीत के लिए तैयार है, क्योंकि यह (बातचीत) ऐसे राजनीतिक रास्ते पर ले जा सकती है, जहां फलस्तीनी लोगों को स्वतंत्र राज्य और यरूशलम को अपनी राजधानी बनाने का अधिकार मिल सकता है। हमास के खिलाफ इस्राइल की तरफ से जारी जंग में इस्राइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने स्पष्ट रूप से कह दिया कि अंतरराष्ट्रीय समर्थन मिले या नहीं वे हमास के खिलाफ युद्ध जारी रखने के लिए संकल्पित हैं। बता दें कि सात अक्तूबर को हमास के आतंकियों ने इस्राइल पर हवाई हमले किए थे, जिसमें 1200 इस्राइली नागरिकों की मौत हुई थी। इस हवाई हमले का इस्राइली सुरक्षा बलों ने पलटवार किया। उन्होंने गाजा पर हमला करते हुए इसे मलवे में तबदील कर दिया। इस हमले में गाजा के स्कूलों और अस्पतालों को भारी नुकसान पहुंचा है।

सीरिया में इजरायली हमलों में 36 लोग मारे गए

दमिश्क, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। 7 अक्टूबर को गाजा युद्ध की शुरुआत के बाद से लेबनान के हिजबुल्लाह आतंकवादी समूह से जुड़े सीरियाई सैन्य स्थलों पर इजरायली हमलों में 36 लोग मारे गए हैं। ब्रिटेन स्थित सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स ने कहा, "मृतकों में 14 सीरियाई सैनिक, 17 हिजबुल्लाह आतंकवादी, 2 ईरानी क्रांतिकारी गार्ड, 2 नागरिक और 1 सरकार समर्थक सेनानी शामिल हैं।" ऑब्जर्वेटरी के अनुसार, इस अवधि के दौरान इज़रायल ने सीरिया पर 33 बार हमला किया, जिसमें हथियार डिपो और वाहनों सहित 48 लक्ष्यों को नष्ट कर दिया गया। अलेप्पो अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर चार बम विस्फोट हुए और दमिश्क अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर दो हमले हुए, जिसके कारण इसका परिचालन निलंबित कर दिया गया।

अपने बच्चों की हत्या, 20 साल जेल, अब केस खारिज

ऑस्ट्रेलिया में सबसे बुरी मां कही जाती थी, 4 नवजातों के मर्डर का मामला था

कैनबरा, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। 20 साल से जेल में कैद 'ऑस्ट्रेलिया की सबसे बुरी मां' के नाम से बदनाम कैथलीन फोल्बिग बेगुनाह साबित हुईं। गुरुवार को न्यू साउथ वेल्स सुप्रीम कोर्ट ने उनके खिलाफ दायर किए गए केस को खारिज कर दिया। कैथलीन पर अपने ही 4 नवजातों की हत्या करने का आरोप था। कैथलीन ने 1989-1999 के बीच केलब, पैट्रिक, सारा और लॉरा की हत्या की थी। सभी बच्चों की उम्र 19 दिन से लेकर 18 महीने के बीच थी। 2003 में कैथलीन को हत्या के मामले में 40 साल की सजा सुनाई गई थी। बाद में सजा कम करके 30 साल कर दी गई।

20 साल जेल में कैद रहने के बाद जून 2023 में उन्हें बेगुनाह साबित किया गया और रिहा कर दिया गया। आज कोर्ट ने उनके खिलाफ सभी केस खारिज कर दिए हैं। कोर्ट ने कहा कि कैथलीन फोल्बिग को सजा दिलवाने में इस्तेमाल किए गए सबूत विश्वसनीय नहीं थे।

गला घोंटकर मारने के आरोप थे

कैथलीन पर बच्चों का गला घोंटकर उन्हें

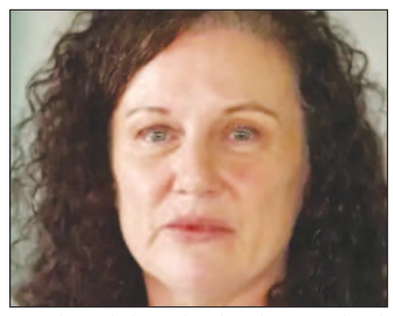

जान से मारने के आरोप थे। जो सबूत कोर्ट में पेश किए गए थे उनमें एक डायरी थी। इसके आधार पर कैथलीन को मानसिक रूप से अस्थिर बताया गया था। हालांकि, किसी मनोवैज्ञानिक या मनोचिकित्सक ने इस डायरी की जांच नहीं की थी। इस डायरी में क्या लिखा था इसकी जानकारी मीडिया के पास नहीं है।

बच्चों की नैचुरल डेथ हुई

रिपोर्ट के मुताबिक इस साल के शुरुआत में हुई सुनवाई में बताया गया की चारों बच्चों की नैचुरल डेथ हुई। उन्हें मारा नहीं गया था। जांच की साइंटिफिक फाइंडिंग्स से पता चला कि दुर्लभ जीन म्यूटेशन के कारण बच्चों की मौत हुई। यह फैक्ट 20 साल पहले अनदेखा किया गया था।

'मैंने बच्चों को नहीं मारा'

56 साल की कैथलीन ने अपने खिलाफ दायर केस खारिज होने के बाद कहा- मैं फैसले से खुश हूं। हालांकि मेरे बेगुनाह होने के सबूतों को सालों तक अनदेखा और खारिज किया गया। मैं कहती रही की मैंने बच्चों को नहीं मारा, लेकिन सिस्टम ने यह नहीं माना। सिस्टम ने अपनी कमियों को ढांकते हुए मुझे दोषी ठहराना पसंद किया। मैं कह रही थी कि कभी-कभी बच्चों की मौत अचानक हो सकती है। बच्चों की भी नेचुरल डेथ होती है, लेकिन मुझे पागल साबित करने की कोशिश की गई। यह जानकर खुशी हो रही है कि एडवांस साइंस मेरी बेगुनाही साबित कर पाया। साइंस से ही पता चला कि कि मेरे बच्चों की मौत कैसे हुई। केस खारिज होने के बाद कैथलीन के वकील उन्हें मुआवजा दिलाने की कोशिश कर रहे हैं।

'संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद चिंताजनक स्थिति में फंसा'

ग्लोबल साउथ थिंक टैंक में बोले यूएनजीए अध्यक्ष

संयुक्त राष्ट्र, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष डेनिस फ्रांसिस ने विश्व निकाय के सदस्यों से बातचीत के जरिए सुरक्षा परिषद सुधार पर गतिरोध को दूर करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद चिंताजनक स्थिति में फंसी हुई लगती है। इसका उद्देश्य वैश्विक उत्तर देशों की प्रधानता को पूरा करना है।

एक ऐसी परिषद की आवश्यकता...

उन्होंने परिषद में निर्णय लेने में विकासशील देशों के प्रतिनिधित्व और समान भागीदारी की आवश्यकता को रेखांकित किया। साथ ही इस पर भी जोर डाला कि सुधार हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। फ्रांसिस ने कहा, 'महासभा के 78वें सत्र के अध्यक्ष के रूप में मेरा मानना है कि हमें एक ऐसी परिषद की आवश्यकता है जो अधिक संतुलित, अधिक प्रतिनिधित्वपूर्ण, अधिक उत्तरदायी, अधिक लोकतांत्रिक और अधिक पारदर्शी हो।'

दुनिया भर में जंग छिड़ती दिख रही

सुरक्षा परिषद रिफॉर्म पर ग्लोबल साउथ थिंक टैंक के एक सम्मेलन में उन्होंने कहा कि दुनिया भर में जंग छिड़ती दिख रही है। ऐसे में सुरक्षा परिषद चिंताजनक स्थिति में फंसी हुई लगती है। ऐसा माना जाता है कि परिषद अपने मकसद को पूरा नहीं कर रही है। परिणामस्वरूप, पूरे संयुक्त राष्ट्र की विश्वसनीयता खतरे में है। यूएनजीए प्रमुख ने कहा कि सुधार लाने के लिए सदस्य देशों को बातचीत से मुद्दे का समाधान ढूंढना होगा। भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने परिषद की वर्तमान संरचना को कालभ्रमित बताया जो पिछले दशकों में अंतरराष्ट्रीय संबंधों में आए बदलावों के अनुकूल ढलने में विफल रही है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता में ग्लोबल नॉर्थ के देशों की प्रधानता है, इसे बदलना होगा। परिषद को न केवल विस्तार करना चाहिए, बल्कि यह सुनिश्चित करते हुए लोकतंत्रीकरण भी करना चाहिए कि गैर-स्थायी सदस्यों की भी निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में महत्वपूर्ण भूमिका हो।

ग्लोबल साउथ की आवाज को मजबूत करने की जरूरत

ऑस्ट्रिया के स्थायी प्रतिनिधि अलेक्जेंडर मार्शचिक, जो परिषद सुधारों के लिए अंतर सरकारी वार्ता (आईजीएन) के सह-अध्यक्ष हैं, ने कहा कि इस विचार को लेकर काफी समानता है कि सुरक्षा परिषद में ग्लोबल साउथ की आवाज को मजबूत करने की जरूरत है।

परिषद की विकृतियों को सुधारने की क्षमता...

सम्मेलन का संचालन करने वाले ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन के अध्यक्ष समीर सरन ने कहा कि सुधारों पर विचार करते समय, हमें इस बात पर पुनर्विचार करना चाहिए कि महासभा को किस तरह से प्रयास करना चाहिए और परिषद की विकृतियों को सुधारने की क्षमता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मौजूदा व्यवस्था में महासभा की भूमिका परिषद के अधीन है, यह एक विसंगति है। उन्होंने कहा, शायद यह ऐसा समय है जब हमें उस नए प्रारूप और उस नए ढांचे को खोजने के लिए खुद को समर्पित करने के लिए प्रेरित करना चाहिए जो काम करता है।

अंतरराष्ट्रीय मंचों पर ताइवान की भागीदारी के विस्तार पर अमेरिका का जोर

वाशिंगटन, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। दक्षिण चीन सागर और ताइवान को लेकर चीन और अमेरिका में चल रहे तनाव के बीच बुधवार को यूएस-ताइवान वार्ता हुई है। इस वार्ता के दौरान सभी प्रतिभागियों ने संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय मंचों में ताइवान की भागीदारी के विस्तार पर जोर दिया। अमेरिकी विदेश विभाग ने इस वार्ता को लेकर एक बयान भी जारी किया है। इसमें यह भी बताया गया है कि अमेरिका और ताइवान साथ मिलकर सार्वजनिक स्वास्थ्य, विमानन सुरक्षा और जलवायु सहित कई वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने के तरीके तलाश रहे हैं।

गौरतलब है कि हाल ही में दुबई में आयोजित COP28 के दौरान में चीनी प्रतिनिधिमंडल द्वारा संयुक्त राष्ट्र जलवायु वार्ता में ताइवान को शामिल करने के आह्वान का विरोध करने के कुछ दिनों बाद बुधवार को यूएस-ताइवान नियमित परामर्श हुआ। इसमें सभी प्रतिभागियों ने समान विचारधारा वाले भागीदारों के साथ मिलकर काम करने के महत्व पर जोर दिया। इस बीच, अमेरिका ने चीन की वन चाइना पॉलिसी पर भी सवाल खड़ किए हैं। शीर्ष अमेरिकी अधिकारियों ने कहा है कि वाशिंगटन की 'वन चाइना' पॉलिसी बीजिंग के 'वन चाइना' सिद्धांत से अलग है। उन्होंने कहा कि अमेरिका की नीति ताइवान संबंध अधिनियम और तीन संयुक्त विज्ञप्तियों और छह आश्वासनों के आधार पर है।

अफगान शरणार्थियों पर पाकिस्तान मेहरबान

पश्चिमी देशों में जाने की समयसीमा बढ़ाई

इस्लामाबाद, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान में कथित तौर पर बिना दस्तावेजों के रहने वाले अफगान शरणार्थियों को दूसरे देशों में भेजे जाने का क्रम लगातार बना हुआ है। हालांकि इन शरणार्थियों को पश्चिमी देशों में भेजने की समय सीमा आगे बढ़ा दी गई है।

खबरों के अनुसार बढ़ते अंतरराष्ट्रीय दबाव के बीच पाकिस्तानी प्रशासन ने अफगान नागरिकों की स्वदेश वापसी की समय सीमा 29 फरवरी तक बढ़ा दी है। यह फैसला अमेरिका के विशेष प्रतिनिधि थॉमस वेस्ट के पाकिस्तान दौरे के बाद हुआ है। थॉमस वेस्ट ने अमेरिका दौरे पर पाकिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री जलील अब्बास जिलानी से मुलाकात की। इसके एक सप्ताह के बाद कार्यवाहक सूचना मंत्री मुर्तजा सोलांगी ने कहा, अफगान शरणार्थियों के लिए तय समयसीमा 31 दिसंबर से बढ़ाकर 29 फरवरी, 2024 की गई है। उन्होंने कहा कि यह फैसला अफगान नागरिकों को किसी तीसरे देश में जाने का पर्याप्त समय देने के मकसद से लिया गया है। इस फैसले से शरणार्थियों को कानूनी दस्तावेज प्राप्त करने की मोहलत के साथ-साथ मदद भी मिलेगी। सरकार के मुताबिक शरणार्थियों की निकासी व्यवस्था को जल्द से जल्द अंतिम रूप देने का प्रयास किया जा रहा है। डॉन अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान शरणार्थियों को दूसरे देशों में भेजने के लिए पुनर्वास योजना बना रहा है।

इस संबंध में पाकिस्तान की कार्यवाहक कैबिनेट की बैठक भी हुई। रिपोर्ट के मुताबिक पश्चिम की यात्रा के दौरान दोनों पक्षों (अमेरिका और पाकिस्तान) ने कई मुद्दों पर चर्चा की। इसमें बिना दस्तावेज वाले अफगानों के खिलाफ चल रहे अभियान भी शामिल है। बता दें कि मानवाधिकार कार्यकर्ताओं और संयुक्त राष्ट्र अधिकारियों ने बिना समुचित दस्तावेज के अफगान शरणार्थियों को जबरन पाकिस्तान से निकाले जाने की व्यापक आलोचना की है।

अफगानिस्तान के आकाश में मंडरा रहे 'पाकिस्तानी ड्रोन'

पंजाब बॉर्डर से है इनका सीधा नाता

लाहौर, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। बीते कुछ दिनों से अफगानिस्तान के आकाश में कुछ पाकिस्तान ड्रोन दिखने की कई घटनाएं सामने आई हैं। अफगानिस्तान के आकाश में उड़ने वाले ड्रोन को लेकर तालिबानी सरकार ने पाकिस्तान से शिकायत दर्ज की है। बताया जा रहा है कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच खराब हो रहे रिश्तों के चलते आपस में तकरार बढ़ रही है। वहीं खुफिया एजेंसियों के सूत्रों का कहना है कि जिन ड्रोन का इस्तेमाल पाकिस्तान अफगानिस्तान के बॉर्डर पर कर रहा है, ठीक वही ड्रोन पाकिस्तान भारत में पंजाब और राजस्थान के बॉर्डर पर तस्करी में इस्तेमाल करता है। ये वही ड्रोन हैं जो चीन पाकिस्तान को मुहैया करता है।

बीते कुछ समय से पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच रिश्तों की कड़वाहट लगातार बढ़ रही है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के एयरस्पेस में कानून को दरकिनार कर ड्रोन उनकी सीमा के अंदर भेज दिया। खुफिया एजेंसियों को मिले इनपुट बताते हैं कि यह ड्रोन अफगानिस्तान के खोस्त प्रांत में पाकिस्तान की ओर से भेजा गया था। बीते कुछ दिनों से पाकिस्तान में रह रहे अफगानी शरणार्थियों को वापस भेजा जा रहा है। उसी के चलते लगातार माहौल तल्ख बना हुआ है। इसी दौरान बीते कुछ दिनों में पाकिस्तान की ओर से अफगानिस्तान के अलग-अलग बॉर्डर इलाकों में ड्रोन भेजे जाने की घटनाएं सामने आई हैं।

सूत्रों के मुताबिक पिछले एक सप्ताह के भीतर तीन बार पाकिस्तान की ओर से खोस्त प्रांत में ड्रोन के

माध्यम से घुसपैठ की गई। इस घुसपैठ को लेकर अफगानिस्तान की इंटीरियर मिनिस्ट्री ने पाकिस्तान से आपत्ति भी जताई है। सूत्रों के मुताबिक दरअसल पाकिस्तान इस तरीके से घुसपैठ कर अफगानिस्तान के इलाकों में उन टीटीपी के आतंकियों को ढूंढने की एक कोशिश कर रहा है, जो लगातार पाकिस्तान पर हमलावर है। इसके अलावा बताया यह भी जा रहा है कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बॉर्डर पर स्थितियां इतनी नाजुक हो चुकी हैं कि दोनों मुल्कों से आने जाने वालों पर कड़े सख्त प्रतिबंध लगाए गए हैं। रक्षा मामलों के विशेषज्ञ और इस इलाके को करीब से समझने वाले रिटायर्ड लेफ्टिनेंट कर्नल मनदीप पुरी कहते हैं कि दोनों देशों के तल्ख रिश्तों में ड्रोन उड़ाने की घटनाओं से हालात और बिगड़ रहे हैं। वह कहते हैं कि पाकिस्तान हमेशा से अफगानिस्तान में अपना आधिपत्य चाहता था। लेकिन तालिबानी सरकार के बनने के बाद से यह मौका उसके हाथ से फिसलता गया। अब जब दोनों देशों के बॉर्डर पर हालात तंग हैं, तो पाकिस्तान ने वही काम शुरू किया, जो वह भारत के बॉर्डर पर करता आया है। सूत्रों के मुताबिक पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के आकाश में जो ड्रोन उड़ाया है, उसका पंजाब और राजस्थान के बॉर्डर इलाकों में उड़ाए जाने वाले ड्रोन से सीधा वास्ता है। खुफिया एजेंसी से जुड़े सूत्रों की मानें तो पाकिस्तान पंजाब और राजस्थान के बॉर्डर इलाकों में इन्हीं ड्रोन के माध्यम से अवैध तस्करी को बढ़ावा देता आया है। अफगानिस्तान की ओर से आपत्ति दर्ज किए जाने के बाद शुरुआती दौर में पता यही चला है कि पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के इलाके में उन्हें ड्रोन का इस्तेमाल किया है जो पंजाब और राजस्थान के इलाके में करता आया है।

रक्षा मामलों के जानकार लेफ्टिनेंट कर्नल मनदीप पुरी कहते हैं कि पाकिस्तान के पास अधिकतर ड्रोन चीन से मिले हैं। यह वही ड्रोन हैं जिनसे वह हथियारों से लेकर ड्रग्स को बॉर्डर के उस पार पहुंचाने का काम करता है। वह कहते हैं कि अब पाकिस्तान की ओर से अफगानिस्तान के बॉर्डर इलाके में ड्रोन क्यों उड़ाए गए, यह तो उन दो देशों का आपस का मसला है। लेकिन पाकिस्तान हमेशा से पड़ोसी मुल्कों में माहौल खराब करने के लिए ड्रोन के माध्यम से अवैध ड्रग्स और हथियारों के तस्करी तो करता ही आया है। वह कहते हैं कि भारत में अवैध रूप से नशे की तस्करी के लिए अफगानिस्तान हमेशा से पाकिस्तान के लिए एक बड़ा जरिया रहा है। ऐसे में यह कहना मुश्किल नहीं होगा कि पाकिस्तान वहां पर सख्ती के चलते अपने इसी तस्करी वाले नेटवर्क को सक्रिय करना चाहेगा।

भजनलाल शर्मा और दीया कुमारी-प्रेमचंद बैरवा आज लेंगे शपथ

समारोह में मोदी-शाह भी होंगे शामिल, तैयारियां शुरू; गहलोत ने भी दी बधाई

जयपुर, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। भजनलाल शर्मा 14वें मुख्यमंत्री के तौर पर 15 दिसंबर को शपथ लेंगे। इसके लिए प्रदेश भाजपा कार्यालय में मीटिंग हुई। इसमें मनोनीत मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के अलावा प्रदेश भाजपा के बड़े नेता मौजूद रहे। शपथ ग्रहण समारोह 15 दिसंबर को सुबह 11:15 बजे अल्बर्ट हॉल के बाहर होगा।

समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भी शामिल होंगे। कार्यक्रम के लिए भाजपा शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों और उप मुख्यमंत्रियों को न्योता भेजा जा रहा है। इसी दिन दोनों उपमुख्यमंत्री भी शपथ लेंगे।

वहीं, सोशल मीडिया पर अशोक गहलोत ने भजनलाल शर्मा को मुख्यमंत्री मनोनीत होने की बधाई दी तो भजनलाल शर्मा ने भी उनका आभार जताया।

गेस्ट हाउस में शिफ्ट किया गया

मनोनीत मुख्यमंत्री भजनलाल को परिवार सहित जयपुर में चंबल पावर के गेस्ट हाउस में शिफ्ट किया गया। अब नई सरकार के स्वरूप पर चर्चाएं चल रही हैं। वहीं, विधायकों ने मंत्री बनने के लिए कोशिशें शुरू कर दी हैं। हालांकि, मंत्रिमंडल का शुरुआती स्वरूप कैसा होगा, इसको लेकर अलग-अलग कयास हैं।

मां और बेटे ने लगाया गले

दीया कुमारी मंगलवार रात जब जयपुर के सिटी पैलेस पहुंचीं तो उनका जोरदार स्वागत किया गया। दीया कुमारी की मां पद्मिनी देवी भावुक हो गईं और उन्हें गले लगा लिया। वहीं दीया कुमारी के छोटे बेटे लक्ष्यराज प्रकाश सिंह भी उनसे गले मिले और बधाई दी। इसके साथ ही सिटी पैलेस, जयगढ़ के स्टाफ ने भी उनका स्वागत किया।

डिप्टी सीएम दीया कुमारी ने कहा- राजस्थान में महिला अपराध बहुत बड़ा मुद्दा रहा है। प्रदेश में जहां भी ऐसी घटना हुई है, वहां भाजपा की टीम पहुंची है। पीड़ित या पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए भाजपा की टीम ने पूरा प्रयास किया है। कांग्रेस की सरकार गहरी नींद में सो रही थी। भाजपा के संकल्प पत्र में भी यह स्पष्ट है कि महिला अपराध बिल्कुल भी सहा नहीं जाएगा।

शपथ ग्रहण समारोह को लेकर प्रदेश भाजपा कार्यालय में मीटिंग हुई। यहां समारोह को लेकर अलग-अलग नेताओं की जिम्मेदारियां तय की गईं। अल्बर्ट हॉल के बाहर होने वाले समारोह में एक लाख से अधिक लोगों के शामिल होने की संभावना है।

शपथ की तैयारी शुरू

अल्बर्ट हॉल पर 15 दिसंबर को नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित होगा। अल्बर्ट हॉल के सामने मुख्य मंच बनाया जा रहा है। वहीं, दोनों तरफ दो अन्य मंच बनाए जा रहे हैं। जहां विशेष आमंत्रित सदस्यों और नव निर्वाचित विधायकों के बैठने की व्यवस्था होगी।

अल्बर्ट हॉल पर 15 दिसंबर को नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित होगा। अल्बर्ट हॉल के सामने मुख्य मंच बनाया जा रहा है। वहीं, दोनों तरफ दो अन्य मंच बनाए जा रहे हैं। जहां विशेष आमंत्रित सदस्यों और नव निर्वाचित विधायकों के बैठने की व्यवस्था होगी।

हाईकमान ने तय किया था नाम

सांगानेर से विधायक भजनलाल शर्मा को मंगलवार को विधायक दल का नेता चुना गया। प्रदेश भाजपा कार्यालय में विधायक दल की बैठक हुई, जिसमें भाजपा हाईकमान द्वारा तय शर्मा के नाम का ऐलान किया गया।

नए मुख्यमंत्री के लिए भजनलाल के नाम का प्रस्ताव वसुंधरा राजे ने रखा और सभी ने उनके नाम पर सहमति जताई। दीया कुमारी और प्रेमचंद बैरवा उप मुख्यमंत्री होंगे। वहीं, अजमेर उत्तर से विधायक वासुदेव देवनानी विधानसभा स्पीकर होंगे।

भजनलाल संघ पृष्ठभूमि से आते हैं। वे मूलतः भरतपुर के रहने वाले हैं। भजनलाल प्रदेश महामंत्री के पद पर भी थे।

भाजपा ने तीनों बड़े पद जयपुर को ही दिए हैं। भजनलाल जयपुर की सांगानेर सीट से विधायक हैं, वहीं दीया कुमारी जयपुर की विद्याधर नगर सीट से जीती हैं जबकि बैरवा जयपुर जिले की दूदू सीट से विधायक हैं।

आखिरी पंक्ति में खड़े थे भजनलाल शर्मा

विधायक दल की बैठक से पहले राजनाथ सिंह के साथ सभी विधायकों का ग्रुप फोटो सेशन हुआ। इस दौरान वसुंधरा राजे, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बिल्कुल बगल में बैठी थीं। वहीं भजनलाल शर्मा आखिरी पंक्ति में खड़े थे। दीया कुमारी, प्रेमचंद बैरवा दूसरी पंक्ति में थे, वहीं वासुदेव देवनानी पहली पंक्ति में बैठे हुए थे।

सरकार बनाने का दावा पेश किया

विधायक दल की बैठक के बाद मंगलवार को भजनलाल शर्मा सहित सभी भाजपा नेता राजभवन पहुंचे। यहां उन्होंने राज्यपाल से मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश किया। नई सरकार के शपथ ग्रहण के दिन यानी 15 दिसंबर को भजनलाल शर्मा का जन्मदिन भी है। शपथ से पहले भजनलाल गिरिराज महाराज के दर्शन करने के लिए भरतपुर भी जाएंगे।

भजनलाल शर्मा ने कहा- भाजपा के सभी नेताओं के साथ मिलकर राजस्थान का सर्वांगीण विकास करेंगे। उनको विधानसभा चुनाव में सांगानेर से विधायक अशोक लाहोटी का टिकट काटकर उतारा गया था।

वसुंधरा को होटल में बता दिया था- वे सीएम नहीं होंगी

राजनाथ सिंह नए मुख्यमंत्री का नाम लेकर आए। बैठक से पहले उन्होंने होटल में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे से वन-टु-वन बातचीत की। दोनों के बीच करीब 10 मिनट तक बातचीत चली। इसके बाद सभी नेताओं के बीच भी कुछ देर चर्चा हुई।

सूत्रों के मुताबिक राजनाथ सिंह ने होटल में ही वसुंधरा को बता दिया था कि उन्हें राजस्थान का मुख्यमंत्री नहीं बनाया जा रहा है। हालांकि नए सीएम के नाम की जानकारी उन्हें विधायक दल की बैठक से ऐन पहले ही दी गई।

ब्राह्मण, राजपूत और दलित कार्ड

भाजपा ने मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री के चयन के जरिए ब्राह्मण, राजपूत और दलित कार्ड खेला है। ब्राह्मण को मुख्यमंत्री और राजपूत को उप मुख्यमंत्री बनाकर सामान्य वर्ग में भी भाजपा ने एक बड़ा मैसेज दिया है। वहीं प्रेमचंद बैरवा को उप मुख्यमंत्री बनाकर दलित कार्ड भी खेला है।

33 साल बाद ब्राह्मण सीएम

राजस्थान में 33 साल बाद ब्राह्मण चेहरे को मुख्यमंत्री बनाया गया है। इससे पहले कांग्रेस से हरिदेव जोशी राजस्थान के तीन बार सीएम रहे हैं। वे 1973 से 1977 तक, फिर 1985 से 1988 तक और फिर 1989 से 1990 तक सीएम रहे।

प्रेमचंद बैरवा बोले- मेरे टिकट का पता नहीं था

अब मुझे डिप्टी सीएम बना दिया, यह चौंकाने वाला काम प्रधानमंत्री मोदी ही कर सकते हैं

जयपुर, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। विधानसभा चुनाव के नतीजों के करीब 10 दिन बाद प्रदेश को नया मुख्यमंत्री और दो उप मुख्यमंत्री मिल गए हैं। भाजपा ने सांगानेर विधायक भजन लाल शर्मा को सीएम बनाया है, जबकि विद्याधर नगर विधायक दीया कुमारी और दूदू विधायक प्रेमचंद बैरवा को उप मुख्यमंत्री बनाया है।

खुद को डिप्टी सीएम बनाए जाने पर प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि एक साधारण से कार्यकर्ता को इतनी बड़ी जिम्मेदारी देने का काम केवल भाजपा में ही हो सकता है। उन्होंने कहा कि मुझे तो मेरे टिकट का भी पता नहीं था, लेकिन अब मुझे डिप्टी सीएम बना दिया। यह चौंकाने वाला फैसला पीएम मोदी और भारतीय जनता पार्टी ही कर सकती है। उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि यह भारतीय जनता पार्टी ही है, जिस साधारण कार्यकर्ता को यह भी पता नहीं होता कि उसे क्या दायित्व मिलेगा, उसे इतना बड़ा पद दे सकती है। बीजेपी ही है जो गरीब तबके को भी ऊपर तक उठाती है। मुझे यह दायित्व देने पर मैं भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व और प्रदेश नेतृत्व का बहुत-बहुत आभारी हूं। उन्होंने कहा कि डिप्टी सीएम पर मेरा नाम अनाउंस होगा, इसका मुझे बिल्कुल भी पता नहीं था। मुझे तो मेरे टिकट का भी पता नहीं था। इस दायित्व का भी मुझे पता नहीं था, लेकिन यह चौंकाने वाला काम केवल पीएम नरेंद्र मोदी ही कर सकते हैं और भारतीय जनता पार्टी कर सकती है।

जीतने के बाद सभी से मिला, सभी हमारे वरिष्ठ हैं

चुनाव जीतने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे से मिलने के सवाल पर उन्होंने कहा कि यह मीडिया की बातें हैं। हम सभी से मिलते हैं, सभी हमारे वरिष्ठ हैं। सभी से मिलने का हमारा काम है। सभी वरिष्ठ नेताओं से मिलना चाहिए। उनका आशीर्वाद और मार्गदर्शन भी लेना चाहिए। बता दें कि प्रेमचंद बैरवा को वसुंधरा गुट का माना जाता है। चुनाव जीतने के अगले दिन वह उन विधायकों में शामिल थे, जो वसुंधरा राजे के आवास पर मिलने के लिए पहुंचे थे।

पहली बार के विधायक भजनलाल शर्मा को मुख्यमंत्री बनाए जाने के सवाल पर उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि भजनलाल शर्मा को संगठन में काम करने का लंबा अनुभव है और जो संगठन में काम करते हैं, उनकी मॉनिटरिंग केंद्रीय नेतृत्व और प्रदेश नेतृत्व सीधे तौर पर करता है। भजनलाल शर्मा को उनके अनुभव के आधार पर यह दायित्व दिया गया है। उन्होंने कहा कि हमारे कई वरिष्ठ विधायक हैं, जो 5 से 7वीं बार जीतकर विधानसभा पहुंचे हैं। उन सभी का मार्गदर्शन लेकर हम काम करेंगे। पहली प्राथमिकता और मंत्रालय को लेकर पूछे गए सवाल पर उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि मुझे जो भी दायित्व दिया जाएगा, उसे पूरी ईमानदारी से करुंगा। राजस्थान का भला किस तरह से हो, इस पर काम करूंगा।

उन्होंने कहा कि राजस्थान देश का पहला राज्य है, जहां पर दलित और महिला अत्याचार बढ़े हैं। निश्चित रूप से हम उन पर फोकस रखेंगे। दलितों को किस तरह मुख्यधारा में जोड़ा जाए, उस पर काम करेंगे।

गोगामेड़ी के हत्यारों की खून से सनी जैकेट बरामद

भागते समय सुनसान जगह पर फेंकी थी; हथियार सप्लायर पर 2 लाख का इनाम

जयपुर, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी हत्याकांड के आरोपियों से पूछताछ में कई खुलासे सामने आ रहे हैं। गोगामेड़ी के मर्डर के दौरान बदमाशों की जैकेट पर कई जगह पर खून लग गया था। अजमेर रोड की तरफ भागते समय बदमाशों ने जैकेट बदल ली थी और खून लगी जैकेट सुनसान जगह पर फेंक दी थी। रिमांड में नितिन फौजी ने पुलिस को बताया कि गोगामेड़ी की हत्या के दौरान उसकी जैकेट पर खून लग गया था। मर्डर के बाद वह रामवीर के साथ बाइक पर अजमेर रोड पर बगरू टोल प्लाजा की तरफ भागे थे। इस दौरान टोल से पहले सुनसान जगह पर खून से सनी जैकेट फेंक दी थी।

पुलिस ने मौके पर जाकर नितिन फौजी और रोहित दोनों की जैकेट को मुख्य रोड के पास से बरामद कर ली और खून के सैंपल लेकर एफएसएल को भेज दिए हैं।

मर्डर के 15 दिन पहले भी नवीन और रोहित ने की थी रेकी

पुलिस जांच में सामने आया कि गोगामेड़ी के मर्डर से करीब 15 दिन पहले नवीन सिंह शेखावत और रोहित राठौड़ ने रेकी की थी। उसके बाद गोगामेड़ी चुनावों के चलते जयपुर से बाहर चले गए थे। इस दौरान मास्टरमाइंड ने हरियाणा से नितिन फौजी को जयपुर भेज दिया।

उधर, गोगामेड़ी को मारने वाले शूटरों के जयपुर में रुकने की व्यवस्था करने वाले और हथियार उपलब्ध कराने वाले महेंद्र उर्फ समीर पर पुलिस मुख्यालय से एडीजी क्राइम दिनेश एमएन ने 2 लाख रुपए का इनाम घोषित किया है। 5 दिसंबर को गोगामेड़ी की हत्या के बाद महेंद्र हथियारों का शूटरों के हथियार लेकर महेंद्र उर्फ समीर फरार हो गया था और अब तक पुलिस की पकड़ से दूर है।

पुलिस को अंदेशा है कि फरार चल रहे महेंद्र निवासी गुमानपुरा (कोटा) के पास एके-47 और करीब आधा दर्जन छोटे ऑटोमेटिक हथियारों का जखीरा है, क्योंकि पुलिस को महेंद्र के फ्लैट की तलाशी के दौरान कई अहम सुराग मिले हैं। महेंद्र की पत्नी पूजा सैनी को 2 दिन पहले पकड़ पुलिस ने पकड़ा था। उससे पूछताछ में भी पुलिस को कई लीड मिली है। फ्लैट से मिले महेंद्र के मोबाइल से भी पुलिस को कई जानकारी मिली है। पूजा के पास से पुलिस को एक फोटो मिली हैं, जिसमें उसके फ्लैट पर एके-47 रखी हुई है। यह एके-47 राजू ठेहट हत्याकांड के लिए मंगवाई गई थी।

जयपुर पुलिस की एसआईटी ने हत्याकांड से जुड़ी केस फाइल और पकड़े गए आरोपी एनआईए को सौंप दिए। केंद्रीय गृह विभाग से अनुमति मिलने के बाद एनआईए ने इस संबंध में केस दर्ज कर लिया था। इस कारण से अब एनआईए इस हत्याकांड के आरोपियों और हथियार तस्करों को पकड़ने पर काम करेगी। जयपुर पुलिस आवश्यकता होने पर एनआईए की मदद करेगी। एनआईए को जांच इस लिए दी गई है कि पता चल सके कि हत्या किसने कराई और इस हत्या से किसे फायदा हो रहा था।

5 दिसंबर को दोपहर करीब 1:03 बजे 2 बदमाशों ने गोगामेड़ी पर गोलियां चलाईं, फिर भाग निकले थे। गोगामेड़ी को मेट्रो मास हॉस्पिटल ले जाया गया था, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया था। गोगामेड़ी के साथ घटना के दौरान मौजूद गार्ड अजीत सिंह गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हो गए थे। बदमाशों की फायरिंग में नवीन शेखावत की भी मौत हो गई थी। नवीन ही बदमाशों को गोगामेड़ी के घर ले गया था।

सत्ता के साथ अफसरशाही में भी बदलेगा रिवाज

प्रमुख सचिव से लेकर अन्य बड़े अफसरों की हो सकती है बदली

जयपुर, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। पिछले दो दशकों से चले आ रहे सत्ता परिवर्तन के रिवाज को चाहे राजस्थान की जनता ने न बदला हो लेकिन अफसरशाही में परिवर्तन होना तय नजर आ रहा है। नई सरकार के सत्ता में आते ही प्रमुख सचिव समेत कई प्रशासनिक स्तर पर कई महत्वपूर्ण पदों में परिवर्तन की संभावना है।

नए मुख्यमंत्री के 15 दिसंबर को शपथ ग्रहण के साथ ही सबसे पहला बदलाव मुख्यमंत्री सचिवालय में होने की संभावना है। कई आईपीएस और आईएएस अफसरों ने नए सीएम से मुलाकात की है। इसमें प्रमुख सचिव आलोक गुप्ता से उनकी मुलाकात को अहम माना जा रहा है। संभावना है कि आलोक गुप्ता सीएम के प्रमुख सचिव हो सकते हैं।

गुप्ता के अलावा केंद्र में प्रतिनियुक्ति पर तैनात नरेश पाल गंगवार का नाम भी सीएम प्रमुख सचिव के दावेदारों में शामिल बताए जा रहे हैं।

राजस्थान काडर में 1994 बैच के आईएएस नरेश पाल गंगवार राजस्थान समेत केन्द्र में कुल 33 अलग-अलग पदों पर सेवाएं दे चुके हैं। वर्तमान में अतिरिक्त सचिव, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के पद पर सेवाएं दे रहे हैं।

राजस्थान कैडर के वरिष्ठ आईएएस आलोक गुप्ता 1996 बैच के अधिकारी हैं और मूल रूप से अलवर के रहने वाले हैं। वर्तमान में वे प्रमुख शासन सचिव, प्रशासनिक सुधार एवं समन्वय, जन अभियोग निराकरण, मुद्रण एवं लेखन सामग्री विभाग एवं जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग, राजस्थान के पद पर सेवाएं दे रहे हैं।

आम तौर पर सरकार बदलाव के साथ ही नौकरशाही में भी बदलाव होता रहता है लेकिन पिछले दो दशकों से चली आ रही परंपरा के अनुसार दोनों ही आश्रम के मुखिया अपने-अपने मदरसे की वकालत कर रहे हैं।लेकिन इस बार मुख्यमंत्री के रूप में नया चेहरा आने के साथ ही प्रशासनिक स्तर पर बदलाव आने के संकेत नजर आ रहे हैं।

क्या है वो मानहानि मामला?

जिसमें फंसे हैं अशोक गहलोत, कोर्ट ने खारिज की पूर्व सीएम की याचिका

जयपुर, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को मानहानि मामले में दिल्ली की रॉउज एवन्यू कोर्ट से झटका लगा है। पूर्व सीएम ने ट्रायल कोर्ट द्वारा जारी समन को चुनौती दी थी। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने उनके खिलाफ मानहानि का मामला दर्ज कराया था। जिसमें अशोक गहलोत ने उन पर संजीवनी घोटाले में कथित तौर पर शामिल होने का आरोप लगाया था। दिल्ली की रॉउज एवेन्यू की सेशन कोर्ट ने अशोक गहलोत की अर्जी खारिज कर दी। जिसके बाद उन्हें राहत मिलती नजर नहीं आ रही है।

केंद्रीय मंत्री पर लगाया था घोटाले में शामिल होने का आरोप

बता दें कि अशोक गहलोत ने केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत पर संजीवनी सोसायटी घोटाले में लिप्त होने का आरोप लगाया था। जिसमें लाखों निवेशकों के साथ करोड़ों रुपए की ठगी हुई थी। हालांकि, शेखावत ने अशोक गहलोत के आरोपों को खारिज करते हुए कहा था कि संजीवनी घोटाले में जांच की गई थी, जिसमें उनका नाम शामिल नहीं था।

केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने पूर्व सीएम अशोक गहलोत द्वारा उनके ऊपर लागाए आरोपों को लेकर आपराधिक मानहानि का केस दर्ज कराया था। जिसके बाद कोर्ट ने उनके खिलाफ समन जारी किया। अब कोर्ट ने केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत द्वारा दर्ज आपराधिक मानहानि शिकायत में अशोक गहलोत को राहत देने से इनकार कर दिया।

माउंट आबू लगातार चौथे दिन पारा शून्य पर

गंगानगर, हनुमानगढ़ में छाए बादल, उदयपुर में सीजन का सबसे कम तापमान; 19 दिसंबर से बढ़ेगी सर्दी

जयपुर, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में सर्दी अभी स्थिर बनी हुई है। हिल स्टेशन माउंट आबू में लगातार चौथे दिन मिनिमम तापमान जमाव बिंदु यानी शून्य पर दर्ज हुआ। गंगानगर, हनुमानगढ़, बीकानेर बेल्ट में आज सुबह आसमान में हल्के बादल छाए हुए हैं। यहां बारिश होने की संभावना बहुत कम है। शहरों में आज न्यूनतम तापमान भी कल के समान ही है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि राज्य में अगले 4 दिन मौसम इसी तरह बना रहने की संभावना है, लेकिन 18 दिसंबर से राजस्थान समेत मध्य भारत के कई राज्यों में तापमान गिरना शुरू होगा। सर्दी तेज होने लगेगी।

उत्तरी राजस्थान के जिलों को छोड़कर शेष राज्य में आज आसमान साफ है। सुबह से धूप है। जयपुर, बीकानेर, जोधपुर, कोटा में आज न्यूनतम तापमान भी कल की तरह रहा। माउंट आबू में आज भी सुबह वादियों में हल्की बर्फ जमी नजर आई। यहां पिछले 4-5 दिन से तापमान जमाव बिंदु पर दर्ज हो रहा है।

उदयपुर में आज तापमान में करीब एक डिग्री सेल्सियस की गिरावट हुई, जिससे यहां का मिनिमम तापमान 8.9 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। ये इस सीजन में यहां का सबसे कम तापमान दर्ज हुआ। उदयपुर में आज सुबह हल्की धुंध रही, लेकिन सूरज चढ़ने के साथ ही मौसम साफ हो गया। उदयपुर के अलावा डूंगरपुर में भी आज तापमान गिरकर 10.9 पर आ गया, जो शहर का इस सीजन का सबसे कम तापमान रहा।

राजस्थान में आज 14 शहरों में रात का मिनिमम तापमान सिंगल डिजिट में दर्ज हुआ। इसमें माउंट आबू के अलावा भीलवाड़ा, अलवर, पिलानी, सीकर, उदयपुर, बारां, सिरोही, फतेहपुर, करौली, जैसलमेर, चूरू, गंगानगर, हनुमानगढ़ और जालोर शामिल है।

मौसम विशेषज्ञों का मानना है कि राज्य में अगले सप्ताह के मिड से सर्दी तेज होने लगेगी। क्योंकि एक वेस्टर्न डिस्टर्बेंस 16 से 18 दिसंबर के पहाड़ी राज्यों (जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश) में बर्फबारी करेगा। ये सिस्टम 18 को आगे निकल जाएगा और 19-20 दिसंबर से उत्तर भारत से बर्फीली हवाएं चलनी शुरू होगी। इन सर्द हवाओं से पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान के साथ पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश और गुजरात उतरी हिस्सों में तापमान गिरेगा और सर्दी बढ़ेगी।

किसानों के मन मुताबिक मिलेगा इस बार पानी

नहर को चार भागों में बांटकर दो बारी पानी दिया जाएगा, नया रेगुलेशन जारी

बीकानेर, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। सरकार बदलने के साथ ही पश्चिमी राजस्थान के किसानों को मन मुताबिक नहरी पानी मिलने का रास्ता साफ हो गया है। अब तक नहर को तीन हिस्सों में बांटकर एक बारी पानी दिया जा रहा था लेकिन अब चार हिस्सों में विभक्त कर दो बारी पानी देने का निर्णय किया गया है। इससे किसानों की रबी की फसल को काफी लाभ मिल सकता है। हनुमानगढ़ में पिछले दिनों हुई बैठक में इस आशय का निर्णय लिया गया था, जिसके बाद अब रेगुलेशन जारी हो गया है। अब इंदिरा गांधी नहर परियोजना की फसल रबी 2023 - 24 के दौरान 14 दिसंबर 2023 सुबह 6 बजे से दिनांक 31 दिसंबर 2023 सुबह 6 बजे तक नहरों को 4 में से दो समूह में चलाने के लिए अनिवार्य आवश्यकता समूहों का विवरण और चक्रीय कार्यक्रम जारी किया गया है।

प्रेमी जोड़े ने एसपी से लगाई सुरक्षा की गुहार

घर से भागकर की लव मैरिज, एक ही मोहल्ले के रहने वाले हैं दोनों

चूरू, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। चूरू में परिजनों से धमकी मिलने के बाद प्रेमी जोड़े ने एसपी ऑफिस पहुंचकर सुरक्षा की गुहार लगाई है। एक दूसरे को छत से देखते देखते हुए युवक युवती को प्यार हो गया। प्यार परवान चढ़ा तो दोनों ने घर से भागकर अजमेर के आर्य मंदिर में लव मैरिज कर ली। परिजनों को जब दोनों के शादी करने की बात का पता चला तो परिजन दोनों को धमकी देने लगे। एसपी ऑफिस में सुजानगढ़ के वार्ड 33 निवासी प्रिया

रैगर (21) और उसी वार्ड के राजेश (23) ने बताया कि दोनों में पिछले पांच साल से जान पहचान है। दोनों एक ही मोहल्ले के रहने वाले हैं। दोनों शुरू में पहले एक दूसरे को छत पर खड़े होकर देखते थे। कभी प्रिया के स्कूल जाते समय राजेश उससे बात कर लिया करता था। इसके बाद दोनों में मोबाइल पर बात करने का सिलसिला शुरू हो गया। दोनों का प्यार परवान चढ़ने लगा। दोनों ने एक दूसरे के साथ जीने मरने और साथ रहने की कसम खाई। करीब डेढ़ साल पहले ही दोनों ने घर से भागकर शादी करने की ठान ली।

सनावड़ा की खदानों में दिखाई दिए पैंथर के पैरों के निशान, इलाके में खौफ का माहौल

जैसलमेर, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। पोकरण क्षेत्र के सनावड़ा ग्राम पंचायत की ग्रेनाइट की खदानों में कार्य कर रहे उदयपुर निवासी श्रमिक मुकेश को एक पैंथर अपने दो शावकों के साथ नजर आई। सांकड़ा थानाधिकारी आदेश कुमार ने बताया कि सनावड़ा स्थित ग्रेनाइट की खदानों पर कार्यरत उदयपुर निवासी श्रमिक मुकेश ने एक मादा पैंथर को अपने शावकों के साथ खदान के गड्ढों में जमा पानी को पीते हुए देखा। जिसकी सूचना मुकेश ने सांकड़ा पुलिस थाना में दी। बताया जा रहा है कि सूचना पाकर थानाधिकारी आदेश कुमार मय टीम मौके पर पहुंचे। मुकेश ने पुलिस को बताया कि यह मादा पैंथर पिछले दो दिनों से ग्रेनाइट की खदानों में डेरा जमाए हुए हैं।

प्रजा भवन में कोई नया निर्माण नहीं होगा : रेवंत

हैदराबाद, 14 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने गुरुवार को कहा कि राज्य सरकार प्रजा भवन को उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क के आधिकारिक निवास के रूप में आवंटित किया है। शेष परिसर का उपयोग कार्यालय स्थान के रूप में पूरी तरह से करेगी। गुरुवार को यहां कैबिनेट बैठक के बाद मीडिया से अनौपचारिक बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि प्रजा भवन में कोई नया निर्माण नहीं किया जाएगा। उन्होंने बताया कि उनके आवासीय उपयोग हेतु एमसीआरएचआरडी संस्थान परिसर में नये भवन के निर्माण का प्रस्ताव विचाराधीन है।

उन्होंने यह भी संकेत दिया कि प्रजा भवन के अन्य ब्लॉकों को आवश्यकतानुसार अन्य मंत्रियों के लिए आवासीय बंगले के रूप में आवंटित करने पर विचार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वह पसंद करेंगे कि विधानसभा और परिषद दोनों भवन पास-पास स्थित हों। उन्होंने कहा, सरकार जुबली हॉल का नवीनीकरण करेगी और इस प्रतिष्ठित इमारत को भावी पीढ़ियों के लिए संरक्षित करेगी। विधानसभा का चालू सत्र कितने दिनों तक चलने की संभावना है, इस पर उन्होंने कहा कि शुक्रवार को होने वाली बीएसी की बैठक में कार्यक्रम तय किया जाएगा।

वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा शानदार पोस्टिंग के लिए की जा रही गहन पैरवी पर एक सवाल का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी ने पोस्टिंग के लिए उनसे संपर्क नहीं किया है और उनकी सरकार में अधिकारियों की कोई खोज-खबर नहीं ली जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि बीआरएस सरकार के तहत कृषि के लिए बिजली की आपूर्ति शायद ही कभी 12 से 13 घंटे से अधिक बढ़ाई गई थी, उन्होंने कहा कि तथ्यों और आंकड़ों का उचित समय पर खुलासा किया जाएगा।

मुधोल विधायक ने ली हिंदी में शपथ

निर्मल, 14 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुधोल निर्वाचन क्षेत्र में 15 बार चुनाव हुए हैं, जिसमे 7 बार कांग्रेस उम्मीदवार, 3 बार टीडीपी उम्मीदवार, 2 बार निर्दलीय उम्मीदवार और 2 बार टीआरएस उम्मीदवार ने जीत हासिल की। हालिया चुनाव में बीजेपी उम्मीदवार की जीत हुई और पवार रामराव पाटिल ने गुरुवार को मुधोल निर्वाचन क्षेत्र से विधान सभा सदस्य के रूप में शपथ ली।

प्रसाद कुमार द्वारा विधानसभा अध्यक्ष का कार्यभार संभालने के बाद अपने साथी भाजपा विधायकों के साथ सदन में प्रवेश करने वाले मुधोल विधायक रामराव पाटिल ने उनकी उपस्थिति में विधान सभा के सदस्य के रूप में शपथ ली। गुरुवार को प्रसाद कुमार के विधानसभा अध्यक्ष का पद संभालने के बाद बीजेपी विधायकों ने शपथ ली। पवार रामराव पाटिल ने मुधोल विधायक पद की शपथ हिंदी में ली।

चुनाव के संचालन में पुलिसकर्मियों का प्रदर्शन सराहनीय : एसपी

निर्मल, 14 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के एसपी सी प्रवीण ने कहा कि समन्वय बनाकर चुनाव के सफल संचालन में अहम भूमिका निभाने वाले पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों का प्रदर्शन सराहनीय है। गुरुवार को एसपी ने तेलंगाना राज्य विधानसभा चुनाव को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में कड़ी मेहनत करने वाले पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशंसा पत्र सौंपे। इस अवसर पर बोलते हुए एसपी ने कहा बिना किसी घटना के पूरी तरह से शांतिपूर्ण माहौल में चुनाव ड्यूटी के दौरान अधिकारियों व कर्मचारियों ने जिस तरह से मेहनत की, वह प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में पुलिस द्वारा अन्य सरकारी विभागों के साथ समन्वय बनाकर काम करने से चुनाव प्रबंधन आसान हो गया है। इस अवसर पर एडिशनल एसपी वीरन्ना, एएसपी भैंसा कांतिलाल पाटिल आईपीएस, एडिशनल एसपी (एआर) वेंकटेश्वरलू, सीसीआरबी रविंदर रेड्डी, एसबी इंस्पेक्टर श्रीनिवास, इंस्पेक्टर पुरषोत्तम चारी, मोहन, नील, विनोद, नवीन कुमार, आरआई रत्नीरंजन, रमेश, रामकृष्ण, वाईटीओ विनोद, आईटी कोर एसआई रवि कुमार, सब इंस्पेक्टर व अन्य पुलिसकर्मी उपस्थित रहे।

एसटी महिला को चुना जाना चाहिए जिला परिषद अध्यक्ष : प्रवीण कुमार

कुमरम भीम आसिफाबाद 14 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता): बहुजन समाज पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. आरएस प्रवीण कुमार ने राज्य चुनाव आयोग से कुमरम भीम आसिफाबाद जिला परिषद के अध्यक्ष के रूप में एक एसटी महिला को चुनने की मांग की है। इस हद तक, गुरुवार को एक्स (ट्विटर) में प्रतिक्रिया दी। पंचायत राज अधिनियम के अनुसार, जिला परिषद् के वर्तमान उपाध्यक्ष कोनेरू कृष्णा राव, जो सामान्य वर्ग से हैं, की नियुक्ति एजेंसी क्षेत्र में एसटी (महिला) के लिए आरक्षित पद के अस्थायी अध्यक्ष के रूप में की गई है। उन्होंने कहा कि हर जगह दबंग समूह आदिवासियों के संवैधानिक अधिकारों को अपने हाथ में लेने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने मांग की कि राज्य चुनाव आयोग तुरंत आसिफाबाद जिला परिषद अध्यक्ष पद के लिए चुनाव कराए और बिना किसी देरी के किसी अन्य एसटी (महिला) का चयन करे।अन्यथा, उन्होंने कहा कि वह संवैधानिक और कानूनी रूप से सरकार के खिलाफ लड़ने के लिए तैयार हैं।

दोनों तेलुगू राज्यों आंध्र प्रदेश व तेलंगाना में नंबर वन मोबाइल रिटेल चेन के रूप में मशहूर बिग सी कंपनी व्दारा मनाए जा रहे 21 वें वार्षिकोत्सव के शुभावसर पर, आकर्षक आफर्स की घोषणा करते हुए बिग सी संस्थापक व सीएमडी एम. बालु चौधरी एवं संस्था के निदेशकगण वाय.स्वप्न कुमार, जी. बालाजी रेड्डी, आर. गौतम रेड्डी।

आदिलाबाद में रिम्स के पांच छात्रों पर हमला

हैदराबाद, 14 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आदिलाबाद में राजीव गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (रिम्स)-आदिलाबाद के पांच छात्रों पर बुधवार रात यहां परिसर में घुसकर अज्ञात लोगों ने कथित तौर पर हमला किया। पुलिस ने कहा कि अज्ञात व्यक्तियों के हमले में एमबीबीएस छात्रों को मामूली चोटें आईं। एमबीबीएस अंतिम वर्ष के एक अन्य छात्र अभिषेक को कथित तौर पर मुख्य द्वार तक घसीटा गया जब उसने हमले के बाद कार से भाग रहे हमलावरों को पकड़ने का प्रयास किया। बताया जा रहा है कि पुलिस ने दो हमलावरों को हिरासत में लिया है। इस बीच, छात्रों ने गुरुवार को हमले के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर धरना दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि वे रिम्स निदेशक डॉ जयसिंह राठौड़ के अनुयायी हैं। उन्होंने वसीम और तीन अन्य पर हमला करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि हमलावर आसानी से सुरक्षा व्यवस्था में सेंध लगाकर संस्थान में प्रवेश कर सकते हैं। शिविरों पर अप्रिय घटनाओं को रोकने के लिए पुलिस बल तैनात किया गया था। पुलिस मामला दर्ज कर छानबीन कर रही है।

महिला कल्याण मंत्री सीताक्का ने कार्यभार ग्रहण किया

हैदराबाद, 14 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। श्रीमती अनसूया सीताक्का ने आज डॉ. बीआर अंबेडकर के सचिवालय में वैदिक विद्वानों के मंत्रोच्चार के बीच राज्य पंचायत राज, ग्रामीण विकास और महिला कल्याण मंत्री के रूप में कार्यभार संभाला। शपथ ग्रहण समारोह में मंत्री के परिवार के सदस्य शामिल हुए। इस अवसर पर विधायक नागराजू और नैनी राजेंदर रेड्डी सहित कई अन्य विधायकों ने पंचायत राज विभाग के मुख्य सचिव संदीप कुमार सुल्तानिया, आयुक्त हनुमंत राव, सचिव स्मिता सभरवाल और विभिन्न विभागों के उच्च अधिकारियों ने मंत्री को बधाई दी।

एनआईआईएमएच में मोटे अनाज पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 14 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एन.आई.आई.एम.एच, हैदराबाद द्वारा आज संस्थान परिसर में आयुष मंत्रालय के अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष 2023 कार्यक्रम के तहत डॉ. जी.पी प्रसाद, प्रभारी सहायक निदेशक, एन.आई.आई.एम.एच के मार्गदर्शन में एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। वेंकटेश्वर कॉलेज की प्रिंसिपल श्रीमती भवानी मुख्य अतिथि थीं। इस कार्यक्रम में डॉ. वैरामुथु वरिष्ठ अनुसंधान अध्येता और डॉ. हेमाराजू वरिष्ठ अनुसंधान अध्येताद्वारा 'मोटे अनाज का परिचय' एवं 'दैनिक जीवन में बाजरा' विषय पर वार्ता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वेंकटेश्वर इंटरमीडिएट कॉलेज ऑफ कॉमर्स, दिलसुखनगर के लगभग 60 से अधिक छात्र और रेवेन्यू बोर्ड कॉलोनी के सदस्य शामिल हुए। रागी-जावा पेय तैयार किया गया और छात्रों और कर्मचारियों को वितरित किया गया। कार्यक्रम में संस्थान के अनुसंधान अधिकारी डॉ. वी. श्रीदेवी, डॉ. संतोष एस माने, डॉ. बिस्वोरंजन दास, डॉ. क्रिस एंटनी और एल.आई.ए श्री श्रीनिवास राव और संस्थान के सभी कर्मचारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में कॉलेज के विद्यार्थियों, कॉलोनी सदस्यों एवं स्टाफ ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद में हिन्दी कार्यशाला का हुआ आयोजन

हैदराबाद, 14 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद में मुख्य महाप्रबंधक श्रीकर प्रधान की अध्यक्षता एक पूर्ण दिवसीय हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ डी. रवि कुमार, प्रबंधक (मा.सं.) ने की तथा मुख्य वक्ता मो. कमालुद्दीन, स.नि.(रा.भा.), हिंदी शिक्षण योजना, हैदराबाद, मुख्य महाप्रबंधक, संयुक्त महाप्रबंधक (मा.सं.) एवं उपस्थित प्रतिभागियों का स्वागत करते हिन्दी कार्यशालाओं के महत्व के बारे में अपने विचार व्यक्त किए। तत्पश्चात् मुख्य महाप्रबंधक ने अपने सम्बोधन में हिंदी के महत्व की जानकारी दी। इकाई द्वारा राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों से सभी को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि कार्यालय में हिंदी का प्रयोग केवल लक्ष्य पूरे करने के लिए नहीं, बल्कि संवैधानिक दायित्व के रूप में करना चाहिए। हिन्दी कार्याशाला के पहले सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित मो. कमालुद्दीन ने सर्वप्रथम कार्यालय में दैनिक उपयोग की जाने वाले परिभाषिक शब्दों की जानकारी दी। तत्पश्चात् उन्होंने हिंदी टिप्पण लेखन का अभ्यास कराया। साथ ही साथ हिंदी भाषा के उत्पति, विकास एवं व्याकरण के बारे में सभी प्रतिभागियों को अवगत कराया। दूसरे सत्र में पर्यवेक्षक (रा.भा.) ने हिंदी के सवैधानिक प्रावधान, राजभाषा अधिनियम एवं नियम के मुख्य धाराओं के बारे में प्रतिभागियों को अवगत कराया। वार्षिक कार्यक्रम के लक्ष्य विशेषकर "ग' क्षेत्र के लक्ष्य में जानकारी दीं। उन्होंने कहा की हमें अपने दैनिक कार्यों में हिंदी के सरल शब्दों का प्रयोग करना चाहिए।

कार्यशाला का आयोजन दो सत्रों में किया गया। कार्यशाला का संचालन श्री डी. रवि कुमार, प्रबंधक (मा.सं.) ने किया। कार्यशाला में प्रतिभागियों ने अपने विचार रखते हुए इसे बहुत लाभकारी बताया। कार्यशाला में विभिन्न अनुभाग से कुल 18 कर्माचारियों ने भाग लिया। धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यशाला का समापन हुआ।

नरसिंगदास आत्माराम बड़ागांव परिवार ने अन्नदान किया

हैदराबाद, 14 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद शहर के पुराने परिवारों में से एक नरसिंगदास आत्माराम बड़ागाँव परिवार द्वारा उनके पैतृक गाँव सोनासर झुनझुनू, राजस्थान में हर अमावस के दिन ग्राम वासियों में 200 पैकेट भोजन वितरित किया जाता है। प्रेस विज्ञप्ति में समाज के वरिष्ठ सदस्य मुकुंद लाल अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि सोनासर ग्राम में उनके परिवार द्वारा ग्राम वासियों हेतु एक दवाखाना पिछले 40 वर्षों से चलाया जा रहा है जहां निःशुल्क इलाज व दवाइयाँ उपलब्ध करवाई जाती है। पैतृक गाँव में पितृदेवता का मंदिर भी है जहां वर्ष में एक बार यज्ञ, भजन व भंडारा किया जाता है तथा रोज़ पूजा की जाती है पिछले वर्ष पैतृक निवास को आधुनिक रूप से नवीनीकरण करवाया गया। इस अमावस के दिन राजकीय विद्यालय में विद्यार्थियों, अध्यापकों एवं कर्मचारियों में अन्नदान हेतु 200 डब्बे वितरित किए गए।

धर्म सबको एक सूत्र में बांधने वाले उस ब्रह्म का साक्षात्कार : साध्वी अदिति भारती

हैदराबाद, 14 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा गोशामहल पुलिस ग्राउंड में आयोजित संस्थान के देसी गौ संरक्षण व संवर्धन प्रकल्प- कामधेनु को समर्पित श्रीमद् देवी भागवत महापुराण कथा ज्ञान यज्ञ के पंचम दिवस की कथा में दिव्य गुरु श्री आशुतोष महाराज जी की शिष्या कथाव्यास साध्वी अदिति भारती जी ने माँ पार्वती का जन्म, तपस्या, शिव-पार्वती विवाह एवं कुमार कार्तिकेय द्वारा तारकासुर वध का सरस वर्णन किया। भारत माता की अनूठी महिमा के बखान से आज की कथा का शुभारंभ हुआ। इसके उपरांत साध्वी जी ने देवी भागवत महापुराण के सप्तम स्कन्द में दर्ज देवी गीता के उपदेश के माध्यम से बताया कि महादेवी स्वयं कहती है कि मेरे साक्षात् दर्शन के लिए सतगुरु की शरण अनिवार्य है। समाज में पनप रही पाखंड की समस्या पर चर्चा करते हुए, उन्होंने बताया कि पाखंडी गुरुओं से बचने का एक ही मार्ग है पूर्ण गुरु की कसौटी लेकर खोज करना। और देवी गीता प्रसंग में स्वयं माँ यह कसौटी देते हुए कहती हैं- दिव्यं ददामि ते चक्षुः पश्य मे रूपमैश्वरम् अर्थात जो दिव्य नेत्र प्रदान कर तत्क्षण मेरे दर्शन कराये वही पूर्ण गुरु है।

अंतरराज्यीय ड्रग तस्करी गिरोह का भंडाफोड़, एक करोड़ का गांजा बरामद

हैदराबाद, 14 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एक बड़े अंतरराज्यीय ड्रग भंडाफोड़ में, रचाकोंडा स्पेशल ऑपरेशंस टीम (एसओटी) ने अब्दुल्लापुरमेट पुलिस के साथ मिलकर गुरुवार को हैदराबाद के रास्ते राजमुंदरी से उत्तर प्रदेश तक मारिजुआना की तस्करी के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने 360 किलोग्राम गांजा, एक कार और चार मोबाइल फोन जब्त किए, जिनकी कुल कीमत 1 करोड़ रुपये है। राचकोंडा पुलिस ऑयुक्त सुधीर बाबू ने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान विकास त्यागी (29), एक प्लंबर, अबरार (30), एक कैब ड्राइवर, और मोहम्मद अमीरुद्दीन (32), एक टाइल्स कर्मचारी, सभी दोस्त और उत्तर प्रदेश के मेरठ के निवासी के रूप में की गई। पुलिस के अनुसार, संदिग्ध उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद स्थित एक अज्ञात ड्रग तस्कर के संपर्क में थे, जिसने उन्हें राजमंड्री से उत्तर प्रदेश तक ड्रग्स की तस्करी के लिए अच्छा हिस्सा देने की पेशकश की थी। एक गुप्त सूचना के बाद, पुलिस टीम ने अबुदुल्लापुरमेट में आउटर रिंग रोड के पास कार को रोका और उन्हें पकड़ लिया। उनके पास से प्रतिबंधित

महिला को ब्लैकमेल करने वाला गिरफ्तार

हैदराबाद, 14 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एक महिला को ब्लैकमेल करने के आरोप में साइबर क्राइम पीएस, हैदराबाद ने एक आरोपी व्यक्ति मनीष वर्मा निवासी हुसैनियालम, हैदराबाद को पकड़ा है। मनीष वर्मा पर इंस्टाग्राम प्रोफाइल (पब्लिक व्यू) से महिला की तस्वीरें डाउनलोड उसे नग्न तस्वीरों के साथ मॉर्फ करने का आरोप है। पीड़ित महिला का आरोप है कि आरोपी ने धनराशि की मांग करने हुए कहा कि पैसा न मिलने पर वो तस्वीरें पोर्न साइट्स पर अपलोड कर दी जाएंगी। इस मामले की जानकारी देते हुए संयुक्त पुलिस आयुक्त सीसीएस, डीडी, हैदराबाद डॉ. गजराव भूपाल ने बताया कि बीते 23 नवंबर को पीड़ित महिला से एक याचिका प्राप्त हुई। याचिका में पीड़िक महिला ने कहा था कि उनके इंस्टाग्राम अकाउंट का दुरुपयोग उनकी तस्वीरें डाउनलोड की गई है। उनके दोस्तों, परिवार को नग्न व मॉर्फ्ड तस्वीरें पोस्ट करके की धमकी देकर पैसे के लिए ब्लैकमेल करके किया जा रहा है। फर्जी अकाउंट ने उसे नग्न व रूपांतरित व गहरी नकली तस्वीरें भेजीं और धमकी दी कि अगर उसने उन्हें पैसे नहीं दिए तो वे तस्वीरें पोर्न हब में लीक कर देंगे, जिसके कारण वह पीड़ित मानसिक रूप से परेशान हो रही थी। इसके अलावा उन्होंने आवश्यक कार्रवाई करने का अनुरोध किया। याचिका के अनुसार पुलिस ने विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है और जांच की जा रही है। इसके अलावा आरोपी को पकड़कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। इंस्पेक्टर पद्मा के नेतृत्व वाली टीम, एसीपी, साइबर अपराध के सीधे पर्यवेक्षण और श्रीमती दारा कविता, डीसीपी, साइबर क्राइम की करीबी निगरानी में थी। टीम ने आरोपी को पकड़ लिया है।

महिला उत्पीड़न, सार्वजनिक उपद्रव के आरोप में दो को जेल

हैदराबाद, 14 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। स्थानीय अदालतों ने महिलाओं को परेशान करने और सार्वजनिक उपद्रव पैदा करने के लिए अलग-अलग घटनाओं में गुरुवार को दो लोगों को जेल की सजा सुनाई। पहली घटना में, मधुरा नगर के टी. रामू (27) को उसी पड़ोस की एक महिला को फोन पर परेशान करने के लिए तीन दिन के साधारण कारावास की सजा सुनाई गई थी। मधुरा नगर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। दूसरे मामले में, रामगोपालपेट के नल्लागुट्टा निवासी सैयद मुर्तजा (30) ने साइकोट्रोपिक नशीली दवाओं के प्रभाव में सार्वजनिक उपद्रव किया। स्थानीय निवासियों की शिकायत के आधार पर, रामगोपालपेट पुलिस ने मामला दर्ज किया और उसे गिरफ्तार कर लिया। अदालत ने उन्हें दस दिन के साधारण कारावास की सजा सुनाई।

मारवाड़ी युवा मंच पर्ल महिला शाखा ने स्वेटर वितरण किया

हैदराबाद, 14 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मारवाड़ी युवा मंच पर्ल महिला शाखा सिकंदराबाद की शाखा मंत्री शीतल जैन द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार शाखा अध्यक्ष रक्षा जैन की अध्यक्षता में वेस्ट मारेडपल्ली स्थित ओरल फोर डेप्थ आश्रम के बच्चों में बढ़ती हुई सर्दी को देखते हुए स्वेटर वितरण किए गए। साथ ही शाखा के रक्तदान संयोजिका पूनम बोहरा के जन्म दिवस के उपलक्ष में बच्चों के लिए अल्पाहार की व्यवस्था की गई। कार्यक्रम को सफल बनाने में शाखा सह मंत्री सुमन घोड़ेला, विद्या देवी दूगड़, रक्तदान संयोजिका पूनम बोहरा, रतन गांधी ,ललित लोहार, पुष्पा कोठारी, रीना खिसवरा ,वंदना दुग्गड, सुनीता जैन,मेघा जैन, रिद्धि बोहरा, सिद्धि बोहरा, बबीता घोड़ेला का सराहनीय योगदान रहा। शाखा कोषाध्यक्ष कला गांधी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

गड्डम प्रसाद कुमार ...

गद्दम प्रसाद कुमार ने बुधवार को सीएम रेवंत रेड्डी, बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष रामा राव, एआईएमआईएम के विधायकों और सीपीआई के इकलौते विधायक कुनमनेनी संबाशिवा की मौजूदगी में अपना नामांकन विधानसभा सचिव के सामने दाखिल किया था। नामांकन बुधवार को सुबह साढ़े 10 बजे से शाम पांच बजे तक दाखिल करने का समय था। वहीं गुरुवार को चुनाव हुआ। प्रसाद तेलंगाना की विकाराबाद सीट से विधायक हैं।

वह अविभाजित आंध्र प्रदेश में कांग्रेस की सरकार में मंत्री रह चुके हैं। बता दें कि हालिया विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने 64 सीटें जीतकर सत्ता हासिल की है। वहीं बीआरएस ने 39 और एआईएमआईएम ने सात सीटों पर जीत दर्ज की है। भाजपा को आठ सीटों पर जीत मिली है।

गद्दम प्रसाद कुमार के बतौर तेलंगाना स्पीकर पदभार ग्रहण करने के बाद भाजपा विधायकों को शपथ दिलाई गई। बता दें कि भाजपा विधायकों ने प्रोटेम स्पीकर अकबरुद्दीन ओवैसी से शपथ लेने से इनकार कर दिया था। भाजपा विधायकों ने इसे लेकर राज्यपाल को ज्ञापन भी सौंपा था।

'मैं जज से ...

दिल्ली के पूर्व स्वस्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन फिलहाल अंतरिम जमानत पर हैं। वकील सिंघवी ने कहा कि जस्टिस ए एस बोपन्ना और न्यायमूर्ति त्रिवेदी की पीठ ने मामले में पर्याप्त दलीलें सुनी थीं और अब यह मामला उस पीठ के समक्ष सूचीबद्ध है जिसमें जस्टिस बोपन्ना शामिल नहीं हैं। वरिष्ठ वकील ने कहा, हम स्थगन का अनुरोध करते हैं। अगर आप (सीजेआई) एक बार मामले के कागजात देख लेते। इस पर प्रधान न्यायाधीश ने कहा, संबंधित न्यायाधीश मामले को देख रहे हैं और मैं उनके समक्ष सूचीबद्ध मामले में कोई दखल नहीं दूंगा। जिन न्यायाधीश के पास मामला है वे इस पर फैसला लेंगे। मैं नहीं ले सकता। मैं फैसला नहीं ले सकता।

अभिषेक मनु सिंघवी ने जस्टिस त्रिवेदी की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष सूचीबद्ध मामले की सुनवाई को न्यायमूर्ति एएस बोपन्ना के छुट्टी से लौटने तक स्थगित करने की मांग की। उन्होंने कहा, यह मामला न्यायमूर्ति ए एस बोपन्ना के समक्ष सूचीबद्ध था। उन्होंने इसे 2.5 घंटे तक सुना था। अब यह मामला न्यायमूर्ति बेला त्रिवेदी के समक्ष सूचीबद्ध है। हालांकि, जस्टिस चंद्रचूड़ ने जवाब में कहा कि मैं कोई फैसला नहीं ले सकता।

आप नेता सत्येंद्र जैन फिलहाल चिकित्सकीय आधार पर अंतरिम जमानत पर हैं। सुप्रीम कोर्ट ने 26 मई को दिल्ली के पूर्व मंत्री को चिकित्सकीय आधार पर 6 हफ्ते के लिए अंतरिम जमानत दी थी और इसे समय-समय पर बढ़ाया गया है। यह मामला न्यायमूर्ति त्रिवेदी और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ के समक्ष गुरुवार को सुनवाई के लिए लिस्टेड है।

संसद सिक्योरिटी ब्रेक ...

हालांकि इस दौरान 5 दिसंबर को भारतीय संसद हिलाने के बयान और उसके बाद बुधवार को संसद में हुई सेंध के पीछे उसकी साजिश या अन्य किसी तरह की भूमिका के बारे में पन्नू ने कुछ नहीं कहा है।

गौरतलब है कि आतंकी पन्नू ने 5 दिसंबर को धमकी वाला वीडियो जारी किया था। जिसमें उसने 22 साल पहले अफजल गुरु की तरफ से भारतीय संसद पर हुए हमले की तरह ही 13 दिसंबर 2023 को हमला करने की बात कही थी।

पन्नू ने 5 दिसंबर को जारी संदेश में कहा था, क्या भारत उसे मारने की मोदी सरकार की साजिश पर एसएफजे की 13 दिसंबर की प्रतिक्रिया का सामना करने के लिए तैयार है। 13 दिसंबर 2001 को अफजल गुरू ने संसद तक पहुंच कश्मीर का मुद्दा उठाया। वहीं अब वह 13 दिसंबर को नाकाम हत्या का जवाब देगा।

पन्नू ने धमकी दी थी कि 13 दिसंबर को मेरी प्रतिक्रिया 2001 में कश्मीरियों की गैर-न्यायिक हत्याओं के खिलाफ अफजल गुरु के प्रतिरोध के विपरीत होगी, लेकिन फिर भी यह भारत की संसद की नींव को हिला देगी।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

रोहित का वर्ल्डकप फाइनल में हार के बाद पहला रिएक्शन

बोले- मूव ऑन करना बहुत मुश्किल था, टीम के लिए काफी गर्व महसूस करता हूं

मुंबई, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा का वर्ल्ड कप 2023 के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से मिली हार के बाद पहला रिएक्शन आया है। करीब 23-24 दिन बाद पहली बार रोहित कैमरे के सामने नजर आए।

उन्होंने कहा- मुझे नहीं पता था कि कैसे इससे बाहर निकलूं। पहले कुछ दिनों में मुझे कुछ नहीं पता था क्या करूं। मेरी फैमिली, मेरे दोस्तों ने चीजों को आसान किया और मेरा साथ दिया, लेकिन मूव ऑन करना आसान नहीं था। रोहित शर्मा के इंटरव्यू का यह वीडियो उनकी मैनेजिंग टीम के ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से पोस्ट किया गया। इस वीडियो को मुंबई इंडियंस ने भी ट्वीट किया है। बता दें कि अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में 19 नवंबर को फाइनल मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 6 विकेट से हराया था।

मैं टीम के लिए काफी गर्व महसूस करता हूं

रोहित ने कहा- मैं हमेशा 50 ओवर का वर्ल्ड कप देखकर बड़ा हुआ हूं। 50 ओवर का वर्ल्ड कप मेरे लिए सर्वोच्च पुरस्कार था। हमने उस वर्ल्ड कप के लिए इतने सालों तक काम किया था। यह काफी निराशाजनक होता है, जब आपने सब अच्छा किया, आप जो कर सकते थे आपने किया। अगर मुझसे कोई पूछेगा कि आपने क्या गलत किया तो मेरे पास जवाब नहीं होगा। हमने 10 मैच जीते। परफेक्ट कभी कोई नहीं होता आप जीतते हैं तब भी गलतियां करते हैं। मैं टीम के लिए काफी गर्व महसूस करता हूं।

आसान नहीं था कैसे उससे बाहर निकलूं

कप्तान ने आगे कहा- फाइनल के बाद मेरे लिए आसान नहीं था कैसे उससे बाहर निकलूं। मैंने कहीं दूर जाने का फैसला किया जहां इससे बाहर निकल पाऊं, लेकिन सभी का शुक्रिया कि वर्ल्ड कप कैम्पेन के दौरान हमें इतना सपोर्ट किया। एक-डेढ़ महीने लोगों ने हमारा साथ दिया, स्टेडियम आए, हमें सपोर्ट किया। उन सभी का बहुत शुक्रिया।

मुझे उन सभी के लिए बुरा लगा, लेकिन सबसे अच्छी बात थी कि जब मैं लोगों से मिला उन्होंने हमें समझा। उनके अंदर गुस्सा नहीं था बल्कि उनसे प्यार मिला। इससे हम सभी को खासकर मुझे ताकत मिली और मैं आगे बढ़ पा रहा हूं।

वनडे वर्ल्ड कप 2023 फाइनल में मिली हार के बाद ड्रेसिंग रूम में कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली फूट-फूटकर रोए थे। ये खुलासा टीम के स्टार स्पिनर आर अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर एस बद्रीनाथ से बातचीत के दौरान किया है।

हेड-लाबुशेन की पारियों से हारा था भारत

वर्ल्ड कप 2023 के फाइनल में भारत को 6 विकेट की हार का सामना करना पड़ा था। अहमदाबाद में टीम इंडिया टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 240 रन पर ऑलआउट हो गई। 241 रन का टारगेट ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों ने 43 ओवर में 4 विकेट खोकर हासिल कर लिया। ट्रैविस हेड ने 137 रन की शतकीय पारी खेली, जबकि मार्नस लाबुशेन ने नाबाद 58 रन बनाए। इससे पहले, मिचेल स्टार्क ने 3 विकेट झटके, जबकि कप्तान पैट कमिंस और जोश हेजलवुड को 2-2 विकेट मिले। ट्रैविस हेड प्लेयर ऑफ द मैच रहे।

हरियाणा के प्रणव ने जीता स्वर्ण पदक

एशियाई पैरा खेलों के रिकॉर्ड में किया सुधार

नई दिल्ली, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के प्रणव सूरमा ने नई दिल्ली में खेलो इंडिया पैरा खेलों में एफ51 पुरुष क्लबथ्रो स्पर्धा में अपना एशियाई पैरा खेलों का रिकॉर्ड बेहतर करते हुए स्वर्ण पदक जीत लिया। उन्होंने 33.54 मीटर की दूरी से पहला स्थान हासिल किया और हांगझोऊ एशियाई पैरा खेलों के दौरान 30.01 मीटर के प्रयास से बेहतर प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने धरमबीर के 31.09 मीटर के एशियाई रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ा। उत्तर प्रदेश के राम रतन सिंह ने 25.43 मीटर से रजत और तमिलनाडु के एलेक्जेंडर एम ने 25.28 मीटर से कांस्य पदक जीता।

निशानेबाजी में राजस्थान के अनुभवी स्टार विजय सिंह कुंतल ने एचएस2 वर्ग की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में 618.3 के स्कोर से स्वर्ण पदक अपने नाम किया। तेलंगाना के सत्य जनार्दन श्रीधर रायाला ने रजत और पंजाब के दलबीर सिंह ने कांस्य पदक जीता।

10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग स्पर्धा में मोना ने जीता स्वर्ण

महिलाओं की एचएच 1 वर्ग की 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग स्पर्धा में राजस्थान की मोना अग्रवाल ने 619.7 अंक के स्कोर से पहला स्थान हासिल किया। हरियाणा की सिमरन शर्मा ने रजत और उत्तर प्रदेश की आकांशा ने कांस्य पदक हासिल किया। इसी स्पर्धा के पुरुष वर्ग में महाराष्ट्र के स्वरूप उनहालकर ने स्वर्ण, हरियाणा के दीपक सैनी ने रजत और हरियाणा के इशांक आहूजा ने कांस्य पदक जीता।

पैरा पावरलिफ्टिंग में सीमा रानी ने किया कमाल

पैरा पावरलिफ्टिंग 61 किग्रा एलीट वर्ग में पंजाब की सीमा रानी ने 88 किग्रा के वजन से स्वर्ण प्राप्त किया। उत्तर प्रदेश की जैनब खातून ने रजत और तमिलनाडु की एम नाथिया ने कांस्य पदक जीता।

एलीट 59 किग्रा वर्ग में ओडिशा के गदाधर साहू ने 140 किग्रा के कुल वजन से स्वर्ण जीता। केरल के जोबी मैथ्यू और दिल्ली के गुल्फाम अहमद क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे।

शमी बोले- भारतीय मुस्लिम होने पर गर्वः भारत में कहीं भी सजदा कर सकते हैं; वर्ल्ड कप में ग्राउंड पर बैठने से हुई थी कंट्रोवर्सी

नई दिल्ली, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। वनडे वर्ल्ड कप के टॉप विकेट टेकर भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने वनडे वर्ल्ड कप 2023 के दौरान हुई सजदा कॉन्ट्रोवर्सी पर चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने कहा कि वह सजदा करना चाहें, तो भारत में कहीं पर भी कर सकते हैं और उन्हें कोई नहीं रोकेगा।

शमी ने यह बात मीडिया कार्यक्रम में एक सवाल के जवाब में कहा। शमी ने वर्ल्ड कप में 7 मैचों में 24 विकेट लेकर टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे।

दरअसल वर्ल्ड कप के दौरान श्रीलंका के खिलाफ लीग मैच में मोहम्मद शमी ने श्रीलंका के खिलाफ 5 विकेट लेने के बाद कुछ देर के लिए घुटनों के बल बैठ गए थे, जिसके बाद सोशल मीडिया पर पाकिस्तानी यूजर्स ने कहना शुरू कर दिया कि भारतीय गेंदबाज सजदा करना चाहता था मगर डर के चलते नहीं किया।

इंटरव्यू के दौरान जब शमी से पूछा गया कि जब आप पांच विकेट लेने के बाद घुटनों पर बैठे थे तो सोशल मीडिया पर कई पाकिस्तानी यूजर ने सवाल खड़े किए थे। कहा गया कि शमी इंडियन मुस्लिम है, इसलिए डर की वजह से सजदा नहीं कर पर पाया।

गर्व से कहता हूं कि मैं मुस्लिम हूं, मैं भारतीय हूं - शमी

शमी ने जवाब में कहा, 'सजदा कोई करना चाहता है तो कौन रोकेगा। मैं करना चाहूंगा तो कर लूंगा ना। मैं मुस्लिम हूं, गर्व से कहता हूं कि मुस्लिम हूं। मैं इंडियन हूं तो गर्व से कहता हूं कि हां मैं इंडियन हूं। इसमें क्या दिक्कत है। अगर मुझे कोई दिक्कत होती तो भाई मुझे यहां इंडिया में रहना ही नहीं चाहिए था। अगर मुझे मेरा सजदा करने के लिए किसी की परमिशन की जरूरत पड़ती तो मैं रहूंगा ही क्यों यहां पर। भारत में हर मंच पर सजदा कर सकता हूं।'

पहले भी 5 विकेट लिए, पर मैंने कभी सजदा नहीं किया- शमी

शमी ने आगे कहा कि कहा, 'मैंने भी इंस्टाग्राम पर ये सारी चीजें देखी हैं कि मैं सजदा करना चाहता था और नहीं किया। मैं पहले भी 5 विकेट लिए हैं। मैंने तब भी सजदा नहीं किया। जिस दिन मुझे सजदा करना होगा तो मैं कर लूंगा। बताओ न कहां

करना है। मैं इंडिया के हर मंच पर करूंगा और मुझसे कोई प्रश्न करके दिखाए। ये लोग सिर्फ परेशान करते हैं ये किसी से प्यार नहीं करते। इन्हें केवल कंटेट चाहिए, कुछ भी हो।'

थक कर घुटने पर बैठ गए थे शमी

शमी ने बैठने की वजह बताते हुए कहा, 'वह छठा ओवर था। मैं बहुत इंटेसिटी से बॉलिंग कर रहा था। मैं अपनी लिमिट के बाहर जाकर बॉल फेंक रहा था। लगातार विकेट गिर रहे थे। 3 विकेट लेने के बाद मैंने सोचा कि 5 विकेट लेकर यहां से जाऊं। उस समय मैं एक्स्ट्रा एफर्ट से बॉलिंग कर रहा था। मैं थक चुका था। वह आउट नहीं हो रहा था। वह बीट हो रहा था। जब पांचवां आउट हुआ तो मैं घुटनों पर बैठा हुआ था। लोग उसके अलग ही मायने निकालने लगे। मुझे लगता है कि जो लोग ऐसी बातें बनाते हैं, उनके पास कोई और काम नहीं है।'

अफ्रीका दौरे के लिए टेस्ट टीम में शामिल हैं शमी

टीम इंडिया साउथ अफ्रीका दौर पर है। पहले टी-20 मैचों की सीरीज खेली जा रही है। इसके बाद भारतीय टीम को तीन वनडे मैचों की सीरीज खेलनी है और दौरे की आखिरी में तीन टेस्ट मैचों की सीरीज है। मोहम्मद शमी टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए टीम इंडिया के सदस्य हैं।

अर्जुन अवॉर्ड की दौड़ में शमी का नाम

बीसीसीआई की सिफारिश पर लिस्ट में नाम जोड़ा चिराग-सात्विक खेल रत्न के लिए रिकमेंड

नई दिल्ली, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। नेशनल स्पोर्ट्स अवॉर्ड के लिए नॉमिनेशन जारी हो चुके हैं। बीसीसीआई ने अर्जुन अवॉर्ड के लिए तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को नॉमिनेट किया है। 33 साल के शमी का नाम नॉमिनेशन की शुरुआती सूची में नहीं था, ऐसे में बीसीसीआई ने मंत्रालय से उन्हें देश के दूसरे सबसे बड़े खेल अवॉर्ड की लिस्ट में शामिल करने की गुजारिश की। इसके बाद शमी को अर्जुन अवॉर्ड के लिए नॉमिनेट किया गया।

शमी के अलावा 17 अन्य खिलाड़ियों को भी अर्जुन अवॉर्ड के लिए नामित किया गया है। सात्विक साईराज रैंकी रेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय बैडमिंटन जोड़ी को मेजर ध्यानचंद खेल रत्न अवॉर्ड के लिए नॉमिनेट किया गया है।

शमी ने वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा विकेट लिए - तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के नाम की सिफारिश वर्ल्ड कप 2023 में शानदार प्रदर्शन के आधार पर की गई है। उन्होंने 7 मैचों में सबसे ज्यादा 24 विकेट लिए थे। वर्ल्ड कप फाइनल में हार के बाद जब पीएम मोदी टीम इंडिया के ड्रेसिंग रूम में पहुंचे थे, तो उन्होंने भी शमी को गले लगाकर उनके प्रदर्शन की तारीफ की थी।

चिराग-सात्विक की जोड़ी ने इस साल 3 बीडब्ल्यूएफ टाइटल जीते

सात्विक-चिराग की जोड़ी ने इस साल शानदार प्रदर्शन किया है। इस जोड़ी ने 3 बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर टाइटल जीते हैं। इस जोड़ी ने इंडोनेशिया सुपर 1000, कोरिया सुपर 500 और स्विस सुपर 300 के खिताब जीते हैं। इस जोड़ी को नवंबर के अंत में चाइना मास्टर्स 750 के फाइनल में पराजय का सामना करना पड़ा।

5 कोच बनेंगे द्रोणाचार्य - कोचिंग में सबसे बड़े अवॉर्ड के लिए 5 लोगों को नामित किया गया है। इनमें गणेश प्रभाकरन (मल्लखंभ), महावीर सैनी (पैरा एथलेटिक्स), ललित कुमार (कुश्ती), आरबी रमेश (शतरंज) और शिवेंद्र सिंह (हॉकी) शामिल हैं।

नोजोमी ओकुहारा ने भारत में अपने खराब अनुभव की दास्तां सुनाई

बताया कैब ड्राइवर ने कैसे लगाया चूना

नई दिल्ली, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। बैडमिंटन में पूर्व विश्व चैंपियन और ओलंपिक पदक विजेता नोजोमी ओकुहारा ने हाल ही में भारत यात्रा का अपना खराब अनुभव साझा किया जहां दिल्ली के एक कैब ड्राइवर ने उन्हें चूना लगाया और ओडिशा के कटक में होटल में उन्हें कमरे के लिए चार घंटे तक इंतजार करना पड़ा।

28 वर्ष की ओकुहारा ने सोशल मीडिया पर लिखा कि दिल्ली हवाई हड्डे पर एक कैब ड्राइवर ने उन्हें परेशान किया और चूना लगाया। ओडिशा ओपन के लिए सोमवार को कटक पहुंचने पर उन्हें आधिकारिक परिवहन सुविधा उपलब्ध नहीं कराई गई थी। होटल में जाने के लिए उन्हें चार घंटे इंतजार करना पड़ा और अभ्यास सत्र के लिए सुबह आठ बजे भी उन्हें बस या कार नहीं मिली थी।

भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) के महासचिव संजय मिश्रा ने इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताया और कहा कि भविष्य में ऐसा नहीं होगा। उन्होंने कहा कि जापान की खिलाड़ी ने लॉजिस्टिक का ब्यौरा (स्थानीय यात्रा और होटल) देने वाला कोई ईमेल नहीं भेजा वरना ऐसी नौबत नहीं आती।

ओकुहारा ने लखनऊ में सैयद मोदी सुपर 300 टूर्नामेंट जीता था। वह रविवार की रात हांगकांग के रास्ते दिल्ली आईं। इसके बाद दिल्ली हवाई अड्डे पर एक अजनबी ने उनका सामान एक ट्रॉली पर रख दिया। फिर एक निजी टैक्सी ड्राइवर ने पास ही के होटल तक पहुंचाने के लिए उबर की तुलना में उनसे दस गुना अधिक पैसा लिया।

जर्मन दीवार तोड़ने में नाकाम, जूनियर पुरुष विश्व कप हॉकी सेमीफाइनल में भारतीय टीम की हार

स्वर्ण पदक जीतने का सपना टूटा

क्वालालंपुर, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप खिताब के लिए भारत का इंतजार जारी है। जर्मनी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत को 4-1 से हराकर नौवीं बार फाइनल में जगह बनाई। जूनियर पुरुष विश्व कप हॉकी सेमीफाइनल में गुरुवार को भारतीय टीम को बड़ा झटका लगा है।

जर्मनी दीवार को तोड़ने में टीम इंडिया नाकाम रही। आत्मविश्वास से ओतप्रोत भारतीय टीम को 1-4

से हार का सामना करना पड़ा। स्वर्ण पदक जीतने का सपना टूट गया। विश्व रैंकिंग में तीसरे स्थान पर काबिज भारत ने चौथी रैंकिंग वाली नीदरलैंड टीम को क्वार्टर फाइनल में 4-3 से हराया था।

दबाव में खेलने की आदत काम नहीं आई। पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप फाइनल हो या जोहोर कप में कांस्य पदक का मुकाबला हमने दबाव में ही खेलकर जीत दर्ज की थी। यहां पर मात मिली। कांस्य पदक के लिए भारत खेलेगा।

पुजारा 2024 के काउंटी सीजन में ससेक्स के लिए खेलेंगे

ससेक्स के लिए उनका तीसरा सीजन; अफ्रीका दौरे में टीम इंडिया से हैं ड्रॉप

चेन्नई, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। चेतेश्वर पुजारा 2024 के काउंटी सीजन में ससेक्स की टीम से खेलेंगे। उन्होंने काउंटी के शुरुआती 7 मैचों के लिए ससेक्स से करार किया है। ससेक्स ने दूसरे विदेशी खिलाड़ी के तौर पर ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज डेनियल ह्यूज को भी टीम में शामिल किया है। पुजारा का काउंटी में ससेक्स के लिए तीसरा सीजन है। पुजारा ने अब तक ससेक्स के लिए 18 चैंपियनशिप मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 64.24 की औसत से 1,863 रन बनाए हैं। उन्होंने इस दौरान आठ शतक और तीन अर्धशतक भी लगाए हैं। वहीं डर्बीशायर के खिलाफ 2022 में काउंटी में अपना सर्वोच्च स्कोर 231 रन बनाया था। उन्होंने टॉम हैन्स के साथ 351 रनों की साझेदारी की थी। 2023 में ससेक्स के लिए पुजारा का उच्चतम स्कोर 151 रन था। यह पारी उन्होंने ग्लॉस्टरशायर के खिलाफ खेली थी, जिसमें 20 चौके और दो छक्के शामिल थे।

पुजारा ने एक बयान में कहा, 'मैंने पिछले सीजन में होव में काफी काफी बढ़िया समय बिताया है। ससेक्स परिवार के साथ एक बार फिर से जुड़ना काफी अच्छा अनुभव है। मैं टीम में शामिल होने और इसकी सफलता में योगदान देने के

लिए उत्सुक हूं।'

ससेक्स के मुख्य कोच ने पुजारा को बेहतर इंसान बताया

ससेक्स के मुख्य कोच पॉल फारब्रेस ने कहा, 'मुझे खुशी है कि चेतेश्वर सीजन के पहले दो महीनों के लिए फिर से होव लौट रहे हैं। वह न केवल एक अच्छे खिलाड़ी हैं बल्कि बेहतर इंसान भी हैं। उनका अनुभव हमारी टीम के लिए काफी महत्वपूर्ण है।'

साउथ अफ्रीका दौरे के लिए टेस्ट में नहीं चुना गया है

पुजारा को साउथ अफ्रीका दौरे के लिए टीम में जगह नहीं दी गई है। भारतीय टीम को साउथ अफ्रीके दौरे की आखिरी में तीन टेस्ट मैचों की सीरीज खेलनी है। इस सीरीज में चेतेश्वर पुजारा को स्कॉयड में शामिल नहीं किया गया है। पुजारा ने अपना आखिरी टेस्ट ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू सीरीज में जून में खिलाफ खेला था।

पुजारा का इंटरनेशनल क्रिकेट करियर

35 वर्षीय दाएं हाथ के बैटर चेतेश्वर पुजारा ने आखिरी बार जून 2023 में वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में खेला था। वह पहली पारी में 14 और दूसरी पारी में 27 रन ही बना सके थे। उन्होंने 103 टेस्ट मैचों में 43.60 की औसत से कुल 7195 रन बनाए हैं, जिसमें 19 शतक और 35 अर्धशतक शामिल हैं। इस दौरान उनका बेस्ट स्कोर नाबाद 206 रन है। इसके अलावा उन्होंने 5 वनडे में 51 रन बनाए हैं।

पाकिस्तान के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की टीम में 2 उप-कप्तान

पहले टेस्ट के लिए स्मिथ-हेड को जिम्मेदारी, प्लेइंग इलेवन में स्पिनर लायन की वापसी

पर्थ, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान से पर्थ में गुरुवार से शुरु होने वाली टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले के लिए ऑस्ट्रेलिया ने अपनी प्लेइंग इलेवन की घोषणा कर दी है।

14 से 17 दिसंबर तक चलने वाले पहले टेस्ट मुकाबले के लिए ऑस्ट्रेलिया ने कप्तान पैट कमिंस के साथ दो खिलाड़ियों को उपकप्तानी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह टेस्ट सीरीज वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के तहत खेली जा रही है।

स्टीव स्मिथ के साथ ट्रेविस हेड को भी बनाया गया है उपकप्तान

अनुभवी प्लेयर स्टीव स्मिथ के साथ ट्रेविस हेड को भी उपकप्तानी की जिम्मेदारी इस मुकाबले के लिए दी गई है। ट्रेविस हेड ने भारत में हुए वनडे वर्ल्ड कप में 54.83 की औसत से 329 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी में 2 शतक और एक अर्धशतक जमाया था।

नाथन लायन की हुई है वापसी

वहीं प्लेइंग इलेवन में तीन तेज गेंदबाजों और एक स्पिनर को टीम भी जगह दी गई है। पेस की जिम्मेदारी कैप्टन पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क और जोश हेजलवुड के कंधों पर हो होगी।

वहीं टीम में नाथ लायन इकलौते स्पिनर है। लायन एशेज सीरीज के दौरान चोटिल हो गए थे और उसके बाद से वह टीम से बाहर चल रहे हैं। उन्होंने अपना आखिरी टेस्ट लॉर्ड्स में 2 जुलाई को खेला था।

ऑस्ट्रेलिया को पाकिस्तान के खिलाफ वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के तहत अपने घर में तीन टेस्ट मैचों की सीरीज खेलनी है।

पहला टेस्ट मैच 14-17 दिसंबर तक पर्थ में खेला जाएगा। जबकि दूसरा टेस्ट बॉक्सिंग डे के दिन यानी 26 दिसंबर से मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में शुरू होगी। वहीं तीसरा और आखिरी टेस्ट नए साल पर 3 से 7 जनवरी के बीच सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में खेला जाएगा।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.